# जनता के गोठ

Website- https://www.jantakegoth.com

● वर्ष -01 ● अंक- 327 ● रायपुर, सोमवार 23 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ- 12 ● मूल्य- 2 रुपया ● संपादक- शुभम वर्मा ● PRGI Reg No : CTBIL/25/A1787


## संक्षिप्त समाचार

### साथी सैनिक की गोली से घायल जवान भी होगा 'वॉर इंजरी पेंशन' का हकदार

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने सैनिकों की पेंशन को लेकर एक अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि 'वॉर इंजरी एलिमेंट' यानी युद्ध के दौरान लगी चोट के आधार पर मिलने वाली बढ़ी हुई पेंशन का लाभ पाने के लिए जवान का दुश्मन की गोली से घायल होना जरूरी नहीं है। सैन्य अभियानों के दौरान अपने ही हथियार से गलती से गोली चलने या अपनी सेना के साथियों की फायरिंग में घायल होने वाले जवान भी इस पेंशन के हकदार हो सकते हैं। जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस एनके सिंह की पीठ ने कहा कि यदि जवान सेना के निर्धारित आदेशों के दायरे में आने वाली परिस्थितियों में घायल होता है, तो उसे 'वुंडेड बैटल कैजुअल्टी' यानी युद्ध के दौरान घायल सैनिक की श्रेणी में रखा जा सकता है। अदालत ने बताया कि सेना की नीति में ऐसी दो परिस्थितियों को मान्यता दी गई है। पहली, गोली या उसके किसी टुकड़े से गलती से लगी चोट और दूसरी, अपनी ही सेना के जवानों की फायरिंग से लगी चोट। हालांकि, इसके लिए जरूरी है कि घटना दुश्मनों या उग्रवादियों के खिलाफ किसी सैन्य अभियान के दौरान हुई हो।

### एफबीआई की मोस्ट वांटेड लिस्ट में शामिल हुआ गोल्डी बराड़

**नई दिल्ली।** भारत और कनाडा में कई गंभीर आपराधिक मामलों में वांटेड गैंगस्टर गोल्डी बराड़ पर अमेरिकी जांच एजेंसी स्वच्छ ने शिकंजा कस दिया है। एजेंसी ने सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ को अपनी 'टेन मोस्ट वांटेड फ्यूजिटिव्स' सूची में शामिल किया है। उसकी गिरफ्तारी में मददगार साबित होने वाली जानकारी देने वाले व्यक्ति को 10 लाख डॉलर यानी करीब 8 करोड़ रुपये से अधिक का इनाम देने की घोषणा की गई है। गोल्डी बराड़ को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के आपराधिक नेटवर्क का उत्तरी अमेरिका में प्रमुख संचालक बताया गया है। एफबीआई के अनुसार, बिश्नोई गैंग पर अमेरिका और कनाडा में हत्या, अपहरण, रंगदारी, नशीले पदार्थों की तस्करी और हथियारों से जुड़े अपराधों में शामिल होने के आरोप हैं।

### एनएसए अजीत डोभाल को अमेरिकी कोर्ट ने समन भेजने का दिया आदेश

**नई दिल्ली।** खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर से दायर एक मामले में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के पूर्व प्रमुख सामंत गोयल को समन भेजने के अमेरिकी अदालत के आदेश पर भारत ने सख्त रुख अपनाते हुए करारा पलटवार किया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस पूरे मामले को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह बेबुनियाद करार दिया है। इस मुद्दे पर जब विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से सवाल पूछा गया, तो उन्होंने दो टूक शब्दों में स्पष्ट किया।

---

कोटा में भीषण सड़क हादसा–खड़े ट्रक में घुसी तेज रफ्तार क्रूजर

# एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत,8 अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली/ एजेंसी



राजस्थान के कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे पर नाता थाना क्षेत्र के शंभूपुरा गांव के पास शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात करीब 1 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। खाटूश्यामजी के दर्शन कर महाराष्ट्र लौट रहे श्रद्धालुओं की एक तेज रफ्तार क्रूजर गाड़ी सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे पर खड़े ट्रक में तेज रफ्तार क्रूजर के घुसने से महाराष्ट्र के एक ही परिवार के 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है और 8 लोग घायल हैं। शुरुआती जांच में क्रूजर चालक को झपकी आना हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है, वहीं घायल ट्रक ड्राइवर ने होश आने पर पुलिस को सूचना दी। सिटी एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि हादसा नाता थाना क्षेत्र में शंभूपुरा गांव के पास रात करीब 1 बजे हुआ। क्रूजर में महाराष्ट्र के रहने वाले एक ही परिवार के 16 लोग सवार थे, जो खाटूश्यामजी के दर्शन कर वापस लौट रहे थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, संभवत: क्रूजर ड्राइवर को झपकी आने से यह भीषण टक्कर हुई। हादसे में उषा बाई, सुशीला (55), कैलाश (45), सांवी, सज्जन, अनीता, बाबूलाल (60), जाह्नवी (13) और माधवी की मृत्यु हो गई। पीड़ित परिवार के सदस्य प्रदीप ने बताया कि वे सभी आपस में रिश्तेदार हैं और तीन अलग-अलग गाड़ियों में कुल 36 लोग सवार होकर खाटूश्यामजी के दर्शन करके महाराष्ट्र लौट रहे थे। तीनों गाड़ियां एक-दूसरे के आगे-पीछे चल रही थीं, तभी सबसे आगे चल रही क्रूजर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ी में शव व घायल बुरी तरह फंस गए, जिन्हें एसपी तेजस्वनी गौतम की मौजूदगी में बड़ी मुश्किल से बाहर निकालकर एंबुलेंस से न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल पहुंचाया गया। इस दुर्घटना में खंडवा (मध्यप्रदेश) निवासी ट्रक ड्राइवर हारून भी घायल हुआ है। हारून ने बताया कि ट्रक में कुछ तकनीकी खराबी आने के कारण उसने वाहन को सड़क किनारे खड़ा किया था और वह ट्रक से थोड़ी दूरी पर खड़ा होकर उसे चेक कर रहा था। तभी तेज रफ्तार क्रूजर ने पहले उसे टक्कर मारी और फिर सीधे ट्रक में जा घुसी। टक्कर से हारून करीब 20 फीट दूर जाकर गिरा और बेहोश हो गया; करीब 10 मिनट बाद होश आने पर उसने ही पुलिस और एंबुलेंस को फोन करके मौके पर बुलाया।

### ट्रेलर से टकराकर दो टुकड़ों में बंटी कार..... आर्मी जवान के परिवार के 7 लोगों की मौत

गुजरात के भुज-खावड़ा नेशनल हाईवे पर देर रात कार और ट्रेलर की भीषण भिड़ंत में उत्तराखंड के एक सेना के जवान के परिवार समेत 7 लोगों की मौत हो गई है। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार दो टुकड़ों में बंट गई और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। गुजरात के कच्छ जिले स्थित भुज-खावड़ा नेशनल हाईवे पर देर रात रफ्तार का कहर देखने को मिला, जहां एक कार और ट्रेलर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि कार दो टुकड़ों में बंट गई, उसके परखच्चे उड़ गए और मलबा तथा शव सड़क पर दूर तक बिखर गए। इस हृदयविदारक दुर्घटना में एक ही परिवार के 7 सदस्यों की जान चली गई, जिनमें 2 पुरुष, 2 महिलाएं और 3 मासूम बच्चे शामिल हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस दर्दनाक हादसे का शिकार भुज में तैनात उत्तराखंड के एक आर्मी जवान का परिवार और उनके अन्य रिश्तेदार हुए हैं। देर रात हुए इस एक्सीडेंट के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और चीख-पुकार सुनाई देने लगी। कच्छ के जिला कलेक्टर अनिल राणावासिया ने इस दुर्घटना में सात लोगों की मृत्यु होने की आधिकारिक पुष्टि की है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू करते हुए अन्य घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जबकि मृतकों की आधिकारिक पहचान से जुड़ी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

---

सोनिया गांधी के पुश्तैनी घर को बनाया जाएगा म्यूजियम

# इटली के गांव में सहेजी जाएंगी उनकी जिंदगी से जुड़ी यादें.....

नई दिल्ली/ एजेंसी



इटली में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के पुश्तैनी घर को अब म्यूजियम के रूप में विकसित किया गया है। इस घर को खरीदने वाले भारतीय मूल के सुखदेव सिंह कांग ने अमृतसर में इसकी जानकारी दी। उन्होंने गांधी परिवार को इटली आकर अपना पुश्तैनी घर देखने का न्योता भी दिया है। इस म्यूजियम में सोनिया गांधी के इटली में शुरुआती जीवन से लेकर भारत में उनके राजनीतिक सफर तक की कहानी को संजोने की योजना है। सुखदेव सिंह कांग के मुताबिक, इटली के लुसियाना स्थित यह घर लंबे समय से भारतीय पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहा है। खासतौर पर केरल से बड़ी संख्या में लोग इसे देखने पहुंचते हैं। पहले घर पर ताला लगा रहता था और इसकी चाबी परिवार के पास होती थी। हालांकि, अब पर्यटकों की सुविधा के लिए एक महिला केयरटेकर नियुक्त की गई है, जो घर में प्रवेश की व्यवस्था संभालती है। कांग ने बताया कि भारत से आने वाले पर्यटक घर को देखते हैं और वहां तस्वीरें भी खिंचवाते हैं। अब इस ऐतिहासिक संपत्ति को व्यवस्थित तरीके से संरक्षित किया जा रहा है, ताकि लोग सोनिया गांधी के शुरुआती जीवन से जुड़ी जगह को करीब से देख सकें। कांग ने बताया कि इस घर को सोनिया गांधी के जीवन और उनकी उपलब्धियों को समर्पित म्यूजियम के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां उनके इटली में बिताए शुरुआती दिनों से लेकर भारत में उनके लंबे राजनीतिक सफर तक की यादों को प्रदर्शित किया जाएगा।

### रिजिजू ने राहुल गांधी की टिप्पणी के बाद कांग्रेस से पूछे चार सवाल

**नई दिल्ली।** केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को कांग्रेस पर नया हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस पर 1962 में चीन का कब्जा कराकर और भारत को एक गरीब देश बनाए रखने का आरोप लगाया। साथ ही, चार सवाल पूछते हुए रिजिजू ने कांग्रेस से माफी की मांग की। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, हम 1962 के अपमान को कभी नहीं भूलेंगे। 1962 में कांग्रेस ने सशस्त्र बलों और अरुणाचल प्रदेश के लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया था। यह हमारे लिए एक बड़ा सबक है।

जो लोग समाज को बांटकर राजनीति करते हैं

# वे अंत में खुद ही कमजोर हो जाते हैं-धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री...



**प्रतापगढ़।** बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कुंडा में चल रही राम कथा के समापन के अवसर पर हिंदू एकता का जोरदार आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश, धर्म और संविधान की रक्षा के लिए सनातनियों को एकजुट होना होगा। कथा के अंतिम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। इस दौरान शास्त्री ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को लेकर पूछे गए सवालों का भी जवाब दिया और अपनी बात को साफ शब्दों में रखा। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा, देखिए, यह इस देश और हिंदुओं का दुर्भाग्य है कि एक हिंदू दूसरे हिंदू का ही विरोध करता है, क्योंकि हिंदू काफी दब्बू होते हैं और पलटकर जवाब नहीं देते, लेकिन कुंडा से हिंदुओं ने पलटकर जवाब देना सीख लिया है कि अब अगर आप हमें उकसाएंगे, तो बख्शे नहीं जाएंगे।

---

अमित शाह ने अरुणाचल की तरक्की का बताया हिसाब

# राज्य में बाहर से दूध, अंडे,मास बाहर से नहीं लाना चाहिए-शाह

नई दिल्ली/ एजेंसी

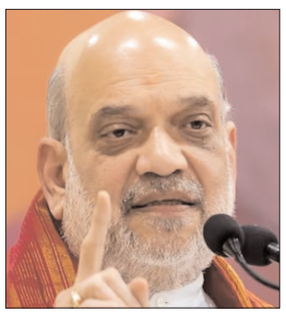

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार को अरुणाचल प्रदेश में राज्य की विभिन्न विकास योजनाओं का शुभारंभ किया। अमित शाह ने राजधानी ईटानगर स्थित दोर्जी खांडू राज्य कन्वेंशन सेंटर में आयोजित सहकारिता समारोह में हिस्सा लिया और जनता का संबोधित किया। इस मीटिंग के दौरान अमित शाह ने रोजगार और आत्मनिर्भरता के मामले में अरुणाचल प्रदेश के विकास का बड़ा दावा किया। उन्होंने पिछले 10 सालों में हुई तरक्की की तुलना कांग्रेस सरकार के समय हुई तरक्की से की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जनता से अपील कि राज्य में बाहर से दूध, अंडे, मास और मछली बाहर से नहीं लाना चाहिए। अमित शाह ने कहा, मैं एक कॉल टू एक्शन जारी करना चाहूंगा: क्या अरुणाचल दूध, अंडे, मीट और मछली में आत्मनिर्भर बन सकता है? एक भी लीटर दूध या कोई भी डेयरी प्रोडक्ट अरुणाचल के बाहर से नहीं मंगाना चाहिए। यही बात अंडे, मछली और मीट पर भी लागू होती है। शाह ने कहा कि मेरे हिसाब से, इसे हासिल करने से हम कम से कम 32,000 परिवारों को आत्मनिर्भर बना पाएंगे। इसके अलावा, ये ऐसे काम हैं जिनके लिए कम से कम कैपिटल की जरूरत होती है। अगर किसी कैपिटल की जरूरत पड़ी।

### पंजाब में पराली जलाने के 6,874 मामले दर्ज, 11.94 करोड़ रुपये का लगा जुर्माना

**पटियाला।** पंजाब में धान की कटाई लगभग पूरी होने के बावजूद पराली जलाने के मामले सामने आ रहे हैं। कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में पराली जलाने की कुल 6,874 घटनाएं रिपोर्ट की गई हैं। इनमें से 6,425 स्थानों का निरीक्षण किया गया, जबकि 2,704 स्थानों पर खेतों में पराली जलाने की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार राज्य में धान की कुल 32.87 लाख हेक्टेयर भूमि में से 99.10 प्रतिशत क्षेत्र में कटाई पूरी हो चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक पराली जलाने के मामलों में पर्यावरण मुआवजे (ईसी) के तहत 2,372 मामलों में कुल 11 करोड़ 94 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

एसीबी ने रंगे हाथो किया था गिरफ्तार

# रिश्वतखोर जीएसटी असिस्टेंट कमिश्नर आंचल गिरी सस्पेंड

कांकेर। एजेंसी



डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत लेते एंटी करप्शन ब्यूरो के हत्थे चढ़ी जीएसटीविभाग की असिस्टेंट कमिश्नर अंचला गिरी पर अब विभागीय कार्रवाई भी हो गई है। राज्य कर आयुक्त ने उन्हें निलंबित कर दिया है। कांकेर में पदस्थ अधिकारी को रायपुर और जगदलपुर की संयुक्त एसीबी टीम ने एक कारोबारी से रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। इस मामले में रकम पहुंचाने वाले सहयोगी इमरान मेमन को भी आरोपी बनाया गया है। मामला कांकेर थाना क्षेत्र के आदर्श नगर का है। जानकारी के मुताबिक, एक कबाड़ कारोबारी ने जीएसटी असिस्टेंट कमिश्नर अंचला गिरी के खिलाफ रिश्वत मांगने की शिकायत एसीबी से की थी। शिकायत की जांच के बाद ब्यूरो ने जाल बिछाया और तय रकम लेते हुए अधिकारी को पकड़ लिया। आरोप है कि कारोबारी की स्क्रैप से लदी गाड़ी छोड़ने और मामले को निपटाने के एवज में डेढ़ लाख रुपये की मांग की गई थी। कार्रवाई के दौरान एसीबी ने रिश्वत की रकम पहुंचाने वाले इमरान मेमन को भी गिरफ्तार किया। शिकायतकर्ता कारोबारी मोहम्मद शौएब रंगरेज के मुताबिक, 18 नवंबर को उनकी गाड़ी स्क्रैप लेकर जा रही थी। उनके दावे के अनुसार, वाहन के पास बिल मौजूद होने के बावजूद उसे रोक लिया गया।

---

पटवारियों के खिलाफ हुई कार्रवाई पर सरकार विचार करेगी : सीएम साय

# पटवारियों की हड़ताल स्थगित,सीएम साय से मुलाकात के बाद बनी सहमति

रायपुर/ संवाददाता




छत्तीसगढ़ में 40 दिन से पीवी एप को लेकर लामबंद पटवारियों ने रविवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल स्थगित करने की घोषणा की है. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात के बाद पटवारियों ने यह फैसला लिया है. हड़ताल खत्म होने से धान खरीदी से संबंधित व्यवस्था बिना परेशानी के संचालित हो पाएंगी. दरअसल, पीवी एप के माध्यम से फसल के भौतिक सत्यापन में आ रही तकनीकी और व्यावहारिक समस्याओं को लेकर पटवारियों में नाराजगी थी. इसे हटाए जाने की मांग की गई थी. इस बीच धान खरीदी तिहार की शुरूआत हुई. हड़ताल का असर किसानों पर पड़ा. मुख्यमंत्री साय ने दो दिन पहले पटवारियों से काम पर लौटने की अपील की थी. राजस्व पटवारी संघ ने सूचना जारी करते हुए 22 नवबंर को हड़ताल स्थगित करने की घोषणा की है. इसके साथ ही उन्होंने सरकार से मांग की है कि हड़ताल अवधि में पटवारियों के खिलाफ निलंबन, ब्रेक इन सर्विस, स्थानांतरण, कारण बताओ नोटिस जैसे दमनात्मक कार्यवाहियों को शून्य किया जाए. अनिश्चितकालीन आंदोलन की संपूर्ण अवधि को कार्य दिवस मान्य वेतन करते हुए उक्त अवधि का नियमित वेतन प्रदाय किया जाए. वहीं वेतन विसंगति एवं पदोन्नति के संबंध में तत्काल निर्णय लेते हुए आदेश जारी किया जाए. इसके अलावा कर्मचारियों के समस्याओं के निराकरण के लिये ऑनलाईन मुख्यमंत्री जनदर्शन सेवा शुरू किया जाए. पटवारियों की हड़ताल को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बताया कि पटवारी संघ का एक प्रतिनिधिमंडल आज ष्टरू हाउस पहुंचा था. इस दौरान पटवारी संघ ने अपनी हड़ताल समाप्त करने का वादा किया है. पटवारियों की वेतन और प्रमोशन संबंधी मांगों को लेकर एक समिति का गठन किया गया है. यह समिति पटवारियों से भी सुझाव लेगी और जल्द ही सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी. सरकार रिपोर्ट के आधार पर उनकी मांगों पर विचार करेगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशभर में धान खरीदी चल रही है और चक्रवात के कारण फसलों का आकलन भी किया जाना है, ऐसे में पटवारियों का काम पर लौटना जरूरी है.

### पटवारियों की हड़ताल समाप्त : मंत्री टंकराम

राजस्व मंत्री टंक वर्मा ने कहा कि पटवारियों की हड़ताल समाप्त हो चुकी है. वहीं विधायक सुशांत शुक्ला का कहना है कि पटवारी ने आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात की है. मुख्यमंत्री ने पटवारियों की मांगों को सुना. उनकी जायज मांगों को पूरा किया जाएगा.

### हड़ताल अवधि में हुई कार्यवाहियों के सम्बन्ध में होगा सहानुभूति पूर्वक विचार

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से आज मुख्यमंत्री निवास में पटवारी संघ के पदाधिकारियों की औपचारिक मुलाकात हुई । पटवारी संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से चर्चा करते हुए अपनी मांगों के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने उनकी समस्याओं को पूरे धैर्य और सहानुभूति के साथ सुना। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कर्मचारियों की उचित मांगों का समाधान संवाद और आपसी समझ से ही होना चाहिए। राज्य सरकार अपने कर्मचारियों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है। मुख्यमंत्री श्री साय ने पटवारियों की वेतन विसंगति एवं पदोन्नति संबंधी मांगों के परीक्षण के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिए।

# मानव तस्करी और घरेलू हिंसा से संरक्षण पर राज्य स्तरीय कार्यशाला कल, राज्यपाल करेंगे शुभारंभ

**जनता के गोठ- रायपुर**

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग तथा पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के सह-आयोजन में सोमवार, 23 नवंबर 2026 को एक दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। 'मानव तस्करी तथा महिलाओं का घरेलू हिंसा से संरक्षण' विषय पर केंद्रित यह कार्यशाला सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित होगी।

कार्यशाला का शुभारंभ राज्यपाल रमेन डेका करेंगे। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला तथा राज्य महिला आयोग की सदस्यगण विशेष रूप से उपस्थित रहेंगी। वहीं, कार्यक्रम का समापन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मुख्य आतिथ्य में होगा। समापन समारोह में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू, आयोग की सदस्य सरला कोसरिया, प्रियम्वदा सिंह जूदेव, ओजस्वी मंडावी, दीपिका सोरी, कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला एवं महिला व बाल विकास विभाग की संचालक डॉ. रेणुका श्रीवास्तव मौजूद रहेंगी।

**तीन तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञ करेंगे मंथन**

- प्रथम तकनीकी सत्रः इसमें छत्तीसगढ़ के परिवेश में मानव तस्करी की समस्या पर गंभीर चर्चा होगी। सत्र की अध्यक्षता पुलिस महानिदेशक




(डीजीपी) अरुण देव गौतम करेंगे। पैनलिस्ट के रूप में न्यायपालिका से आमंत्रित न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एवं शक्ति वाहिनी के सह-संस्थापक रविकांत सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारी व विषय विशेषज्ञ शामिल होंगे।

- द्वितीय तकनीकी सत्रः इसमें 'महिलाओं का घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम, 2005' के प्रभावी क्रियान्वयन पर परिचर्चा होगी। महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक डॉ. रेणुका श्रीवास्तव की अध्यक्षता में होने वाले इस सत्र में आमंत्रित न्यायाधीशों के साथ मजलिस सेंटर ऑफ लॉ की डायरेक्टर एंड्री डी'मेलो तथा अन्य विशेषज्ञ अपने विचार रखेंगे।

- तृतीय तकनीकी सत्रः शैक्षणिक परिप्रेक्ष्य पर आधारित इस सत्र में सीडब्ल्यूएस (ष्टड्डब्र) से प्रो. डॉ. प्रियंवदा, नीति आयोग की प्रतिनिधि प्रोतिति साहा, डालसा (ष्ठब्रब्र) से अविनाश दुबे और मनोचिकित्सक सोनिया परियर शामिल होंगी।

**500 प्रतिभागियों को दिया जाएगा व्यावहारिक प्रशिक्षण**

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को कानूनी प्रावधानों, पुलिस की भूमिका, जांच व कार्रवाई की प्रक्रिया तथा पीड़ित महिलाओं के संरक्षण एवं सहायता से जुड़े पहलुओं के प्रति व्यावहारिक रूप से जागरूक करना है, ताकि संबंधित अधिनियमों को जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। कार्यशाला में पुलिस विभाग, न्यायपालिका, विधिक सेवा प्राधिकरण, विभिन्न जिलों के महिला एवं बाल विकास अधिकारी, उच्च शिक्षा विभाग, विधि छात्र-छात्राएं और स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधि सहित लगभग 500 प्रशिक्षार्थी हिस्सा लेंगे।

# मुड़पार में धूमधाम से मनाया गया सोशल मीडिया प्रभारी अनीश सेन का जन्मदिन, जनप्रतिनिधियों ने दी शुभकामनाएं

**जनता के गोठ/ओंकार साहू**

बलौदाबाजार। ग्राम मुड़पार में सोशल मीडिया प्रभारी अनीश सेन का जन्मदिन हर्षोल्लास एवं पारिवारिक माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा सहित जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, परिवारजनों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य और सुखमय जीवन की कामना की। जन्मदिन के अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं वरिष्ठजनों ने अनीश सेन को तिलक लगाकर और केक खिलाकर शुभाशीष दिया। इस दौरान माहौल खुशियों और उत्साह से सराबोर रहा। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, जिला पंचायत



सभापति श्रीमती स्वाति वर्मा, जनपद सभापति प्रतिनिधि ऋषिकांत बबलू पटेल, समाजसेवी डॉ. रोहित कुमार वर्मा, महिला मोर्चा हथबंद मंडल अध्यक्ष श्रीमती विद्या वर्मा, युगलकिशोर वर्मा, संजय वर्मा, जितेंद्र वर्मा, दुलेश्वर अनंत, गोलू सोनी, जीवन ध्रुव, सागर वर्मा एवं आजाद अग्रवाल सहित परिवारजन और शुभचिंतक उपस्थित रहे।

# कुरुषपाल में सात दिवसीय एनएसएस शिविर संपन्न, 42 बैग कचरा रिसाइक्लिंग केंद्र भेजा

**टीबी जागरूकता, स्वच्छता और नशामुक्ति अभियान के जरिए स्वयंसेवकों ने निभाई सामाजिक जिम्मेदारी**

**ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ** जगदलपुर।* बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करीतगांव की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा ग्राम कुरुषपाल में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन सेवा, स्वच्छता और जनजागरूकता के संदेश के साथ हुआ। शिविर की थीम 'टीबी फ्री यूथ एवं नशामुक्त युवा' रही। समापन दिवस पर स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान चलाने के साथ ग्रामीणों को स्वास्थ्य, टीबी जागरूकता, स्वच्छता एवं नशामुक्ति के प्रति जागरूक किया।




समापन समारोह में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय जगदलपुर के एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. संजीवन कुमार भूआर्य, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी बलिराम बघेल, ग्राम गुमडेल की सरपंच शर्मिला कश्यप, रुखधर कश्यप, पंच बंशीधर कश्यप, कार्यक्रम अधिकारी भुनेश्वर लाल साहू, एसके देवराजन एवं रायधर कश्यप उपस्थित रहे।

डॉ. संजीवन कुमार भूआर्य ने स्वयंसेवकों की सेवा भावना की सराहना करते हुए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आपदा के दौरान उनके तत्पर सहयोग और समर्पण को प्रेरणादायी बताया। वहीं बलिराम बघेल ने युवाओं को जीवन की चुनौतियों का साहस और दृढ़ता से सामना करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर बाढ़ प्रभावित परिवारों के विद्यार्थी स्वयंसेवकों को अतिथियों द्वारा इन्वर्टर बल्ब प्रदान किए गए। उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवक, स्वयंसेविका, दलनायक एवं दल सदस्यों को सम्मानित किया गया। नशामुक्ति पर नुक्कड़ नाटक और समूह नृत्य भी आकर्षण का केंद्र रहे।

शिविर के दौरान स्वच्छता अभियान में एकत्रित 42 बैग कचरे को जगदलपुर स्थित रिसाइक्लिंग केंद्र पहुंचाया गया। कु. मोनिका कश्यप ने इसकी जानकारी दी। शिविर को सफल बनाने में कार्यक्रम अधिकारी राहुल सिंह ठाकुर, सहायक कार्यक्रम अधिकारी वाणी हुमने, लोकेश्वर निषाद, इंद्रजीत साहू, शिक्षकों, पुलिसकर्मियों तथा स्वयंसेवकों का योगदान रहा।

# भाजपा राज में महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दिया - वंदना राजपूत कांग्रेस

**रेपो रेट बढ़ाकर कर्जभार और बढ़ा रही है सरकार**

**जनता के गोठ- रायपुर**

रायपुर/22 नंवबर 2026। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा है कि भाजपा ने अच्छे दिन और 100 दिन के भीतर महंगाई नियंत्रित करने के बड़े-बड़े दावे किए थे, लेकिन आज अक्टूबर 2026 के आंकड़े खुद चीख-चीख कर उनकी विफलता की पोल खोल रहे हैं। थोक महंगाई का 4 साल के उच्चतम स्तर, 12.29 प्रतिशत पर पहुंचना और खुदरा महंगाई का आरबीआई की अधिकतम सीमा को पार कर जाना इस बात का प्रमाण है कि भाजपा सरकार देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था संभालने में पूरी तरह अक्षम साबित हुई है। गरीब और मध्यम वर्ग की थाली से दाल और भोजन गायब हो रहा है। पेट्रोल-डीजल और बिजली के दाम बढ़ने से हर चीज महंगी हो गई है। कपड़े 13.67 प्रतिशत और मेटल्स के दाम 17.21 प्रतिशत तक बढ़ चुका है। आम आदमी का जीवनयापन दूभर हो गया है, व्यापारी और मध्यम वर्ग त्रस्त हैं। एक तरफ महंगाई बेकाबू है, तो दूसरी तरफ सरकार रेपो रेट बढ़ाकर कर्ज को और महंगा कर रही है सरकार। अक्टूबर 2026 में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि और अब फिर से 0.50 प्रतिशत बढ़ाने की तैयारी हो रही है, इससे आम आदमी के होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की ईएमआई बढ़ गई है, जिससे मध्यम वर्ग का बजट पूरी तरह चरमरा गया है।



प्रदेश कांग्रेस कमेटी की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा है कि एक तरफ बढ़ती बेरोजगारी, घटती आमदनी और न्यूनतम बचत, दूसरी तरफ बेलगाम महंगाई से आम जनता की कमर टूट गई ह। आज आम जनता भाजपा सरकार के कुप्रबंधन और आर्थिक नाकामी की सबसे बड़ी कीमत चुका रही है। महंगाई ने आज सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। थोक महंगाई 12.29 प्रतिशत पर पहुंच चुकी है, दालें 26 फीसदी, ईंधन-बिजली 32 प्रतिशत और खाद्य सामग्रियां आसमान छू रही हैं। विडंबना यह है कि महंगाई रोकने में नाकाम यह सरकार बार-बार रेपो रेट बढ़ाकर जनता के कर्ज और ईएमआई को और महंगा कर रही है। न देश संभल रहा है, न अर्थव्यवस्था, भाजपा सरकार पूरी तरह फेल हो चुकी है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा है कि मोदी के कथित अमृतकाल में अब रोटी के लिए भी लोन लेने की नौबत आ गई है। महंगाई पर काबू पाने में पूरी तरह फेल हो चुकी भाजपा सरकार अब ब्याज दरें बढ़ाकर जनता की जेब पर डाका डाल रही है। केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों को जनता के दर्द से कोई लेना-देना नहीं है। छत्तीसगढ़ का गरीब, किसान, महिला और व्यापारी महंगाई की इस आग में झुलस रहा है। भाजपा नेताओं को छत्तीसगढ़ की जनता की गाढ़ी कमाई से कोई मतलब नहीं है, वे सिर्फ बड़े पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने में लगे हैं। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम कम थे, तब आपने एक्साइज ड्यूटी बढ़ाकर जनता को क्यों लूटा? आज जब देश की अर्थव्यवस्था बेपटरी हो चुकी है, तो ठीकरा दूसरों पर फोड़ना बंद कीजिए और बताइए कि खाद्यान्न, अनाज, दलहन और ईंधन इतना महंगा क्यों हुआ? इस सरकार से न देश संभल रहा है, न अर्थव्यवस्था। छत्तीसगढ़ की जनता पूछ रही है कि भाजपा की इस डबल इंजन सरकार की नाकामी की सजा आम आदमी को क्यों मिल रही है?

# खैरागढ़ में 1500 किलो संदिग्ध पनीर जब्त, भोपाल से रायपुर जा रही थी खेप

**खैरागढ़।** मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ पहुंचाई जा रही करीब 1500 किलो संदिग्ध पनीर की खेप को पुलिस ने जब्त किया है। साल्हेवारा चेकपोस्ट पर वाहन जांच के दौरान भोपाल से रायपुर जा रही महिंद्रा पिकअप को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें पनीर के 30 कार्टून बरामद हुए। खाद्य सुरक्षा विभाग की प्रारंभिक जांच में पनीर के एनालॉग होने की आशंका जताई गई है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार शाम करीब 7 बजे साल्हेवारा थाना के सामने पुलिस चेकपोस्ट पर नियमित वाहन जांच कर रही थी। इसी दौरान मध्यप्रदेश के भोपाल से रायपुर की ओर जा रही पिकअप क्रमांक MP 04 WC 8384 को रोककर पूछताछ की गई। चालक शिशुपाल ने बताया कि वाहन में पनीर लोड है, जिसे भोपाल के ट्रांसपोर्ट नगर से रायपुर पहुंचाया जाना है। पुलिस ने मामले की जानकारी खाद्य सुरक्षा विभाग को दी। इसके बाद वाहन को जिला मुख्यालय लाकर जांच की गई। तलाशी के दौरान 50-50 किलो के कुल 30 कार्टून मिले, जिनमें लगभग 1500 किलो पनीर रखा हुआ था। चालक के अनुसार, इस खेप की डिलीवरी रायपुर के भाठागांव स्थित आशीष जायसवाल की दुकान पर की जानी थी।

# मनरेगा पौधारोपण अनियमितता मामले में 7 दिन के भीतर जांच के निर्देश

**ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ**

*जगदलपुर।* बीजापुर जिले में विकसित भारतङ्कजी राम जी (मनरेगा) योजना के तहत पौधारोपण कार्यों में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों को लेकर अब उच्चस्तरीय जांच के निर्देश जारी किए गए हैं। विधायक विक्रम मंडावी द्वारा मामले को उठाए जाने के बाद आयुक्त कार्यालय ने बस्तर संभाग आयुक्त को सात दिवस के भीतर जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने कहा है। बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने पत्र क्रमांक 297, दिनांक 17 नवंबर 2026 के माध्यम से जिले के चारों जनपद पंचायतों में मनरेगा के तहत किए गए पौधारोपण कार्यों में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच की मांग की थी। विधायक के पत्र पर कार्रवाई करते हुए कार्यालय आयुक्त, विकसित भारतङ्करोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण), नवा रायपुर द्वारा 18 नवंबर 2026 को पत्र जारी किया गया। आयुक्त तारन प्रकाश सिन्हा ने बस्तर संभाग आयुक्त को निर्देशित किया है कि मामले की नियमानुसार जांच कर सात दिवस के भीतर अभिमत सहित प्रतिवेदन संबंधित कार्यालय को उपलब्ध कराएं तथा संबंधित पक्षों को भी अवगत कराएं। आदेश की प्रतिलिपि विधायक विक्रम मंडावी, अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, जिला कार्यक्रम समन्वयक एवं कलेक्टर बीजापुर तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बीजापुर को भेजी गई है।

# 20 साल बाद गांव लौटे आदिवासी परिवार फिर बेघर, घर जलाने का वन विभाग पर आरोप

**आइतलवागु गांव में जले आशियानों का जांच समिति ने लिया जायजा, पीड़ितों ने मुआवजा और पुनर्वास की उठाई मांग**

**ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ** *जगदलपुर।* बीजापुर जिले के करेंगुट्टा पहाड़ी क्षेत्र के निकट मजूर कोत्तापल्ली स्थित आइतलवागु गांव में आदिवासी परिवारों के घर जलाए जाने का मामला सामने आया है आरोप है कि सलवा जुडूम के दौरान वर्ष 2005 में तेलंगाना पलायन करने वाले परिवार करीब दो दशक बाद अपने पैतृक गांव लौटे और झोपड़ियां बनाकर रहने लगे, लेकिन वन विभाग के अमले ने उनके घरों में आग लगा दी घटना



के बाद परिवार दोबारा बेघर हो गए हैं। पीड़ित परिवारों के मुताबिक, उन्होंने लंबे समय बाद अपने गांव लौटकर घर बनाए और खेती-किसानी के जरिए जीवन संवारने की उम्मीद की थी। लेकिन घरों में आग लगने से अनाज, कपड़े, बर्तन और अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गया। अब परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। घटना की वास्तविक स्थिति जानने गठित जांच समिति आइतलवागु गांव पहुंची। समिति अध्यक्ष ज्योति धुर्वा के नेतृत्व में सतीश मंडावी, दंती पोयाम और समीर खान ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। समिति सदस्यों ने जले हुए घरों का निरीक्षण कर घटना से संबंधित जानकारी जुटाई। समिति ने कहा कि दशकों बाद अपने पैतृक गांव लौटे आदिवासी परिवारों के साथ इस तरह का व्यवहार गंभीर मामला है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पीड़ित ग्रामीणों ने दोषी वन अमले के खिलाफ कार्रवाई, नुकसान का उचित मुआवजा, पुनर्वास तथा पैतृक जमीन पर सम्मानपूर्वक रहने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग है।

# भाजपा पाटन मंडल : आत्मनिर्भर शक्ति केंद्र बैठक संपन्न, बूथ सशक्तिकरण पर जोर

**पाटन।** भारतीय जनता पार्टी पाटन मंडल के अंतर्गत आत्मनिर्भर शक्ति केंद्र की महत्वपूर्ण बैठक आज रविवार, 22 नवंबर 2026 को प्रातः 10 बजे शिवोम कुटी, सभापति प्रणव शर्मा के निवास स्थल, घुघुवा (क) में आयोजित की गई। बैठक में बूथ सशक्तिकरण पर जोर देते हुए तथा शक्तिकेंद्र संयोजक एवं सह संयोजक की घोषणा किया गया। बैठक में बूथ - घुघुवा (क), बूथ - करसा, बूथ - गभरा, बूथ - करगा के बूथ अध्यक्ष, बूथ सचिव, बीएलए-2, महिला प्रमुख, युवा प्रमुख, मन की बात प्रमुख सहित समस्त पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सक्रिय सदस्य एवं ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्तागण उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से ग्राम करसा निवासी श्री दुर्वासा



साहू को शक्तिकेंद्र संयोजक तथा ग्राम घुघुवा (क) निवासी श्री नरेश निषाद को शक्तिकेंद्र सह संयोजक के पद पर चुना गया। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने दोनों नव नियुक्त पदाधिकारियों का करतल ध्वनि से स्वागत कर बधाई दी। बैठक में अतिथि के रूप में जनपद पंचायत पाटन के सभापति प्रणव शर्मा उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि बूथ ही पार्टी की सबसे मजबूत इकाई है। बैठक का संचालन शक्ति केंद्र प्रभारी एवं भाजपा पाटन मंडल उपाध्यक्ष श्री हर प्रसाद आडिल द्वारा किया गया। उन्होंने सभी बूथ अध्यक्षों से अपने-अपने बूथ पर सभी प्रमुखों की उपस्थिति सुनिश्चित करने और संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक मजबूत करने का आह्वान किया।

# फेवा झील के प्राकृतिक सौंदर्य के बीच विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण का अध्ययन

**नेपाल की हिमालयी वादियों में प्रकृति शिक्षण यात्रा, 30 सदस्यीय दल में बस्तर के मनीष अहीर शामिल**

**ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ** जगदलपुर।* भारत-नेपाल मैत्री, प्रकृति संरक्षण और वैज्ञानिक चेतना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय भारत मैत्री प्रकृति यात्रा के तहत छत्तीसगढ़ के 30 सदस्यीय दल ने नेपाल के पोखरा स्थित प्रसिद्ध फेवा झील का शैक्षिक भ्रमण किया। हिमालय की पर्वत श्रृंखलाओं, हरियाली और शांत झील के प्राकृतिक सौंदर्य ने दल के सदस्यों को आकर्षित किया। झील में अन्नपूर्णा पर्वत और माछापुच्छे (फिशटेल) का प्रतिबिंब भ्रमण का विशेष आकर्षण रहा।




**प्रकृति और संस्कृति का अनूठा संगम-** भ्रमण के दौरान दल ने झील के जल संसाधन, जैव विविधता, पहाड़ियों की संरचना, स्थानीय जनजीवन और पर्यटन गतिविधियों का अध्ययन किया। झील के मध्य स्थित ताल बाराही मंदिर के माध्यम से स्थानीय सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत से भी परिचित हुए। नौका विहार के दौरान सदस्यों ने प्रकृति और मानव जीवन के परस्पर संबंधों को समझा। यात्रा संयोजक लखनलाल साहू ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य केवल पर्यटन नहीं, बल्कि प्रकृति को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी विकसित करना है। उन्होंने जल प्रदूषण और प्लास्टिक कचरे से प्राकृतिक संसाधनों को होने वाले नुकसान पर चिंता जताई।

**शिक्षकों के लिए अनुभव आधारित अध्ययन-** दल के सदस्यों ने कहा कि ऐसी यात्राएं पुस्तकीय ज्ञान को वास्तविक अनुभव से जोड़ती हैं तथा शिक्षकों और विज्ञान संचारकों में वैज्ञानिक चेतना और पर्यावरणीय समझ विकसित करती हैं।

यात्रा संयोजक लखनलाल साहू, प्रभारी बृजलाल मंडावी एवं सचिव भुवनेश्वर मरकाम के नेतृत्व में 30 सदस्यीय दल नेपाल भ्रमण पर है। दल में बस्तर के मनीष अहीर सहित विभिन्न सदस्य शामिल हैं। सदस्यों ने भारत-नेपाल मैत्री को मजबूत बनाने, वैज्ञानिक सोच अपनाने और प्राकृतिक धरोहर को भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित रखने का संदेश दिया।

# दू दिन वाला तिहार

**(छत्तीसगढ़ी व्यंग्य)**

पाछू चार-छह बरस ले अब तिहार-बार मनई बड़ बिस्फुटक जनाये कस लगथे। पंचांग म अलग दिन लिखाय रहिथे, त सरकारी छुट्टी अलगेच्च दिन। पुन्नी-पुनवास, एकादशी के बात अलग हे। काबर ये कॉमन मैन अस आय। फेर देवारी-होली देवउठनी त वी.वी.आई.पी. कस कैटेगरी म आय। त अइसन म टोर-भांज अइसे जनाथे, जइसे सदा दिन के धुर विपक्षी दल मन सरकार बना के मलाई खाए खातिर एक हो गे हवे का? अइसन धरम- संकट कि, पंचांग के तिथि-बार के टोर-भांज ल पतियाबे, ते सरकारी छुट्टी के सेंट-परसेंट उतारा लेके उपयोगिता प्रमाण पत्र सबमिट करबे?

गाँव वाले पंडित कथे, काली तिहार हे, त शहर वाले कथे, परसों। ये दूनों के असमंजस में फँसे मनखे जब गूगल देव, इंस्टाग्राम अउ यूट्यूब जस ज्ञानी-ध्यानी के शरणागत होथे, त तो झन पूछ रे ददा! जानो-मानो अब तिहार नइ रहिगे, परीक्षा हो गे हे। जेती-तेती परचा लीक होवत हे। सबो कहत हें, मोर परचा ओरिजनल, बाकी मन डुप्लीकेट।

डोकरी दाई कहय, बेटा, काली एकादशी हे, नहा-धो के व्रत रखबे। बात खतम। अब बेटा गूगल खोलथे, पंडित जी ल फेन लगाथे, अउ परोसी ला पूछथे, तीनों के जवाब तीन किसम के। एक कहिथे, आज हे। दूसर कहिथे, काली हे। तीसर कहिथे, दूनों दिन मना ले, पाप-पुन दूनों बरोबर हो जाही। त लइका मन ल हॉट सीट मिल जाए रहिथे। लाइफ लाइन लेय बिना करोड़पति बनगे हें। कोनो कहत हे, पिज्जा खाबो, त कोनो कहत हे, बर्गर।

गाँव के सियान मन पंचांग देख के कहिथें, शुभ मुहूर्त काली दस बजे ले हे। शहर के पंडित जी टीवी में कहिथे, आज रात बारह बजे देव उठ जाही। अउ व्हाट्सऐप गुरुजी कहिथे, परसों तक मनावव, फायदाच्च फायदा हे।

हमर सोनऊ कका के घर तो ये हाल हे, कि कका आज व्रत रखिस, काकी काली रखही, अउ लइका मन कहिथे, हमन दूनों दिन नइ रखन, हमन तो तिहार



के नाम में फरा-चीला नइ खावन, पिज्जा खाबो। परब के नाम में घर में तीन गुट बनगे हे, आज वाला, काल वाला, अउ खाए वाला। टोर-भांज म सबले बड़े मिसअंडरस्टैंडिंग अउ कन्फ्यूजन बर- बिहाव म आथे। लड़का वाला कहिथे, लगिन आज हे। लड़की वाला कहिथे, नइ, काली हे। बीच में पंडित जी कहिथे, दूनों दिन शुभ हे, फेर दूनों दिन दक्षिणा लागही। वोती दूल्हा-दुल्हन बिहाव पाछू रिजर्वेशन होय फ्लाइट के टिकट अउ ऑनलाइन बुक्ड होटल के टिकट- रसीद ला देखत शंका के बादर म घिरत रहिथें। तिहार मन पहिली एक दिन के होवत रहिस, अउ खुशी हफ्ता-दू- हफ्ता भर। अब तिहार दू दिन के होगे हे, अउ कन्फ्यूजन महीना भर के। पीड़ी-कांदा, कुसियार-बेसन, सूजी सब बिसा के रखे हन, फेर बनाबो कब? आज बनाबो त काली वाला कहिही, अरे, आज तो व्रत नइ रहिस। काली बनाबो त आज वाला कहिही, तिहार तो बासी हो गे। भक्ति-भाव के सोझे परीक्षा।

ग्रह-नक्षत्र अपन जघा हावय रे ददा! फेर टोर-भांज मन के हो गे हे। भगवान तो कब के उठगे होही, हमी मन हन जेन दू दिन ले आज कि काली म अरझे हन। तिहार चाहे एक दिन होय, चाहे दू दिन, मन म श्रद्धा होही त देवता खुदे उठ के असीस दे देही। नइ तो, हमन पंचांग देखत रहिबो, अउ विवेक के देवता हँसत-हँसत फेर सूत जाही।

पहिली दू ठन अगरबत्ती अउ तुलसी म दीया बारे ले मन शांत होवत रहिस। अब स्टेटस में दीया बारत हन, फेर मन अशांत हे। आज दीया बारबो त काली वाला कहिही, गलत दिन बार देस। काली बारबो त आज वाला कहिही, तिहार निकल गे हे। तुलसी बिहाव म तुलसी बिचारी एके जघा खड़े हे, शालिग्राम बिचारा एके जघा खड़े हे, फेर मनाए वाला मन दू दिन ले एक-दूसर के मुड़ म चढ़े हें। पूजा-परब एक दिन के, खरचा दू दिन के। व्रत एक आदमी के, उपदेश पूरा गांव मोहल्ला के।

थोकिन श्रद्धा अउ दिखावा जादा। देव कभू सुतही? हमर विवेक सूते हे। हमर ईश्वर अउ रूस-चीन-अमेरिका के ईश्वर डिफ्रेंट हे? इहाँ के ईश्वर जागत हे त उहाँ के सूतत हे? अउ उहाँ के सूतत हे त इहाँ के जागत हे? शुभ कारज बर ग्रह-नक्षत्र काय कर लिही? ग्रह नइ भटके हे, हमर घर सुनता एका अउ बुद्धि भटक गे हे। पंचांग में गड़बड़ नइये, हमर चलागन में गड़बड़ हे। अपन मन के पंचांग ल देख लेबो, उहि दिन तिहार एके दिन हो जाही, अउ खुशी हफ्ता भर के। नइ त एक दिन तिहार, दू दिन कन्फ्यूजन, तीन दिन बहस। उछाह परब मन ले हावय। सबो दिन होली अउ सबो दिन देवारी।

**रोशन साहू 'मोखला'**
**(राजनांदगाँव)**
**7999840942**

## सरकार, यूसीसी कमेटी के सामने आई आपत्तियों को सार्वजनिक करे

# प्रदेश का आदिवासी समाज यूसीसी के खिलाफ है - दीपक बैज

**रायपुर/22 नवंबर 2026।** **प्रदेश** का आदिवासी समाज यूसीसी के खिलाफ है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राज्य सरकार के द्वारा यूसीसी के लिए बनाई गई कमेटी के सामने बस्तर से लेकर सरगुजा तक आदिवासी समाज ने राज्य में यूसीसी लागू करने का विरोध किया है। भाजपा सरकार आदिवासियों की मंशा के विपरीत राज्य में यूसीसी लागू करने की कोशिश में है। हम सरकार से मांग करते है कि यूसीसी कमेटी के समक्ष अभी तक आए सभी आपत्तियों और सुझावो को सार्वजनिक किया जाए, इससे पता लग पायेगा कितने लोग इसको लागू करने के पक्ष में है, कितने विरोध में?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि यूसीसी सर्वे एक ढोंग है, ड्राफ्ट पहले से ही दिल्ली में तैयार है। भाजपा सरकार का यह सर्वे जनता की राय लेने के लिए नहीं, बल्कि अपने नागपुरी/दिल्ली के एजेंडे पर मुहर लगाने का एक प्रायोजित नाटक है। छत्तीसगढ़ी स्वाभिमान व जल-जंगल-जमीन के अधिकार यह सरकार छिनना चाहती है। यह आदिवासी और मूल निवासियों की अस्मिता पर सीधा हमला है। छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान, पारंपरिक अधिकारों और पेसा (PESA) कानून को खत्म करने की साजिश किया जा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि समानता के नाम पर छत्तसगढ़िया संस्कृति और आदिवासियों की पारंपरिक व्यवस्था, अनुसूची 5 के तहत जल-जंगल- जमीन के अधिकारों को खत्म करना चाहती है यह सरकार। जब ड्राफ्ट पहले से तय है, तो इस फर्जी सर्वे और प्रक्रिया



पर छत्तीसगढ़ की जनता के करोड़ों रुपये क्यों लुटाए जा रहे हैं? क्या राज्य सरकार यह लिखित गारंटी देगी कि छत्तीसगढ़ के रूढ़िगत अधिकार, प्रथा परंपरा पर हस्तक्षेप नहीं होगा? क्या भाजपा के आदिवासी विधायक और मंत्री अपने समाज के पारंपरिक अधिकारों की बलि देकर दिल्ली के आकाओं के सामने नतमस्तक हो चुके हैं? नागपुर और दिल्ली के एजेंडे को थोपने के लिए छत्तीसगढ़ की समृद्ध और विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को बलि का बकरा क्यों बनाया जा रहा है? यूसीसी का मतलब 'यूनिफॉर्म सिविल कोड' नहीं, भाजपा के लिए इसका मतलब 'अधिनायकवादी थोपा हुआ कोड' है। फर्जी सर्वे, सुझाव का नाटक बंद कर प्रभावितों से सीधे बात करे और बताए कि स्थानीय मूल निवासियों के अधिकारों को छीना जा रहा है या नहीं?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश का मुखिया एक आदिवासी है उसके बाद राज्य के बहुसंख्यक आदिवासियों के हितों के खिलाफ सरकार निर्णय ले रही है। मुख्यमंत्री और सरकार ये बताये कि-

क्या यूसीसी लागू होने के बाद प्रदेश में पेसा कानून का अस्तित्व यथावत रहेगा?

पांचवी अनुसूची की पंचायतों के अधिकारों में कोई छोड़छाड़ नहीं होगी?

राज्य की संरक्षित जनजातियां बैगा, कमार, पहाड़ी, कोरवा, बिरहोर, अबुझमाड़िया, भुंजिया, पांडा को संविधान में विशेष संरक्षण मिला है क्या यूसीसी लागू होने पर इनके अधिकार सुरक्षित रहेंगे?

? भू-राजस्व संहिता में आदिवासियों के जमीनों के मालिकाना हक संबंधी नियम में छेड़छाड़ नहीं होगी?

? आदिवासियों की जमीनों पर उनके सामुदायिक अधिकारों का हनन नहीं किया जायेगा?

सुशील आनंद शुक्ला
संचार प्रमुख
छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी

# अंदरूनी गांवों तक पहुंचे विधायक विक्रम मंडावी, ग्रामीणों से संवाद कर सुनी समस्याएं

**ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ**

जगदलपुर। बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने भोपालपट्टनम ब्लॉक के अंदरूनी गांव बंदेपारा, कनजोड़ और कचलाराम पहुंचकर ग्रामीणों से भेंट-मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने गांवों में पहुंचकर लोगों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं, जरूरतों तथा क्षेत्र में विकास कार्यों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। गांवों के भ्रमण के दौरान ग्रामीणों ने विधायक के समक्ष सड़क, पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा, राशन वितरण और मनरेगा से जुड़ी विभिन्न समस्याएं रखीं। ग्रामीणों ने बताया कि अंदरूनी क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को लेकर कई चुनौतियां बनी हुई हैं, जिनके समाधान की आवश्यकता है। विधायक विक्रम मंडावी ने ग्रामीणों की बातों को



गंभीरता से सुना और समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक पहल करने का भरोसा दिलाया। ग्रामीणों ने विधायक का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। मुलाकात के दौरान महिलाओं, बुजुर्गों सहित विभिन्न वर्गों के लोगों ने अपनी समस्याएं खुलकर सामने रखीं। विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि अंदरूनी गांवों का विकास उनकी प्राथमिकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने और लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कोई भी गांव विकास की मुख्यधारा से वंचित नहीं रहना चाहिए।

# युवा मोर्चा जामगांव आर की प्रथम मासिक बैठक विश्राम गृह भनसूली में संपन्न

**जामगांव आर** - ग्राम भनसूली में स्थित विश्रामगृह में भारतीय जनता युवा मोर्चा जामगांव आर मंडल की प्रथम मासिक बैठक संपन्न हुई! बैठक में भाजयुमो अध्यक्ष लुभम बंछोर, हर्ष चंदेल मंडल प्रभारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे! कार्यक्रम में उपस्थित नारद साहू सभापति प्रतिनिधि जिला पंचायत दुर्ग, रामकुमार चंद्राकर जनपद सदस्य पाटन, हर्ष चंदेल मंडल प्रभारी, लुभम बंछोर भाजयुमो अध्यक्ष, मुकेश साहू महामंत्री, नरेंद्र धरमगुड़ी महामंत्री मंचासिन रहे!



कार्यक्रम में शामिल - नारद साहू सभापति प्रतिनिधि जिला पंचायत दुर्ग में, रामकुमार चंद्राकर जनपद सदस्य पाटन, हर्ष चंदेल मंडल प्रभारी, लुभम बंछोर भाजयुमो अध्यक्ष, मुकेश साहू महामंत्री,नरेंद्र धरमगुड़ी महामंत्री , दीपक साहू भाजयुमो उपाध्यक्ष,अभिषेक सेन भाजयुमो उपाध्यक्ष, प्रदीप चंद्राकर भाजयुमो उपाध्यक्ष, विजय साहू, किरण साहू मंत्री, दुर्गेश रजक, निमेश साहू, हुमेश देवांगन, उज्जवल केला, छगनलाल साहू, हर्ष साहू, खिलावन यादव, सोहनलाल साहू सहित समस्त भाजयुमो उपस्थित रहे!

## श्री राम नाम सप्ताह महायज्ञ बिर्रा संध्याकालीन आरती में जुटती है भीड़

**कमल खुंटे/जनता के गोठ**

बम्हनीडीह। यज्ञ समिति एवं समस्त ग्रामवासी बिर्रा द्वारा आयोजित अखंड राम नाम जप सप्ताह महायज्ञ में यज्ञाचार्य पं जितेन्द्र तिवारी एवं वरणीय पंडितों की उपस्थिति में संध्याकालीन महाआरती में श्री राम दरबार में दिखती है श्रद्धालुओं की उपस्थिति 7 मिनट तक



चलने वाली महाआरती में राजपरिवार के सदस्यों सहित सभी ग्रामवासियों की उपस्थिति रहती है। बड़ी संख्या में महिलाएं हाथ में थाल दीपक लिए बड़े भक्ति भाव और श्रद्धा के साथ शामिल होते हैं। श्रीराम नाम सप्ताह महायज्ञ का यह शानदार 156 वें वर्ष का आयोजन क्षेत्र में सीताराम सीताराम राधेश्याम राधेश्याम की धूम मची हुई है। हर दिन बड़ी संख्या में किर्तन मंडलियां पारंपरिक वेशभूषा झांझ-मंजीरा-मृदंग की धून में किर्तन भजन करते हुए नज़र आ रहे हैं। इस भव्य महायज्ञ का समापन 25 नवंबर को यज्ञ हवन पूर्णाहुति सहस्त्रधारा स्नान के साथ होगा।

# पेन देव स्थलों की पारंपरिक विधि से पुनर्स्थापना, प्रशासन पर आदिवासी आस्था की अनदेखी का आरोप

### सड़क निर्माण के दौरान देवस्थलों को क्षति पहुंचाने का आरोप, पांचवीं अनुसूची और रूढ़ि प्रथा के अधिकारों का उठाया मुद्दा

**ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ**

जगदलपुर । कोंडागांव शहर के बड़े कनेरा मार्ग पर पारंपरिक पेन (देव) स्थल और मरघट की भूमि को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। नार्र गायता बुद्धसिंह कोर्राम और आदिवासी समाज के लोगों ने प्रशासन पर बिना अनुमति देवस्थलों को क्षति पहुंचाकर सड़क निर्माण कराने का आरोप लगाया है। विरोध के बीच शनिवार को ग्रामीणों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों और विधि-विधान से पेन देव स्थलों की पुनः स्थापना की। गायता परिवार के सदस्य बलराम कोर्राम के अनुसार, इस स्थान पर पूर्वजों के समय से करसाड़, मरका पंडुम



और तीज पंडुम जैसे पारंपरिक आयोजन होते रहे हैं। आरोप है कि जेसीबी और बुलडोजर चलाकर देवस्थलों को नुकसान पहुंचाया गया। इसके बाद समाज के सिरहा-गुनिया और पारंपरिक मान्यताओं के आधार पर बड़े डोंगर, केशकाल, लखापुर सहित विभिन्न क्षेत्रों के पेन देव प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर विधिवत पुनर्स्थापना की गई। नार्र गायता परिवार ने संविधान की पांचवीं अनुसूची और अनुच्छेद 13(3)(क) के तहत रूढ़िगत परंपराओं का हवाला देते हुए प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल उठाए। परिवार का दावा है कि भूमि संरक्षण के लिए राज्यपाल, कलेक्टर, न्यायालय और जनप्रतिनिधियों को आवेदन दिए गए, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। परिवार ने चेतावनी दी है कि भविष्य में देवस्थल पर किसी भी प्रशासनिक या निर्माण गतिविधि की जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

# क्या विधानसभा चुनाव लड़ेंगे जनपद सदस्य दयाशंकर निषाद? धरसींवा की राजनीति में अभी से हलचल

### नकटी से छपोरा तक ग्रामीण समस्याओं को लेकर उठा रहे आवाज, निर्दलीय चुनाव लड़ने की चर्चाओं ने पकड़ा जोर

**जनता के गोठ/ओंकार साहू**

बलौदाबाजार। विधानसभा चुनाव में अभी करीब दो साल का समय बाकी है, लेकिन धरसींवा विधानसभा क्षेत्र की राजनीति में अभी से हलचल तेज होने लगी है। क्षेत्र में इन दिनों एक नया राजनीतिक सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है–क्या जनपद पंचायत सदस्य एवं युवा नेता दयाशंकर निषाद आगामी विधानसभा चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरेंगे?

दरअसल, धरसींवा विधानसभा क्षेत्र में दयाशंकर निषाद की लगातार बढ़ती सक्रियता ने



राजनीतिक गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दिया है। अब तक क्षेत्र की राजनीति में स्थापित चेहरों के बीच उनकी भूमिका को लेकर भी लोगों की नजरें टिकने लगी हैं।

**नकटी से छपोरा तक उठाए स्थानीय मुद्दे**

ग्राम नकटी की समस्याओं को जनपद पंचायत की सामान्य सभा में प्रमुखता से उठाकर दयाशंकर निषाद ने क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई। इस मुद्दे को सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा मिली। इसके बाद ग्राम पंचायत छपोरा में मनरेगा कार्यों में कथित अनियमितताओं का मामला सामने लाने की पहल की। कागजों में काम दर्ज होने, मौके पर काम नहीं होने और मृत व्यक्तियों के नाम पर मस्टर रोल में हाजिरी दर्ज होने जैसे गंभीर आरोपों को उन्होंने सामान्य सभा में उठाने का प्रयास किया। बताया जाता है कि इस दौरान संबंधित अधिकारी सभा में उपस्थित नहीं हुए। इसके बाद उन्होंने विभाग को पत्र लिखकर मामले में कार्रवाई की मांग की।

**कई गांवों के मुद्दों पर सक्रियता**

नकटी और छपोरा के अलावा नीलाज, देवारी और कब्सदा सहित क्षेत्र के अन्य गांवों की समस्याओं को लेकर भी दयाशंकर निषाद की सक्रियता चर्चा में है। ग्रामीणों के मुद्दों को पंचायत की बैठकों और विभागीय स्तर पर उठाने की उनकी कोशिशों को आगामी राजनीतिक संभावनाओं से जोड़कर देखा जा रहा है।

**क्या निर्दलीय बनेंगे नया विकल्प?**

धरसींवा विधानसभा में आगामी चुनाव को लेकर अभी से राजनीतिक समीकरणों पर चर्चा शुरू हो गई है। ऐसे में दयाशंकर निषाद के निर्दलीय चुनाव लड़ने की संभावनाओं ने इस चर्चा को और दिलचस्प बना दिया है। हालांकि, उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ने को लेकर अब तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। ऐसे में यह कहना जल्दबाजी होगी कि वे चुनावी मैदान में उतरेंगे।

फिलहाल क्षेत्र की जनता और राजनीतिक जानकारों की निगाहें उनके अगले कदम पर टिकी हैं। यदि वे विधानसभा चुनाव में उतरने का फैसला लेते हैं, तो धरसींवा की राजनीति में एक नया चेहरा और नया समीकरण देखने को मिल सकता है। अब बड़ा सवाल यही है कि दयाशंकर निषाद जनपद सदस्य की भूमिका तक सीमित रहेंगे या विधानसभा की राजनीति में भी अपनी दावेदारी पेश करेंगे?

# मत्स्य पालन को रोजगार और आत्मनिर्भरता से जोड़ने पर जोर, संभागीय कृषक संगोष्ठी आयोजित

### विश्व मात्स्यिकी दिवस पर जगदलपुर में सात जिलों के मत्स्यपालकों का जुटान, आधुनिक तकनीक और योजनाओं की दी जानकारी

**ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ**

जगदलपुर, । ग्रामीण अर्थव्यवस्था, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जगदलपुर टाउन हॉल में संभाग स्तरीय विश्व मात्स्यिकी दिवस का आयोजन किया गया। संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह में बस्तर संभाग के सातों जिलों से मछुआ सहकारी समितियों, समूहों, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं और प्रगतिशील मत्स्यपालकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत बस्तर अध्यक्ष वेदवती कश्यप मुख्य अतिथि तथा उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी अतिविशिष्ट अतिथि के रूप



में उपस्थित रहे। कृषि स्थायी समिति सभापति कामदेव बघेल, जिला पंचायत सदस्य निर्देश दीवान और जनपद पंचायत सदस्य करुणा भी शामिल हुए। अतिथियों ने मत्स्य पालन को ग्रामीण रोजगार और आर्थिक सशक्तीकरण का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए विभागीय योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।

मत्स्य विभाग के उपसंचालक मोहन लाल राणा ने स्वागत उद्बोधन दिया। तकनीकी सत्र में कृषि विज्ञान केंद्र दंतेवाड़ा के वरिष्ठ वैज्ञानिक ओम प्रकाश ने तिलापिया एवं झींगा पालन, तालाब प्रबंधन और उत्पादन बढ़ाने की वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी दी। सहायक संचालक वाईके देवांगन ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। वहीं पशुधन विकास विभाग के संयुक्त संचालक डॉ. डीके नेताम ने एकीकृत कुक्कुटपालन अपनाने पर जोर दिया।

समारोह में उत्कृष्ट कार्य के लिए चित्रकोट की प्राथमिक कुडुक मछुआ एवं नौका विहार समिति को ठाकुर प्यारेलाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा बस्तर जिले की तीन मछुआ सहकारी समितियों को मत्स्य आखेट के लिए जाल तथा मत्स्यपालकों को आवश्यक सामग्री वितरित की गई। पशुपालन विभाग की ओर से हितग्राहियों को पशुपालन मैत्री किट भी प्रदान की गई।

# मनरेगा के पौधारोपण में 16.73 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार का आरोप, विधायक विक्रम मंडावी ने उठाए सवाल

**प्रेम कुमार दुर्गम**
**ब्यूरो प्रमुख बीजापुर बस्तर**

बीजापुर जिले में 74 हजार पौधों के वृक्षारोपण के लिए चारों जनपदों में राशि स्वीकृत, खरीदी प्रक्रिया और खर्च का हिसाब सार्वजनिक करने की मांग*

**बीजापुर।** जिले में मनरेगा (VB-G RAM G) योजना के तहत कराए गए पौधारोपण कार्य को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में सवाल उठने लगे हैं। बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने जिले में 74 हजार पौधों के वृक्षारोपण के लिए स्वीकृत 16 करोड़ 73 लाख रुपये की राशि में कथित भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। उन्होंने पौधारोपण कार्य में खर्च की गई राशि, पौधों की खरीदी और अन्य सामग्री की दरों को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

विधायक विक्रम मंडावी के अनुसार, जिले के चारों जनपद पंचायत क्षेत्रों में पौधारोपण के लिए कुल 16.73 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इस हिसाब से एक पौधा लगाने पर लगभग 2,839 रुपये खर्च दर्शाया जा रहा



है। उन्होंने इतनी अधिक लागत को लेकर सवाल उठाते हुए संबंधित अधिकारियों से खर्च का पूरा ब्यौरा सार्वजनिक करने की मांग की है।

विधायक ने सवाल किया कि आखिर 74 हजार पौधे कहां से खरीदे गए? पौधों की खरीदी किस दर पर की गई और उनका सप्लायर कौन था? उनका कहना है कि सरकारी पत्रों में इन महत्वपूर्ण जानकारियों का स्पष्ट उल्लेख नहीं होना पारदर्शिता पर सवाल खड़े करता है।

मंडावी ने पौधारोपण कार्य में उपयोग की गई सामग्री की कीमतों पर भी आपत्ति जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्मी कंपोस्ट, यूरिया, सुपर फॉस्फेट, पोटाश और कीटनाशक दवाइयों की कीमतें बाजार दर से अधिक दर्शाई गई हैं। उन्होंने पूछा कि इन सामग्रियों की खरीदी किस प्रक्रिया के तहत की गई और क्या इसमें शासन के भंडार क्रय नियमों का पालन किया गया?

उन्होंने निविदा प्रक्रिया को लेकर भी कई सवाल उठाए हैं। विधायक ने पूछा कि पौधारोपण सामग्री की खरीदी के लिए टेंडर कब जारी किया गया? किन समाचार पत्रों में निविदा का विज्ञापन प्रकाशित हुआ? कितने निविदाकारों ने इसमें भाग लिया और खरीदी का ठेका किसे दिया गया? विधायक विक्रम मंडावी ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि जांच में सरकारी राशि के दुरुपयोग या गबन की पुष्टि होती है, तो संबंधित दोषियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की जाए और आपराधिक मामला दर्ज कर एफआईआर कराई जाए।

अब इस पूरे मामले में जिला प्रशासन और संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर से क्या जवाब सामने आता है, इस पर लोगों की नजरें टिकी हुई हैं। पौधारोपण के नाम पर स्वीकृत करोड़ों रुपये की राशि का वास्तविक उपयोग, खरीदी प्रक्रिया और कार्यस्थल पर लगाए गए पौधों की स्थिति की निष्पक्ष जांच से ही आरोपों की वास्तविकता स्पष्ट हो सकेगी।

# सहमति की बाध्यता समाप्त होने के बाद भी छत्तीसगढ़ के पेंशनरों की अनदेखी, महासंघ ने राज्यपाल से मांगा मुलाकात का समय

**भारतीय** राज्य पेंशनर्स महासंघ, छत्तीसगढ़ ने प्रदेश के लाखों सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं पेंशनरों के प्रति राज्य शासन की उदासीनता पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। महासंघ के प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने पेंशनरों की लंबित समस्याओं, न्यायालयीन आदेशों के पालन में हो रही देरी तथा महंगाई राहत (डीआर) एवं उसके बकाया एरियर्स का भुगतान नहीं किए जाने के संबंध में प्रदेश के राज्यपाल से मुलाकात के लिए समय मांगा है। महासंघ का प्रतिनिधिमंडल समय मिलने पर संवैधानिक प्रमुख से मुलाकात कर पेंशनरों से संबंधित संपूर्ण वस्तुस्थिति से अवगत कराएगा तथा इस गंभीर मामले में हस्तक्षेप कर प्रदेश के वरिष्ठ नागरिक पेंशनरों को राहत पहुंचाने का आग्रह करेगा। प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने कहा कि मध्यप्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) के तहत मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के बीच पारस्परिक सहमति की बाध्यता का हवाला देकर लंबे समय से छत्तीसगढ़ के




पेंशनरों की महंगाई राहत रोकी जाती रही है। इस व्यवस्था के कारण केंद्र सरकार द्वारा महंगाई राहत की दरों में वृद्धि किए जाने के बावजूद छत्तीसगढ़ के पेंशनरों को उसी समय से इसका लाभ नहीं मिल पाता था। परिणामस्वरूप उन्हें महीनों तक आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता रहा है।

**17 जुलाई 2026 के बाद भी नहीं बदली पेंशनरों की स्थिति**

वीरेन्द्र नामदेव ने कहा कि 17 जुलाई 2026 को जारी आदेश के पश्चात दोनों राज्यों के बीच पारस्परिक सहमति लेने की बाध्यता समाप्त हो चुकी है। अब छत्तीसगढ़ सरकार अपने स्तर पर महंगाई राहत संबंधी निर्णय लेने और आदेश जारी करने के लिए स्वतंत्र है। इसके बावजूद प्रदेश के पेंशनरों को केंद्र सरकार के समान दर और उसी देय तिथि (Due Date) से महंगाई राहत का लाभ नहीं दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जब दोनों राज्यों की सहमति लेने की बाध्यता समाप्त हो चुकी है, तब भी पेंशनरों के हितों से जुड़े निर्णयों में विलंब करना उचित नहीं है। इस स्थिति में प्रदेश के वरिष्ठ नागरिक पेंशनरों को लाखों रुपये के एरियर से वंचित होना पड़ रहा है।

**न्यायालयीन आदेशों का पालन सुनिश्चित करने की मांग**

महासंघ का कहना है कि सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के विभिन्न आदेशों और सिद्धांतों का सम्मान करते हुए पेंशनरों को समय पर महंगाई राहत तथा उनके बकाया वित्तीय लाभ प्रदान किए जाने चाहिए। न्यायालयीन आदेशों के पालन में अनावश्यक विलंब और बकाया राशि के भुगतान को टालना पेंशनरों के साथ अन्याय है।

**राज्यपाल से हस्तक्षेप की अपेक्षा**

महासंघ के प्रतिनिधिमंडल द्वारा मुलाकात के दौरान राज्यपाल श्री रमेन डेका से आग्रह किया जाएगा कि वे प्रदेश के संवैधानिक संरक्षक के रूप में इस मामले में हस्तक्षेप कर राज्य शासन को निर्देशित करें कि केंद्र सरकार के समान दर और देय तिथि से महंगाई राहत स्वीकृत की जाए तथा समस्त लंबित एरियर्स का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाए। जारी विज्ञप्ति में भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ के प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव, प्रदेश महामंत्री द्वय अनिल गोल्हानी, प्रवीण कुमार त्रिवेदी, संगठन मंत्री टी पी सिंह महिला पेंशनर्स कल्याण प्रकोष्ठ संयोजक डॉ श्री मति शेषा सक्सेना आदि ने कहा है कि सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष शासन की सेवा में समर्पित कर चुके हैं। जीवन के इस पड़ाव पर उन्हें अपने अधिकारों के लिए बार-बार संघर्ष करने को विवश करना उचित नहीं है।

## संपादकीय

# पक्षपाती अमेरिकी आयोग

अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग अर्थात यूएससीआरएफ ने एक बार फिर भारत के प्रति अपने दुराग्रही और घोर पक्षपाती रवैए का परिचय दिया। इस बार उसने कुछ विपक्षी दलों के इस दुष्प्रचार को हवा दी कि मतदाता सूचियों के शुद्धीकरण यानी एसआइआर के तहत मुसलमानों को वोटर लिस्ट से बाहर करने के साथ उन्हें विदेशी बताकर देश से निकाला जा रहा है। इस कोरे झूठ पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने यह सही कहा कि यूएससीआरएफ न केवल पक्षपाती है, बल्कि उसका एजेंडा पूरी तरह राजनीति प्रेरित है और ऐसे संगठन को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं। उचित यह होगा कि भारत केवल इतना कहने तक ही सीमित न रहे, बल्कि वह इस तथाकथित निष्पक्ष आयोग की शरारत भरी हरकतों को बेनकाब भी करे। ऐसा इसलिए किया जाना चाहिए, क्योंकि जबसे पाकिस्तानी मूल के आसिफ महमूद इस आयोग के प्रमुख बने हैं, तबसे वह भारत के प्रति अपनी दुर्भावना का प्रदर्शन करने का काम कुछ अधिक ही कर रहा है। वह कभी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और खुफिया एजेंसी रा पर पाबंदी की सिफारिश करता है और कभी पूर्वोत्तर को भारत से अलग करने की जरूरत जताने वाले शरजील इमाम का पक्ष लेते हुए कहता है कि उसे धार्मिक स्वतंत्रता की वकालत करने के कारण हिरासत में रखा गया है। आखिर यह बेशर्मी की पराकाष्ठा नहीं तो और क्या है? पक्षपाती अमेरिकी आयोग की समझ से धार्मिक स्वतंत्रता के मामले में भारत विशेष चिंता वाला देश है, जबकि प्यू रिसर्च के ताजा सर्वे के अनुसार यहां मुस्लिम आबादी सबसे तेजी से बढ़ रही है। तथ्य यह भी है कि मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने वालों में एक बड़ी संख्या मुसलमानों की है। चूंकि अमेरिकी आयोग भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है, इसलिए भारतीय विदेश मंत्रालय को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह रेखांकित करने में संकोच नहीं करना चाहिए कि इस आयोग में एक तो एक भी हिंदू या बौद्ध नहीं और दूसरे, उन लोगों की अधिकता है, जो लाबिंग करने के लिए जाने जाते हैं। कुछ तो ऐसे हैं, जो अपने कट्टर धार्मिक विचारों के लिए चर्चा में आते रहे हैं। भारत को यह भी बार-बार दोहराना चाहिए कि यह आयोग निष्पक्ष तथ्यों के बजाय संदिग्ध स्रोतों के आधार पर अपना आकलन करता है।

# जेलें मनुष्य को फिर से मनुष्य बनाने के केन्द्र बने

- ललित गर्ग




किसी भी सभ्य समाज की पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि वह अपराधियों को कितनी कठोर सजा देता है, बल्कि इससे होती है कि वह अपराध करने वाले मनुष्य को सुधारने के कितने अवसर देता है। अपराध की गंभीरता को कम करना न्याय नहीं है, लेकिन अपराधी को हमेशा अपराध की पहचान से बांध देना भी न्याय की पूर्ण अवधारणा नहीं हो सकती। सजा आवश्यक है, किंतु सजा का अंतिम उद्देश्य प्रतिशोध नहीं, सुधार, नवनिर्माण और समाज की सुरक्षा होना चाहिए। इसी मानवीय दृष्टि से अब समय आ गया है कि भारत की जेल व्यवस्था को एक नई सोच, नई भाषा और नई कार्यप्रणाली दी जाए। हरियाणा सरकार द्वारा राज्य की सभी जेलों में 'बोर्ड ऑफ विजिटर्स' गठित करने का निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जेलों की आंतरिक व्यवस्था, बंदियों की समस्याओं, स्वास्थ्य, रहन-सहन, पुनर्वास तथा अधिकारों की निगरानी के लिए स्वतंत्र और संवेदनशील व्यवस्था बनाना निश्चित रूप से स्वागतयोग्य पहल है। बहुत जरूरत है कि दंड से सुधार, अपराधबोध से आत्मबोध और कारावास से पुनर्वास की ओर बढ़े भारतीय जेल व्यवस्था। इसे केवल किसी न्यायिक निर्देश की अनुपालना मानकर सीमित नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि जेल सुधार की व्यापक राष्ट्रीय नीति का प्रारंभिक बिंदु बनाया जाना चाहिए।

जेल शब्द ही हमारी मानसिकता का दर्पण है। 'जेल' सुनते ही हमारे मन में बंद दीवारें, सलाखें, अपराध, सजा और भय की तस्वीर उभरती है। क्या हम इस संस्थान को ऐसी भाषा दे सकते हैं, जो सुधार की संभावना को सामने रखे? 'सुधारगृह', 'पुनर्वास केंद्र', 'मानव पुनर्निर्माण केंद्र', 'नवजीवन केंद्र' अथवा 'मानव सुधार एवं पुनर्वास गृह' जैसे नामों पर गंभीरता से विचार किया जा सकता है। नाम बदलना मात्र प्रतीकात्मक कार्य नहीं होगा, यदि उसके साथ कार्यसंस्कृति भी बदले। दीवारों पर लिखे शब्द बदलने से व्यवस्था नहीं बदलती। व्यवस्था तब बदलती है जब उसके पीछे की सोच बदलती है। भारत की जेल व्यवस्था आज अनेक चुनौतियों से घिरी है। क्षमता से अधिक बंदी, बड़ी संख्या में विचाराधीन कैदी, कर्मचारियों की कमी, स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, अपर्याप्त पुनर्वास व्यवस्था तथा कभी-कभी भेदभाव और दुर्व्यवहार की शिकायतें यह बताती हैं कि केवल कारागार भवनों का विस्तार पर्याप्त नहीं है। हमें 'अपराध प्रबंधन' से आगे बढ़कर 'मानव पुनर्निर्माण' की व्यवस्था विकसित करनी होगी।

जेल में बंद व्यक्ति अपराध कर सकता है, लेकिन वह केवल अपराध नहीं है। उसके भीतर एक मनुष्य भी है-जिसमें विचार बदलने, पश्चात्ताप करने, सीखने और नया जीवन शुरू करने की क्षमता हो सकती है। न्याय व्यवस्था उसके अपराध का निर्धारण करती है, लेकिन सुधार व्यवस्था उसके भविष्य की संभावना तलाश सकती है। इसलिए जेल प्रशासन को सुरक्षा और अनुशासन के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, शैक्षिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी सक्रिय होना चाहिए। यहीं से 'सुधारगृह' की अवधारणा महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रत्येक जेल में अच्छी पुस्तकालय व्यवस्था हो, नियमित खेलकूद हों, योग और ध्यान की गतिविधियां हों, प्रेरक व्याख्यान हों, कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण हो, संगीत, कला, लेखन और हस्तशिल्प जैसी रचनात्मक गतिविधियां हों। कैदियों के लिए व्यक्तित्व विकास, क्रोध-प्रबंधन, नशामुक्ति, पारिवारिक संबंध, नैतिक शिक्षा और जीवन-कौशल की कार्यशालाएं आयोजित की जाएं। उन्हें केवल यह न बताया जाए कि उन्होंने क्या गलत किया, बल्कि यह भी सिखाया जाए कि अब उन्हें सही दिशा में कैसे आगे बढ़ना है।

इस संदर्भ में भारत के अणुव्रत आंदोलन का अनुभव विशेष रूप से उल्लेखनीय है। आचार्य तुलसी के नेतृत्व में अणुव्रत आंदोलन ने प्रारंभ से ही व्यक्ति के भीतर नैतिक चेतना जगाने को परिवर्तन का आधार माना। जेलों में भी अणुव्रत के माध्यम से नैतिक जागरण, आत्मचिंतन, ज्ञान और जीवन-मूल्यों से जुड़े कार्यक्रम चलाए गए। इसका मूल संदेश था कि मनुष्य को केवल उसके अतीत से नहीं, उसके परिवर्तन की संभावना से भी देखा जाना चाहिए। यह अनुभव आज की जेल सुधार नीति के लिए महत्वपूर्ण प्रेरणा बन सकता है। अपराध से लड़ने का एक रास्ता कठोरता है, लेकिन उससे अधिक स्थायी रास्ता चेतना का परिवर्तन है। जिस व्यक्ति को पुस्तक पढ़ने, किसी विद्वान को सुनने, ध्यान करने, योग सीखने, कोई हुनर विकसित करने और अपने जीवन पर विचार करने का अवसर मिलता है, उसके भीतर परिवर्तन के द्वार खुल सकते हैं। जेल में बंद व्यक्ति को समाज से काटकर रखना आवश्यक हो सकता है, लेकिन उसे मानवीय समाज से पूरी तरह विमुख कर देना आवश्यक नहीं है।

'बोर्ड ऑफ विजिटर्स' की नई व्यवस्था को भी इसी व्यापक दृष्टि से जोड़ा जाना चाहिए। बोर्ड केवल निरीक्षण करने वाला निकाय न हो, बल्कि जेल सुधार का संवेदनशील प्रहरी बने। वह बंदियों से सीधे संवाद करे, उनकी शिकायतें सुने, स्वास्थ्य और स्वच्छता की स्थिति देखे, कानूनी सहायता की उपलब्धता जांचे और पुनर्वास कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का आकलन करे। उसकी रिपोर्टों के आधार पर समयबद्ध सुधार सुनिश्चित किए जाएं। यदि संभव हो तो नागरिक समाज, शिक्षा, मनोविज्ञान, चिकित्सा, विधि, खेल, योग, आध्यात्म और सामाजिक सेवा से जुड़े विशेषज्ञों को भी इस प्रक्रिया से जोड़ा जाए। साथ ही, विचाराधीन बंदियों की समस्या को अलग प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

## आज का राशिफल

मेष- आज के दिन आपके अंदर आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होगा भक्ति भावो में डूबे रहेंगे। कार्य व्यवसाय से आज ज्यादा उम्मीद ना रखें थोड़ा बहुत व्यवसाय ही रहने से धन की आमद भी सीमित रहेगी।

वृष -आज का दिन सामान्य से उत्तम रहेगा। दिन के आरम्भ से ही आध्यात्म में रुचि रहेगी घरेलू पूजा पाठ के साथ धार्मिक क्षेत्र की यात्रा के अवसर भी मिलेंगे।

मिथुन- आज के दिन आपका स्वभाव स्वयं के दृष्टिकोण से ठीक लेकिन अन्य लोगो की नजर में अटपटा सा लगेगा। किसी से भी जल्दबाजी में वादा करेंगे लेकिन पूरा करने के समय बगलें झांकते नजर आएंगे।

कर्क- आज आपका स्वभाव मनमौजी रहेगा अपने मे मस्त रहेंगे आवश्यक कार्यो को भी मजबूरी में करेंगे अथवा टालने के ही प्रयास करेंगे जिससे घर के सदस्यों के साथ मन मुटाव होगा।

सिंह- आज का दिन आपको किसी न किसी रूप में धन का हास कराएगा। कार्य क्षेत्र हो या किसी से व्यक्तिगत संबंध आज किसी के ऊपर भी आँख बंद कर विश्वास ना करें अन्यथा पछताना पड़ेगा।

कन्या - आज के दिन आपको लाभ के अवसर मिलेंगे लेकिन आपका स्वभाव अकस्मात गर्म होने पर इससे वंचित भी रह सकते है इसका ध्यान रखें। बड़े कार्यो का अधिक देख भाल कर ही करें।

तुला - आज के दिन आप असमंजस की स्थिति में रहेंगे। दिन के आरम्भ में थोड़ी सुस्ती रहेगी लेकिन मध्यान तक कार्यो के प्रति गंभीर हो जाएंगे। थोड़ा धैर्य रख दिमाग से काम ले तो सफलता अवश्य मिलेगी।

वृश्चिक -आज के दिन आपकी धार्मिक भावनाए प्रबल रहेंगी। दिन के आरंभ में पूजा पाठ के लिये समय देंगे लेकिन आज मन कही और ही भटकने के कारण मानसिक शांति और एकाग्रता कम रहेगी।

धनु - आज का दिन शारीरिक दृष्टिकोण से बीते कुछ दिनों की तुलना में बेहतर रहेगा चुस्ती की कमी दिन के आरम्भ में रहेगी लेकिन मध्यान बाद से सामान्यता आने लगेगी।

मकर - बीते दिन की तुलना में आज का दिन शांतिदायक रहेगा फिर भी पुरानी बातों को भूलने का प्रयास कर नई योजना बनाने में समय का उपयोग करे आगे समय धन लाभ वाला बन रहा है।

कुंभ - आज का दिन मिला जुला फल देने वाला रहेगा। दिन के आरम्भ में जो भी योजना बनाएंगे परिस्थितिवश उसमे बदलाव करना पड़ेगा। आज भाई बंधुओ से आर्थिक लेनदेन करना पड़ेगा।

मीन - आज के दिन आप प्रत्येक कार्य मे बुद्धि विवेक का परिचय देंगे लेकिन आज व्यक्तिगत स्वार्थ को एक समय नजरअंदाज भी कर लेंगे परन्तु व्यावसायिक स्वार्थ की बात आने पर आपा खो सकते है।

# राहुल बोले तो भडकती क्यों है भाजपा?

- राकेश अचल



कुछ तो गडबड है क्योंकि जैसे ही प्रतिपक्ष के नेता विदेश की धरती पर कुछ बोलते हैं वैसे ही सत्ताधारी भाजपा भडक जाती है.लेकिन भाजपा भूल जाती है कि राहुल गांधी को लोग आमंत्रित कर उनसे सवाल करते हैं.वे जबाब भी देते हैं जबाबों से न भागते हैं और न कन्नी काटते हैं.

18 नवंबर को राहुल गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ़ शिकागो पहुंचे. यहां प्रोफ़ेसर रॉबर्ट पेप के साथ उनकी बातचीत हुई.कार्यक्रम का मुख्य विषय ईरान युद्ध और दुनिया में भारत की भूमिका था. लेकिन सवाल-जवाब के दौरान बातचीत भारत के चुनावों तक पहुंची. राहुल गांधी से पूछा गया कि अगर विपक्ष को चुनावी प्रक्रिया पर इतना संदेह है, तो वह चुनाव लड़ता क्यों है ?उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष चुनाव लड़ना बंद कर देता है, तो इससे भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को नुक़सान पहुंचेगा. राहुल गांधी ने 2014 के लोकसभा चुनाव का भी ज़िक्र किया. उन्होंने कहा कि उस चुनाव में जीत-हार के कुछ अंतर उन्हें समझ नहीं आए थे और तभी उन्हें लगा था कि कुछ ग़लत हुआ है. लेकिन उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उस समय उनके पास कोई सबूत नहीं था, इसलिए वे सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कह सके.राहुल गांधी ने दावा किया कि बाद में उन्हें सबूत मिले और उन्होंने कांग्रेस के नेताओं को दिखाए. उनके मुताबिक़, पार्टी नेताओं ने उनसे इसे सार्वजनिक ना करने के लिए कहा. इस बयान के बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी पर पलटवार किया. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारत में सरकार और प्रधानमंत्री की आलोचना करते हैं और विपक्ष विरोध प्रदर्शन भी करता है. अगर देश में लोकतांत्रिक आज़ादी नहीं होती, तो यह सब कैसे हो पाता? चुनाव का बहिष्कार न करने के मुद्दे पर राहुल की साफगोई से प्रमाणित हो गया है कि वे विपक्ष की भूमिका को गौण नहीं होने देना चाहते.वे चुनाव बहिष्कार के घातक परिणामों से शशायद अनजान नहीं हैं और इंतखाब के जरिए ही इंकलाब का ख्वाब पूरा करना चाहते हैं.हालांकि भारत में ऐसे हालात बनाए जा रहे हैं कि विपक्ष चुनावी मैदान से भाग खडा हो.मजे की बात ये है कि राहुल गांधी ने अमेरिका में भारत की अर्थव्यवस्था को 'आर्थिक आपदा' की स्थिति में बताया. उन्होंने बेरोज़गारी, कमज़ोर पड़ते उद्योगों और शिक्षा व्यवस्था की समस्याओं का ज़िक्र किया. इसके बाद उन्होंने चुनावी प्रक्रिया पर अपने आरोप दोहराए और कहा कि दुनिया के मामलों में भारत की भूमिका कमज़ोर हुई है. इसके बाद भारत में राजनीतिक विवाद शुरू हो गया. बीजेपी ने राहुल गांधी पर विदेशी धरती से भारत की छवि और उसकी संस्थाओं की साख को नुक़सान पहुंचाने का आरोप लगाया. लोकतांत्रिक संस्थाओं की साख को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया. भाजपा का राहुल गाँधी को कोसने का अभियान उतना ही पुराना है जितना कि राहुल का विदेश में खुलकर बोलना.सवाल ये है कि भाजपा इस विषय पर कभी ध्यान नहीं देती कि विदेशशों में कोई विश्वविद्यालय उनके नेताओं को संवाद के लिए आमंत्रित क्यों नही करता? यदि करता है तो प्रधानमंत्री,गृहमंत्री,वित्तमंत्री और विदेश मंत्री राहुल गाँधी के कथित झूठ को विदेशी मंचों पर ही बेनकाब क्यों नहीं करते? कोरे गाल बजाने से तो राहुल गाँधी की बोलती बंद नहीं की जा सकती. कांग्रेस कहती है कि सरकार अर्थव्यवस्था की स्थिति से ज़्यादा इस बात को लेकर परेशान है कि राहुल गांधी इन मुद्दों पर बोल रहे हैं और दुनिया उनकी बात सुन रही है.लेकिन इस आरोप-प्रत्यारोप के पीछे एक सवाल बार-बार सामने आता है, राहुल गांधी भारत से जुड़े विवादित मुद्दों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर क्यों उठाते हैं? अब सवाल ये भी है कि क्या यह सोची-समझी रणनीति है? क्या विदेश में मिलने वाली चर्चा से उन्हें भारत की राजनीति में कोई फ़ायदा होता है?मेरे ख्याल से राहुल गाँधी विदेश में बोलें या देशश में उन्हे गौर से सुना जा रहा है.दुनिया राहुल गाँधी से जो सवाल करती है वही सवाल उसे प्रधानमंत्री से भी करना चाहती है,किंतु हमारे प्रधानमंत्री न देश में सवाल सुनते हैं और न विदेश में.

# संवैधानिक वादे को पूरा करने की चुनौती

- प्रो. मनोज कुमार झा

शिक्षा, विशेषकर उच्च शिक्षा का बुनियादी उद्देश्य व्यक्ति में स्वतंत्र और आलोचनात्मक चिंतन विकसित करना है। अपेक्षा की जाती है कि शिक्षा व्यक्ति को जन्म से निर्धारित सामाजिक पदानुक्रमों और पूर्वाग्रहों से मुक्त करे, लेकिन विडंबना यह है कि हमारे शिक्षण संस्थान आज भी उन्हीं पदानुक्रमों को नए रूपों में पुनरुत्पादित कर रहे हैं। विश्वविद्यालय विवेक, तर्क और संवाद के केंद्र होने चाहिए, लेकिन वहां जो कुछ घटित हो रहा है, वह कई बार पूर्वाग्रहों को और मजबूत करता दिखाई देता है। हमें यह पूछना होगा कि संवैधानिक गारंटियों, आरक्षण और शिक्षा के विस्तार के बावजूद जाति गरिमा के अनुभव को किस तरह प्रभावित करती है? शायद इस प्रश्न को समझने में साहित्य हमारी मदद कर सकता है। ओमप्रकाश वाल्मीकि की आत्मकथा 'जूठन' इसका एक मार्मिक उदाहरण है कि शिक्षा सामाजिक मुक्ति का रास्ता तो है, लेकिन उस रास्ते पर जातिगत अपमान और भेदभाव भी साथ चलते हैं। बामा की 'करुक्कु' भी इस धारणा को चुनौती देती है कि शिक्षा और सामाजिक गतिशीलता अपने आप जाति को समाप्त कर देते हैं। समानता की भाषा के नीचे भी जाति रिश्तों और संस्थागत व्यवहारों में जीवित रह सकती है।

किसी एससी-एसटी विद्यार्थी के लिए विश्वविद्यालय में प्रवेश केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं होता। उसमें उन पीढ़ियों की आकांक्षाएं शामिल होती हैं, जिन्हें ज्ञान और शिक्षा के अवसरों से वंचित रखा गया। अक्सर योग्यता को इस तरह प्रस्तुत किया जाता है, मानो उसका सामाजिक परिस्थितियों से कोई संबंध ही न हो, जबकि सच यह है कि योग्यता के विकास के लिए बेहतर स्कूल, किताबें, कोचिंग, कंप्यूटर, अनुकूल पारिवारिक वातावरण और सामाजिक संपर्कों की भूमिका होती है। जिन परिस्थितियों में योग्यता विकसित और प्रदर्शित होती है, उनकी असमानता को नजरअंदाज करके हम मेरिट का निष्पक्ष मूल्यांकन कैसे कर सकते हैं?

दया पवार की 'बलुतं' उन सामाजिक व्यवस्थाओं को उजागर करती है, जिनके माध्यम से जाति मनुष्य की गरिमा और उसकी निर्भरता को नियंत्रित करती है। शरणकुमार लिंबाले की 'अक्करमाशी' उस पीड़ा को सामने लाती है, जिसमें व्यक्ति को यह महसूस कराया जाता है कि उसका अपना अस्तित्व ही जैसे किसी वैधता का अधिकारी नहीं है। प्रेमचंद की 'सद्गति' भी हमें उन सवालों से रूबरू कराती है, जिन्हें आधुनिक भारत शायद अब अतीत मानकर भूल जाना चाहता है। गिरिराज किशोर का उपन्यास 'परिशिष्ट' ऐसे ही सवालों को देश के प्रतिष्ठित तकनीकी शिक्षण संस्थानों के भीतर ले जाता है। यह दिखाता है कि आधुनिकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और मेरिटोक्रेसी की शब्दावली के पीछे जातिगत पूर्वाग्रह किस तरह मौजूद रह सकते हैं।

समकालीन आंकड़े इन साहित्यिक अनुभवों को केवल अतीत या कल्पना का विषय मानकर खारिज करने की गुंजाइश नहीं छोड़ते। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 704 विश्वविद्यालयों और 1,553 कालेजों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर संसदीय समिति को दी गई जानकारी के अनुसार उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव की शिकायतें 2019-20 में 173 थीं, जो 2023-24 में बढ़कर 378 हो गईं।

# परमाणु हथियारों से यूक्रेन युद्ध तक दुनिया की नई व्यवस्था बनाने का महा- मंथन?

-एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानी

वैश्विक स्तपर दुनियाँ की राजनीति में 19 नवंबर 2026 का दिन एक ऐतिहासिक कूटनीतिक घटनाक्रम के रूप में दर्ज हो सकता है।चीन के शेनझेन शहर में आयोजित 33 वें एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) शिखर सम्मेलन के अवसर पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पहली औपचारिक त्रिपक्षीय बैठक ने पूरी दुनियाँ का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। दुनियाँ की तीन प्रमुख परमाणु शक्तियों के सर्वोच्च नेताओं का एक ही मेज पर बैठना केवल एकसामान्य कूटनीतिक मुलाकात नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन,अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा,आर्थिक प्रतिस्पर्धा और भविष्य की विश्व व्यवस्था के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। इस बैठक को अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों के बीच 'याल्टा 2.0' की संज्ञा भी दी जा रही है।हालांकि, अभी इसे 1945 के याल्टा सम्मेलन जैसी निर्णायक विश्व-व्यवस्था बनाने वाली बैठक मान लेना जल्दबाजी होगी। मैं एडवोकेट किशन ससनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र जय मानता हूं कि असली महत्व इस बात का होगा कि नेताओं के वक्तव्यों को कितने ठोस समझौतों और व्यावहारिक परिणामों में बदला जाता है। साथियों बात अगर हम शेनझेन में तीनों नेताओं की आमने-सामने बातचीत,क्या इतिहास दोहराने की तैयारी ?को समझने की करें तो,इस ऐतिहासिक बैठक का आयोजन शेनझेन स्थित काइलिन विला में एपीईसी सम्मेलन के इतर हुआ।इससे पहले 18 नवंबर को तीनों नेता स्वागत समारोह में एक साथ दिखाई दिए थे।चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का हवाई अड्डे पर स्वयं पहुंचकर स्वागत किया,जिसे चीन- अमेरिका संबंधों में विशेष कूटनीतिक महत्व के संकेत के रूप में देखा गया।19 नवंबर को ट्रंप ने पहले पुतिन के साथ अलग बातचीत की और उसके बाद जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की।फिर तीनों नेता त्रिपक्षीय वार्ता के लिए एक ही मेज पर बैठे।इस बैठक में ट्रंप ने कहा कि तीनों देश दुनिया के सबसे बड़े देशों में शामिल हैं और पूरी मानवता को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर उनके बीच खुला, सम्मानजनक और सकारात्मक संवाद होना विशेष जिम्मेदारी है।उन्होंने इसे इतिहास बनाने वाला अवसर बताया। जिनपिंग ने कहा कि इतिहास बताता है कि जब बड़ी शक्तियां सद्भाव से रहती हैं तो दुनिया में शांति रहती है, लेकिन उनके बीच टकराव से वैश्विक अस्थिरता पैदा होती है।

# पुरानी गलतियां दोहराती कांग्रेस

- मनीष दाभाडे



जहां सोनिया गांधी ने अपने संस्मरण में लिखा कि 'बाबरी मस्जिद' का विध्वंस टीवी पर देखकर वह रो पड़ी थीं, वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पत्रकारों के बीच दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए इसे 'खुशियों की ईद' बताया। क्या कांग्रेस नागरिकों के सशक्तीकरण के बजाय उसी तुष्टीकरण में सहारा खोज रही है, जिसने उसे पहले भी पीछे धकेला? अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, धार्मिक स्वतंत्रता और समान अवसर सुनिश्चित करना लोकतंत्र का कर्तव्य है। तुष्टीकरण इससे अलग है। वह तब शुरू होता है, जब नागरिक के अधिकार से अधिक महत्व किसी धार्मिक नेतृत्व की नाराजगी को मिले। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र विरोधी है, क्योंकि वह स्वतंत्र नागरिक को बंधे हुए वोट बैंक में बदलती है। इसका पहला कारण कांग्रेस का बिखरता सामाजिक आधार है।

पिछड़ों और दलितों के नए नेतृत्व तथा क्षेत्रीय दलों के उभार ने कांग्रेस के पुराने ढांचे को चुनौती दी है। उसे संगठन को मजबूत करने के साथ नए नेतृत्व को आगे लाना चाहिए था, लेकिन उसके नेताओं को धार्मिक पहचान के सहारे समर्थन जुटाने का छोटा रास्ता सुविधाजनक दिखाई दिया। घटते जनाधार ने अल्पसंख्यक समर्थन को अंतिम सहारा मानने का प्रलोभन बढ़ाया। दूसरा कारण संगठन की कमजोरी है। मजबूत पार्टी सीधे परिवारों, युवाओं और कार्यकर्ताओं से बात करती है। कमजोर संगठन प्रभावशाली मध्यस्थों पर निर्भर होता है। कांग्रेस की राजनीति में यही जोखिम बढ़ा है- कुछ धार्मिक चेहरों को साधना पूरे समुदाय की आकांक्षाएं समझने का विकल्प बन जाता है। इससे सामान्य मुस्लिम नागरिक के बजाय प्रभावशाली मध्यस्थ मजबूत होते हैं। एक और कारण मुस्लिम समर्थन के लिए क्षेत्रीय दलों से प्रतिस्पर्धा है। भारतीय मुसलमान एकरूप नहीं हैं। उनमें गरीब, संपन्न, महिलाएं, युवा और पसमांदा वर्ग हैं, जिनकी जरूरतें अलग हैं। उन्हें केवल धार्मिक पहचान से संबोधित करना उनकी विविधता नकारना है। एक जैसे वोट की अपेक्षा उनकी स्वतंत्र समझ का सम्मान नहीं है। वास्तविक भेदभाव और असुरक्षा की शिकायतों का समाधान जरूरी है, लेकिन उनका स्थायी राजनीतिक दोहन समाधान नहीं है। सुरक्षा का भरोसा नागरिक को स्वतंत्र बनाए, किसी दल का बंधक नहीं। शाहबानो प्रकरण इसकी स्पष्ट मिसाल है। एक बुजुर्ग मुस्लिम महिला को मिले न्याय के बाद राजीव गांधी सरकार ने रूढ़िवादी मजहबी दबाव के बीच अलग कानून बनाया। इस निर्णय का संदेश यही था- महिला के अधिकार से अधिक महत्वपूर्ण मजहबी नेतृत्व की सहमति।

तुष्टीकरण की कीमत अल्पसंख्यक समाज चुकाता है। मुस्लिम बेटी को शिक्षा, सुरक्षित आवागमन और नौकरी चाहिए। युवा को कौशल, उद्यम के लिए ऋण और निष्पक्ष भर्ती चाहिए। दुकानदार को बिजली, सड़क और सुरक्षा चाहिए। धार्मिक भावनाओं पर बहस इन जरूरतों का विकल्प नहीं है। जो राजनीति अवसर देने के बजाय नागरिक को अपने संरक्षण पर निर्भर रखे, वह प्रगतिशील कैसे हो सकती है? नागरिक अपनी पसंद से नेता चुने, न कि कोई मध्यस्थ उसके वोट का मालिक बने। रूढ़िवादियों की नाराजगी के डर से सुधार मांगने वाली महिलाओं और युवाओं की आवाज न सुनना लोकतंत्र के विपरीत है। अल्पसंख्यक होना नागरिक की एकमात्र पहचान नहीं। ऐसा मानना उसके अधिकार और आकांक्षाएं सीमित करना है।

हिंदू समाज से संवाद में भी यही असंतुलन दिखता है। धार्मिक स्थलों पर ऐतिहासिक आक्रमणों की स्मृति को सम्मान चाहिए, लेकिन आज के मुसलमानों पर अतीत का दोष नहीं डाला जा सकता। हिंदू आस्था का सहज सम्मान करने में संकोच भी अनुचित है। दीपावली को दूसरे धार्मिक उत्सव की भाषा में समझाना आवश्यक नहीं। हर परंपरा अपनी पहचान के साथ सम्मानित हो सकती है।

अयोध्या ढांचे के विध्वंस की निंदा और न्यायिक समाधान के बाद मंदिर का स्वागत परस्पर विरोधी नहीं हैं। हिंदू आस्था और मुस्लिम अधिकारों को स्थायी टकराव में देखना समस्या है। कांग्रेस हर सांस्कृतिक प्रश्न को भाजपा के समर्थन या विरोध की नजर से देखेगी, तो समाज से संवाद खोएगी। विपक्ष सरकार से जवाब मांगे, समाज की आस्था से दूरी न बनाए। कांग्रेस के घटते प्रभाव के सभी कारण तुष्टीकरण में नहीं खोजे जा सकते, लेकिन जितना वह चुनिंदा धार्मिक संकेतों पर निर्भर होगी, उतना ही उसके व्यापक हिंदू मतदाता से दूर जाने का जोखिम बढ़ेगा। घटता समर्थन फिर उसी रास्ते पर निर्भरता बढ़ाएगा। इस दुष्चक्र में न राष्ट्रीय विकल्प तैयार होता है, न अल्पसंख्यकों का सशक्तीकरण। यही प्रतिगामी राजनीति है, क्योंकि समर्थन बचाने की चिंता में नागरिक की प्रगति पीछे छूटती है।

कांग्रेस की कमजोरी ने ही भाजपा के लिए अवसर बनाया। उसका उदय केवल प्रतिक्रिया नहीं था। नरेन्द्र मोदी ने 2014 से सांस्कृतिक आत्मविश्वास को विकास, गरीब कल्याण और आकांक्षाओं की राजनीति से जोड़ा। यूपी में 2017 से योगी आदित्यनाथ ने इसे आगे बढ़ाया। विभिन्न जातियों और वंचित समूहों को व्यापक हिंदू सामाजिक गठबंधन से जोड़ना इसकी सफलता रही है। मोदी और योगी के हिंदुत्व माडल की शक्ति सांस्कृतिक पहचान के साथ भेदभावरहित विकास के आग्रह में है। राशन, आवास, बैंक खाते और स्वास्थ्य सुरक्षा में पात्रता पंथ-मजहब नहीं, जरूरत होनी चाहिए। मोदी का 'सबका साथ, सबका विकास' और योगी का बिना भेदभाव लाभ पहुंचाने पर जोर यही कसौटी प्रस्तुत करता है। मुसलमानों को राजनीतिक संरक्षक की कृपा नहीं, नागरिक के अधिकार मिलने चाहिए।

तुष्टीकरण और सशक्तीकरण में अंतर है। पहला समुदाय को वोट बैंक मानता है, दूसरा व्यक्ति को अवसर देता है। मोदी और योगी ने व्यापक सामाजिक भागीदारी तथा विकास के एजेंडे से कांग्रेस की राजनीति को चुनौती दी है। इस माडल की लोकतांत्रिक शक्ति बहुमत का विश्वास और हर नागरिक के समान अधिकार, दोनों हैं। संस्कृति को सम्मान, कानून के सामने समानता और विकास में सबकी भागीदारी ही अधिक समावेशी, सशक्त भारत का रास्ता है।

# सोनाडीह सीमेंट प्लांट के खिलाफ विधायक इन्द्र साव के नेतृत्व में किसान करेंगे उग्र आंदोलन

## दस वर्षों से नहर पर पुलिया नहीं बना, अब सोनाडीह सीमेंट प्लांट का रेल रोकेंगे - विधायक इन्द्र साव

**जनता के गोठ/ओंकार साहू**

बलौदाबाजार- न्यूवोको विस्टास कार्प लिमिटेड सोनाडीह सीमेंट प्लांट की हठधर्मिता और वादाखिलाफी से त्रस्त भाटापारा विधानसभा क्षेत्र के लगभग एक दर्जन गांवों के किसानों के सब्र का बांध अब टूट चुका है। पूर्व में दिए गए अल्टीमेटम और प्रशासनिक पत्राचार के बावजूद सीमेंट प्रबंधन द्वारा भाटापारा शाखा नहर की रेलवे क्रॉसिंग पर पुलिया निर्माण कार्य शुरू नहीं किए जाने के विरोध में क्षेत्र के किसानों ने अब उग्र आंदोलन का मन बना लिया है।

किसानों की इस जायज मांग के समर्थन में विधायक इन्द्र साव स्वयं आंदोलन के मैदान में उतरने जा रहे हैं। विधायक इन्द्र साव ने चेतावनी दी है सीमेंट प्लांट प्रबंधन की किसान विरोधी रवैया अब बर्दास्त से बाहर है जब तक नहर पर पुलिया नहीं तब तक प्लांट का रेल मार्ग बाधित करेंगे ।

विदित हो कि वर्ष 2015 में सोनाडीह सीमेंट प्लांट के लिए रेलवे लाइन का निर्माण किया गया था। उस समय प्लांट प्रबंधन ने क्षेत्र के किसानों को आश्वस्त किया था कि सिंचाई व्यवस्था बाधित नहीं होने दी जाएगी। लेकिन एक दशक बीत जाने के बाद भी रेलवे लाइन के नीचे भाटापारा शाखा नहर पर पुलिया (कैनाल क्रॉसिंग स्ट्रक्चर) का निर्माण नहीं किया गया है।

इससे पहले भी विधायक इन्द्र साव ने नहर विभाग के अधिकारियों और ग्रामीणों के साथ स्थल का निरीक्षण किया था, जिसमें यह तथ्य सामने आया था कि भाटापारा शाखा नहर के बाई अंतिम छोर वितरक नहर की रेलवे क्रॉसिंग पर चार प्रमुख स्थलों (आर.डी. 1980 मी., आर.डी. 240 मी., आर.डी. 3930 मी., और खपरी माइनर के आर.डी. 2810 मी. से 2850 मी. के मध्य) पर पुलिया का निर्माण ही नहीं हुआ है।

विभाग द्वारा कई बार पत्राचार और मांग पत्र प्रेषित करने के बावजूद सीमेंट प्रबंधन ने इसे पूरी तरह नजरअंदाज किया है। पुलिया के अभाव में नहर का पानी अंतिम छोर तक नहीं पहुंच पा रहा है, जिसके कारण मोपकी, धनेली, चंदेली, सिल्वा, मोपका, बकुलाही, धौराभाठा, भरतपुर,



भोथीडीह, खपरी और निपनिया सहित लगभग 11 गांवों के किसान सिंचाई से वंचित हैं और खेती-किसानी में पिछड़ रहे हैं।

विधायक इन्द्र साव ने पूर्व में इस गंभीर विषय पर सीमेंट प्रबंधन से चर्चा की थी, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने तात्कालीन जिला कलेक्टर दीपक सोनी से मुलाकात कर किसानों की पीड़ा और आक्रोश से प्रशासन को अवगत कराया था। श्री साव ने स्पष्ट आरोप लगाया है कि जिले में स्थापित औद्योगिक इकाइयां अंचल के भोले-भाले किसानों, मजदूरों और स्थानीय बेरोजगारों का लगातार शोषण और उपेक्षा कर रही हैं।

अब इस मामले में ठोस कार्रवाई न होते देख, विधायक इन्द्र साव प्रभावित 11 गांवों के किसानों के साथ एक बड़ी बैठक की गई। इस बैठक में रेलवे क्रॉसिंग पर तत्काल पुलिया निर्माण, स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार में प्राथमिकता, लंबित मुआवजा की राशि और सीएसआर मद से क्षेत्र में पर्याप्त विकास कार्य कराए जाने की मांगों को लेकर सीमेंट प्रबंधन के खिलाफ उग्र किसान आंदोलन की अंतिम रूपरेखा तैयार की गई। विधायक श्री साव ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि इस आंदोलन से उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति की समस्त जवाबदारी सोनाडीह सीमेंट प्लांट प्रबंधन की होगी। बैठक में विशेष रूप से जिला कॉग्रस अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा धृतलहरे उपस्थित थी उन्होंने किसान हित में उग्र आंदोलन का समर्थन है बैठक में सभी प्रभावित गाँव के किसान प्रतिनिधि, निपनिया मंडल के जनप्रतिनिधि, दिनेश तिवारी, जीत्तू ठाकुर, दीपक नेताम, दीपक साहू, जगमोहन, कोमल साहू, पुरूषोत्तम, राजा, रोहित नेताम, गणेश राम साहू, सुनिल कुमार , श्रीकांत ध्रुव, नोहर सिंग, रामचन्द्र ध्रुव, पवन कुमार ध्रुव, सुखराम, नरेनद्र कुमार, उमेश, रामप्रसाद ध्रुव, योगेश कुमार पाल, ईश्वर साहू, लुकेश यदु, खेलावन यादव, शत्रुहन साहू, भुवनलाल साहू, दिलहरण वर्मा, सालिकराम साहू, मिलराम साहू, शोभाराम साहू, लीलाराम मरकाम, देवचरण साहू, पुहुपराम डहरिया, हमेंत वर्मा, प्रदीप कुमार, टुकेश्वर, खुमेश साहू, चेतन कुमार, प्रेम लाल साहू, ईश्वर वर्मा, कौशल साहू, कुलेश्वर वर्मा, कुंदन वर्मा, आनंद, मुकेश ठाकुर, राम सागर, हर्षकुमार वर्मा, जय कुमार साहू, सहित भारी संख्या में कृषकगण उपस्थित रहें।

# करपावंड थाना परिसर में पंचमुखी हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद व्यापारी संघ ने कराया भंडारा



### बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद, धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता का दिया संदेश

**बकावंड जनता के गोठ।** विकासखंड बकावंड के अंतर्गत ग्राम करपावंड स्थित थाना परिसर में नवनिर्मित पंचमुखी हनुमान मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा एवं स्थापना कार्यक्रम के पश्चात व्यापारी एकता संघ करपावंड द्वारा भव्य भंडारे का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तगण उपस्थित हुए। सभी ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण कर भगवान श्री पंचमुखी हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा।

व्यापारी एकता संघ द्वारा आयोजित इस भंडारे में धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का सुंदर संगम देखने को मिला। संघ के सदस्यों ने धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सहभागिता निभाते हुए सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना का परिचय दिया। आयोजन में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बना।

# अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम के सामने महिला ने पिया जहर, 50 हजार रुपये मांगने का लगाया आरोप

**जांजगीर-चांपा।** जिले के नवागढ़ विकासखंड के सिउड़ गांव में धान खरीदी केंद्र के पास सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई उस समय विवादों में घिर गई, जब एक महिला ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ पीकर जान देने की कोशिश की। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। महिला को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। महिला ने गांव के उपसरपंच, धान खरीदी केंद्र के प्रबंधक और एक अन्य व्यक्ति पर मकान नहीं तोड़ने के बदले 50 हजार रुपये मांगने का गंभीर आरोप लगाया है।

मिली जानकारी के अनुसार, सिउड़ गांव का धान खरीदी केंद्र स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र और आसपास बने मकानों से घिरा हुआ है। इसी परिसर के पास विजय कुमारी धीवर अपनी बेटी के साथ एक छोटी सी झोपड़ीनुमा संरचना में रहती है। बताया जा रहा है कि करीब छह महीने पहले उसने ईंटों की मदद से लगभग तीन फीट की दीवार बनाकर टीन की छत डाल ली थी। महिला का आरोप है कि मकान बनाने के बाद से ही धान खरीदी केंद्र के प्रबंधक राजू और गांव के उपसरपंच द्वारा उससे 50 हजार रुपये की मांग की जा रही थी।

# सांसद महेश कश्यप के छोटे भाई के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे ओबीसी महासभा एवं भाजपा के पदाधिकारी

### दिवंगत आत्मा को दी श्रद्धांजलि, सांसद महेश कश्यप और शोकाकुल परिजनों से मिलकर बंधाया ढांढस



**बकावंड जनता के गोठ।बस्तर** लोकसभा क्षेत्र के सांसद महेश कश्यप के छोटे भाई के असामयिक निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने भाजपा एवं ओबीसी महासभा के पदाधिकारी उनके निवास पहुंचे। इस दौरान उन्होंने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात की। साथ ही सांसद महेश कश्यप से भेंट कर इस दुख की घड़ी में उनके प्रति संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढांढस बंधाया।

उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

इस अवसर पर भाजपा अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला सोशल मीडिया प्रभारी राकेश ठाकुर, ओबीसी महासभा के संभागीय सचिव सदा सिंह ठाकुर, युवा प्रकोष्ठ बस्तर जिला अध्यक्ष मनोज कुमार ठाकुर, राजेन्द्र सिंह एवं नारायण सिंह ठाकुर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

# पंचायतों से जल कर वसूलने का कांग्रेस विरोध करती है- सुशील आंनद शुक्ला

**जनता के गोठ- रायपुर**

रायपुर/22 नवंबर 2026। पंचायतों से जल कर वसूलने का कांग्रेस विरोध करती है। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि साय कैबिनेट ने गांवों में पंचायतों से नल-जल योजनाओं के संचालन और रखरखाव के लिए जो जल प्रभार वसूलने का फैसला लिया है वो दिखाता है कि इस सरकार ने हर एक वर्ग से लूटने का मन बना लिया है, ग्रामीणों से जल प्रभार वसूलना ग्रामीण जनता पर आर्थिक बोझ डालने और पंचायतों को वसूली का माध्यम बनाने जैसा है। मोदी की हर घर नल योजना पूरी तरह से विफल हो गयी, सरकार इसके आधार पर जनता से टैक्स वसूलेगी।

प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि केंद्र सरकार एक तरफ हर घर तक नल से जल पहुंचाने का दावा



करती है, वहीं दूसरी तरफ गावों में बिना टंकी के नल लगाया जा रहा है, नल-जल योजना में लगे ठेकेदारों का करोड़ो का भुगतान बकाया है, योजना में भ्रष्टाचार व्याप्त है, मगर सरकार पानी के लिए ग्रामीण परिवारों से टैक्स वसूलना चाह रही है। आम जनता को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के बजाये सरकार उन पर आर्थिक बोझ डाल रही है। गरीब, किसान, मजदूर और आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीण परिवार इस अतिरिक्त आर्थिक बोझ को कैसे उठा पाएंगे?

# 13 गांवों में एक साथ होगी जसगीत एवं झांकी प्रतियोगिता, 23 और 24 जनवरी 2027 को होगा आयोजन

**जनता के गोठ- रायपुर**

**खम्हरिया।** क्षेत्र की धार्मिक और लोक-सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से आगामी 23 एवं 24 जनवरी 2027 (शनिवार और रविवार) को दो दिवसीय जसगीत एवं झांकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष आयोजन के तहत क्षेत्र के कुल 13 गांवों में एक साथ प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

कार्यक्रम की तिथि निर्धारित करने और तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए रविवार को ग्राम खम्हरिया में सभी संबंधित गांवों के अध्यक्षों एवं समिति सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से आयोजन की तारीखों पर मुहर लगाई गई और रूपरेखा पर विस्तार



से चर्चा हुई। इस सामूहिक आयोजन में ग्राम सांकरा, मोतीपुर, अमलेश्वर, डीह, घुघवा, मगरघटा, भोथली, खम्हरिया, पाहंदा, परसदा, कपसदा, कुम्हारी और बोरसी सहित कुल 13 गांव शामिल होंगे।

बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों व ग्रामीणों ने आयोजन को सफल बनाने तथा धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए आपसी समन्वय के साथ मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से कामता सिंगौर, बैजूराम साहू, रवि सिंगौर, डोमन यादव, छोटू यादव, युगल, नागेश, घनश्याम कौशिक, संजय यदु, सूर्यकांत सिंगौर, देवा ठाकुर, चिंटू निषाद, नंदकिशोर यादव, दीपक, सागर, कुंदन, तुकाराम साहू, सोनू यादव, मुकेश साहू, रोशन यादव, वासू किसन, ललित एवं मोनू सहित विभिन्न गांवों के अध्यक्ष और सदस्यगण उपस्थित रहे।

# कार्तिक पूर्णिमा पर छोटे देवड़ा में सेवा और दान-पुण्य का आयोजन, शरबत-फल एवं ठंडे पानी का वितरण

### सरपंच संतोष कुमार कश्यप की सराहनीय पहल, ग्रामवासियों से सपरिवार शामिल होकर प्रसाद ग्रहण करने की अपील

**भुजबल बघेल**

बकावंड, जनता के गोठ। विकासखंड बकावंड अंतर्गत ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा में कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर सेवा और दान-पुण्य की भावना के साथ शरबत, फल एवं ठंडे पानी का वितरण किया गया। यह आयोजन ग्राम पंचायत के सरपंच संतोष कुमार कश्यप की पहल पर संपन्न हुआ।

आयोजन के तहत ग्रामवासियों के लिए शरबत, फल एवं ठंडे पानी की व्यवस्था की गई। हिंदू धर्म में कार्तिक पूर्णिमा का विशेष धार्मिक



एवं आध्यात्मिक महत्व है। इस दिन दान-पुण्य, सेवा और जरूरतमंदों की सहायता को विशेष पुण्यदायी माना जाता है। इसी धार्मिक आस्था और सामाजिक सद्भाव की भावना को आगे बढ़ाते हुए सरपंच संतोष कुमार कश्यप ने यह सराहनीय पहल की।

सरपंच संतोष कुमार कश्यप ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज में आपसी भाईचारे, एकता और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने समस्त ग्रामवासियों से सपरिवार शामिल होकर प्रसाद ग्रहण करने और इस सेवा कार्य में सहभागी बनने की अपील की।

इस आयोजन के माध्यम से ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा में धार्मिक आस्था के साथ-साथ सेवा, समर्पण, सहयोग और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया गया।

# सीएम विष्णु देव साय ने विधायक अनुज शर्मा की 'सेवा संवाद यात्रा' को दिखाई हरी झंडी, कहा– प्रदेश के लिए मिसाल बनेगा जनसंपर्क का यह नया मॉडल

## अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ, यही मेरा संकल्पः विधायक अनुज शर्मा

**धरसींवा।**

जनता से सीधा संवाद स्थापित करने और समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से धरसींवा विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा आज से क्षेत्र के 144 गांवों की 25 दिवसीय व्यापक 'सेवा संवाद यात्रा' पर निकल पड़े हैं। यात्रा का औपचारिक शुभारंभ ग्राम चरौदा स्थित प्राचीन मुक्तेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण से हुआ, जहाँ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं विशिष्ट अतिथि जशपुर राजपरिवार के प्रमुख व पूर्व राज्यसभा सांसद राजा श्री रणविजय सिंह जूदेव ने विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

**पारंपरिक रीति-रिवाजों से हुआ मुख्यमंत्री का आत्मीय अभिनंदन**

कार्यक्रम स्थल पहुँचने पर क्षेत्र के विभिन्न समाजों के प्रमुखों एवं ग्रामवासियों ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ प्रदेश के मुखिया श्री विष्णु देव साय का आत्मीय स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों की थाप और पारंपरिक लोक नृत्यों की छटा के बीच ग्रामीणों में अपने मुख्यमंत्री और विधायक के प्रति भारी उत्साह देखने को मिला।

**धरसींवा को मिली ?21.86 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात**

विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास को गति देते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के करकमलों से कुल ?21.86 करोड़ की लागत से होने वाले 8 प्रमुख निर्माण कार्यों का भूमिपूजन संपन्न हुआ। इनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं:

मांढर विद्युत उपकेन्द्र विस्तार: ?679.17 लाख

मांढर शाखा नहर भूमिगत निर्माण कार्य: ?490.13 लाख

छछानपहरी से (नकटी) कुम्हारी मार्ग निर्माण (2.35 किमी): ?456.85 लाख

भाटापारा शाखा नहर निर्माण कार्य: ?410.17 लाख

कुरूद (सिलयारी) में महतारी सदन एवं कौशल विकास केन्द्र:




?50.00 लाख

नगरगांव में कौशल विकास केन्द्र निर्माण: ?40.00 लाख

चरौदा में बस स्टैंड, डी-वॉट, बालिका शौचालय एवं बकरी शेड निर्माण: ?30.19 लाख

मांढर में महतारी सदन निर्माण: ?30.00 लाख

इन कार्यों के पूरा होने से क्षेत्र में सिंचाई, बिजली, सड़क और ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा, जिसका सीधा लाभ आम जनता को मिलेगा।

विधायक की मांगों पर मुख्यमंत्री की मुहर, मंच से कीं दो बड़ी घोषणाएं

कार्यक्रम के दौरान विधायक अनुज शर्मा ने क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़ी प्रमुख मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। क्षेत्र की जनता की आवश्यकताओं को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इन्हें सहर्ष स्वीकार किया और मंच से ही दो महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं–पहली, ग्राम चरौदा में मंगल भवन निर्माण तथा दूसरी, प्राचीन मुक्तेश्वर महादेव मंदिर परिसर में शेड निर्माण एवं पेवर ब्लॉक लगाने की घोषणा।

**जनसेवा और सुशासन का नया मॉडल है यह यात्रा: मुख्यमंत्री साय**



सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने विधायक अनुज शर्मा की इस पहल की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा, ÷कला और संस्कृति के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाने के बाद आज अनुज शर्मा जी जनसेवा के क्षेत्र में भी उसी समर्पण और ऊर्जा के साथ कार्य कर रहे हैं। एक जनप्रतिनिधि का असली धर्म यही होता है कि वह जनता के बीच रहे और उनके सुख-दुख को साझा करे। 25 दिनों में 144 गांवों तक जनता से सीधा संपर्क साधने का यह संकल्प कोई साधारण बात नहीं है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि विधायक अनुज शर्मा जी की यह 'सेवा संवाद यात्रा' न केवल धरसींवा के विकास को नई गति देगी, बल्कि जनसंपर्क और सुशासन के मामले में पूरे प्रदेश के लिए एक उदाहरण बनेगी। ÷मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, यह सुनिश्चित करने में ऐसी यात्राएं मील का पत्थर साबित होती हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में जनचौपाल में शामिल होकर अपनी समस्याओं का समाधान कराएं। संबोधन के अंत में उन्होंने यात्रा की सफलता के लिए विधायक श्री शर्मा और उनकी पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं।

**डबल इंजन सरकार की योजनाओं का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुँचाना ही मेरा संकल्प: अनुज शर्मा**

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा ने कहा, ÷आज मेरे जनसेवा सफर का एक अत्यंत ऐतिहासिक दिन है। जब मैं अपने क्षेत्र के 144 गांवों की 25 दिवसीय 'सेवा संवाद यात्रा' पर निकल रहा हूँ, तो मुझे आशीर्वाद देने और इस यात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए स्वयं हमारे मुखिया माननीय विष्णु देव साय जी यहाँ पधारे हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी का यहाँ आना केवल एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश की सरकार गांव, गरीब और किसान के प्रति कितनी समर्पित है। ÷उन्होंने आगे कहा, ÷हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी की डबल इंजन सरकार ने महतारी वंदन योजना, धान खरीदी, पीएम आवास और सुशासन की जो ऐतिहासिक सौगातें दी हैं, उनका लाभ गांव के आखिरी व्यक्ति तक पहुँचा है या नहीं–यह सुनिश्चित करना मेरा लक्ष्य है। कोई भी ग्रामवासी अपनी समस्या लेकर न भटके, इसके लिए हर पंचायत में 'जनचौपाल' लगेगी। भगवान मुक्तेश्वर महादेव की कृपा और माननीय मुख्यमंत्री जी के आशीर्वाद से आज यह रथ चल पड़ा है। यह यात्रा किसी व्यक्ति विशेष की नहीं, बल्कि धरसींवा के स्वाभिमान, विकास और विश्वास की यात्रा है। धरसींवा की पावन धरती और इन 144 गांवों के प्रत्येक नागरिक की ओर से मैं आपका कोटि-कोटि आभार व्यक्त करता हूँ एवं अभिनंदन करता हूँ। आपने जो विश्वास मुझ पर जताया है और इस क्षेत्र के विकास के लिए जो बड़ी-बड़ी सौगातें दी हैं, उसके लिए धरसींवा सदैव आपका आभारी रहेगा।÷ इस 25 दिवसीय जनसंपर्क अभियान की रूपरेखा के अनुसार, विधायक अनुज शर्मा प्रतिदिन औसतन 5 से 6 गांवों का सघन दौरा कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

## भारत की पाकिस्तान को दो टूक- आत्मनिर्णय के नाम पर संप्रभुता से खिलवाड़ नहीं करेंगे सहन

**संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी।** भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान पर आत्मनिर्णय के सिद्धांत का घरेलू राजनीतिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। भारत ने स्पष्ट कहा कि आत्मनिर्णय के सिद्धांत का इस्तेमाल किसी भी देश की क्षेत्रीय अखंडता को कमजोर करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव भाविका मंगलानंदन ने गुरूवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र और अन्य मंचों पर चार्टर के कुछ बुनियादी सिद्धांतों जैसे- आत्मनिर्णय को नए सिरे से परिभाषित करने और संकीर्ण या घरेलू राजनीतिक उद्देश्यों के लिए चुनिंदा तरीके से लागू करने की लगातार कोशिशें अस्वीकार्य हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि आत्मनिर्णय का सिद्धांत उपनिवेशवाद से मुक्ति का माध्यम है। यह किसी देश से अलग होने या संयुक्त राष्ट्र के किसी सदस्य देश की क्षेत्रीय अखंडता को कमजोर करने का औचित्य नहीं हो सकता। भाविका मंगलानंदन ने अपने बयान में पाकिस्तान का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका निशाना स्पष्ट रूप से पाकिस्तान की ओर था। पाकिस्तान अक्सर मुद्दे की प्रासंगिकता की परवाह किए बिना कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा है और इसे आत्मनिर्णय के अधिकार से जोड़कर पेश करता है। मंगलानंदन ने कहा, हम दोहराना चाहेंगे कि जो देश अब स्वतंत्र हो चुके हैं, वहां आत्मनिर्णय का सिद्धांत लोकतांत्रिक विकल्प के नियमित इस्तेमाल के माध्यम से सबसे बेहतर तरीके से कायम रखा जाता है। भारत का लगातार यह रुख रहा है कि पाकिस्तान जनमत संग्रह की मांग उठाता रहा है, लेकिन कश्मीर के लोगों ने भारत में लोकतांत्रिक चुनावों में हिस्सा लेकर और अपने प्रतिनिधियों को चुनकर भारत के साथ रहने का अपना विकल्प जाहिर कर दिया है। भाविका मंगलानंदन संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति की बैठक में बोल रही थीं। यह समिति सामाजिक और मानवीय मामलों से जुड़े मुद्दों पर काम करती है। बैठक में पाकिस्तान की ओर से प्रस्तावित लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार का सार्वभौमिक रूप से साकार होना शीर्षक वाले प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा था।

## पकड़े जाने पर लगेगा 10 साल का प्रतिबंध; उठाए कदम

**सियोल, एजेंसी।** दक्षिण कोरिया में बुधवार को हुई देश की सबसे बड़ी कॉलेज प्रवेश परीक्षा



सुनेउंग या सीसैट के दौरान नकल रोकने के लिए परीक्षार्थियों की गहन जांच तो की ही गई। साथ?ही शर्ट के हर बटन पर स्टिकर तक चिपका दिए गए। वहीं, छिपे हुए मोबाइल फोन पकड़ने के लिए परीक्षा के दौरान तीन बार पूरे देश में इमरजेंसी मोबाइल अलर्ट भेजा गया, जिससे केंद्रों के अंदर छिपे 22 फोन रिंग बजने के कारण पकड़े गए। यह कदम हाल ही में हुए एक बड़े एआई चीटिंग गड़बड़झाले के बाद उठाया गया है, जिसमें एक उम्मीदवार ने छिपे हुए माइक्रो-कैमरे और जनरेटिव एआई की मदद से राष्ट्रीय परीक्षा में टॉप कर लिया था। ऐसे में एहतियातन परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे परीक्षार्थियों के शर्ट या कपड़ों के बटनों के अंदर बेहद सूक्ष्म कैमरे छिपाकर प्रश्न पत्र की तस्वीर खींचने की आशंका को खत्म करने के लिए सभी बटनों को अपारदर्शी स्टिकर से ढक दिया गया। इसी हफ्ते की शुरुआत में राष्ट्रीय कर लेखाकार परीक्षा के टॉपर हान वोन-सोक (34) ने पुलिस के सामने कबूल किया था कि उसने माइक्रो-कैमरे से सवालों की फोटो खींचकर एआई टूल को भेजी और स्मार्टफोन पर जवाब देखकर 400 में से 397.5 अंक हासिल किए थे। इसके अलावा हर सत्र से पहले परीक्षार्थियों के चश्मे उतरवाकर जांचे गए ताकि कोई एआई स्मार्ट ग्लास न पहन सके, साथ ही आस्तीन और कॉलर की भी तलाशी ली गई। परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में पब्लिक और मोबाइल वाई-फाई बंद कर दिया गया। देश में अब नकल करते पकड़े जाने पर परीक्षा से प्रतिबंध की अवधि 1 साल से बढ़ाकर 10 साल कर दी गई है।

# शिकागो में राहुल गांधी का पुतिन प्रेम उमड़ा

### पश्चिमी देश पर लगाया भारत को न समझने का आरोप

**शिकागो, एजेंसी।** कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तारीफ की है। उन्होंने पुतिन को ऐसे नेताओं में से एक बताया, जिन्हें भू-राजनीति की गहरी समझ है। राहुल गांधी ने कहा कि अपने राजनीतिक करियर में उन्होंने पश्चिमी देशों के नेतृत्व में बदलाव देखा है।

18 नवंबर को, राहुल गांधी ने अमेरिका के शिकागो विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का विषय था - ईरान युद्ध और दुनिया में भारत की भूमिका। चर्चा के दौरान उनके साथ शिकागो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रॉबर्ट पेप भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय राजनीति, ईरान युद्ध, रूस, अमेरिका, पश्चिमी देशों और भारत की विदेश नीति जैसे विषयों पर चर्चा हुई।राहुल गांधी से अमेरिका में युवा नेतृत्व को लेकर एक सवाल पूछा गया। चर्चा के दौरान, प्रोफेसर रॉबर्ट पेप ने अमेरिका में नेतृत्व के बदलते स्वरूप पर राहुल गांधी की राय जानी। उन्होंने बताया कि अमेरिका में नेताओं की एक नई पीढ़ी सामने आ रही है। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी और रिपब्लिकन नेता





व मौजूदा अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस का उदाहरण देते हुए, उन्होंने पूछा कि अमेरिका में अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराओं वाले युवा नेताओं के उभरने को वे किस तरह देखते हैं। इसके जवाब में राहुल गांधी ने कहा कि यह बदलाव अच्छा है। फिर उन्होंने पश्चिमी नेताओं के साथ अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि जब वे पहली बार राजनीति में आए थे, तब पश्चिमी नेताओं को दुनिया के अन्य हिस्सों के हालात और अंतरराष्ट्रीय मामलों की बेहतर समझ थी। राहुल गांधी ने अपनी बात समझाने के लिए पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर के साथ हुई एक बातचीत का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि जब उनकी ब्लेयर से बात हुई, तो उन्हें लगा कि अफगानिस्तान और भारत जैसे देशों के हालात की ब्लेयर को अच्छी समझ है। हालांकि, राहुल गांधी के अनुसार, बाद में पश्चिमी नेतृत्व के दौर में एक ऐसा समय आया जब कुछ नेता पूरी तरह से अपने ही देशों के आंतरिक मामलों पर केंद्रित हो गए। उन्होंने कहा कि जब ऐसे नेता दूसरे देशों के दौरे पर जाते थे, तो उनकी बातचीत से साफ पता चलता था कि उन्हें उन देशों के हालात और जमीनी सच्चाइयों की पर्याप्त जानकारी नहीं है। राहुल गांधी ने स्पष्ट किया कि वह किसी एक विशेष पश्चिमी देश की बात नहीं कर रहे थे, बल्कि पश्चिमी नेतृत्व में आए एक व्यापक बदलाव की ओर इशारा कर रहे थे। पश्चिमी नेताओं के साथ अपने अनुभवों का जिक्र करते हुए, राहुल गांधी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैंने जितने भी लोगों से मुलाकात की है, उनमें से पुतिन को भू-राजनीति की सबसे गहरी समझ है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि पुतिन अंतरराष्ट्रीय मामलों पर बहुत व्यापक दृष्टिकोण के साथ बात कर सकते हैं।

## पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर ने आतंकवाद के खात्मे का संकल्प दोहराया

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के दौरे के दौरान देश से आतंकवाद का पूरी तरह सफाया करने का सुरक्षा बलों का दृढ़ संकल्प दोहराया। सेना की मीडिया शाखा ने एक बयान में बताया कि मुनीर ने उत्तर वजीरिस्तान जिले के मीरानशाह का दौरा किया। वह पाकिस्तान के रक्षा बलों के प्रमुख भी हैं। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने बयान में कहा, उन्होंने कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ करीबी समन्वय में आतंकवाद के खतरे को निर्णायक रूप से समाप्त करने तथा खैबर पख्तूनख्वा में मुश्किलों से हासिल शांति और स्थिरता बनाए रखने के सुरक्षा बलों के अटूट संकल्प को दोहराया। मुनीर ने खैबर पख्तूनख्वा पुलिस की भी सराहना की और आतंकवाद तथा फितना-अल-खवारिज के खिलाफ उसके धैर्य, साहस और बलिदान पर गर्व जताया। पाकिस्तान की संघीय सरकार प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लिए फितना-अल-खवारिज शब्द का इस्तेमाल करती है। ISPR के अनुसार, दौरे के दौरान सीडीएफ मुनीर को मौजूदा सुरक्षा स्थिति, खुफिया सूचनाओं के आधार पर जारी अभियानों और आतंकवाद विरोधी निरंतर प्रयासों से हासिल उपलब्धियों को मजबूत करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि मुनीर ने अधिकारियों और जवानों से भी बातचीत की तथा उनकी उच्चस्तरीय तैयारी, पेशेवर दक्षता और अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की। पाकिस्तान के दो प्रांतों खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में सुरक्षा बल लगातार आतंकवाद विरोधी अभियान चला रहे हैं। इन दोनों प्रांतों में आतंकवादी गतिविधियों का विशेष रूप से असर रहा है। ISPR ने शनिवार को बताया था कि बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा के उत्तर वजीरिस्तान में खुफिया सूचनाओं के आधार पर चलाए गए अभियानों में एक मेजर समेत चार सुरक्षाकर्मी मारे गए, जबकि 24 आतंकवादी मारे गए।

# क्या बांग्लादेश लौट पाएंगी शेख हसीना: पूर्व पीएम के वकील ने उच्चायोग को फिर लिखा पत्र, मांगी जानकारी

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कानूनी सलाहकार ने उनके लिए नया पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र हासिल करने की कोशिश एक बार फिर तेज कर दी है। उनके वकील ने दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग को दोबारा पत्र भेजकर आवेदन की स्थिति पर जानकारी मांगी है। इसके साथ ही उन्होंने शेख हसीना की ओर से पैरवी करने के लिए हस्ताक्षरित प्राधिकरण पत्र भी संलग्न किया है।



लंदन स्थित मैट्रिक्स चैंबर्स के वकील स्टीवन पॉवेल्स केसी ने 19 नवंबर को बांग्लादेश के राजनयिक मिशन को पत्र लिखा। इसमें उन्होंने नौ नवंबर को दाखिल किए गए शुरुआती आवेदन की स्थिति के बारे में जानकारी मांगी। उन्होंने मीडिया रिपोर्टों का हवाला दिया, जिनमें बताया गया था कि उच्चायोग ने आवेदन मिलने की पुष्टि की थी, लेकिन उनके कानूनी प्रतिनिधित्व का सत्यापन मांगा था।

पॉवेल्स ने अपने पत्र में कहा, मैं इस पत्र के साथ उनकी ओर से काम करने के लिए हस्ताक्षरित प्राधिकरण संलग्न कर रहा हूं। उन्होंने जल्द से जल्द जवाब मिलने की उम्मीद भी जताई। नौ नवंबर की तारीख वाले संलग्न प्राधिकरण पत्र पर शेख हसीना के हस्ताक्षर हैं। इसमें उन्होंने स्टीवन पॉवेल्स को अपनी ओर से नया पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का औपचारिक अधिकार दिया है। दस्तावेज में शेख हसीना को बांग्लादेशी नागरिक बताया गया है, जो फिलहाल भारत में रह रही हैं। इसमें उनका जन्मस्थान तुंगीपाड़ा और जन्मतिथि 28 सितंबर, 1947 दर्ज है। यह नया पत्र ढाका के अधिकारियों की ओर से पहले आवेदन को खारिज किए जाने के बाद आया है। बांग्लादेश के विदेश मामलों के राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने उन्हें यात्रा दस्तावेज जारी करने की संभावना से इनकार किया था। उन्होंने कहा था कि देश किसी आतंकवादी या भगोड़े अपराधी को पासपोर्ट जारी नहीं करता। इसके बजाय कबीर ने भारत के साथ लागू द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि के तहत शेख हसीना को बांग्लादेश सौंपने की मांग की थी। ढाका का कहना है कि उनकी वापसी सामान्य यात्रा प्रक्रिया के बजाय औपचारिक प्रत्यर्पण प्रक्रिया के जरिए होनी चाहिए। बता दें कि शेख हसीना ने 15 साल से अधिक समय तक बांग्लादेश की सत्ता संभाली। पांच अगस्त 2024 को व्यापक जन प्रदर्शनों के बाद उनकी सरकार गिर गई थी और वह भारत आ गई थीं। इसके बाद नवंबर 2025 में बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने प्रदर्शनों से निपटने के तरीके को लेकर उन्हें मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी ठहराया और उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई।

## अमेरिकी बैंक जेपी मॉर्गन पर साइबर हमला: 16 हजार ग्राहकों का डेटा लीक होने की आशंका

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी बैंकिंग दिग्गज जेपी मॉर्गन चेस ने साइबर हमले की जानकारी दी है। बैंक के साथ काम करने वाले थर्ड पार्टी सेवा प्रदाताओं को निशाना बनाया गया। रिपोर्टों के मुताबिक, इस हमले में बैंक के करीब 16 हजार संपन्न ग्राहकों के ईमेल पते और फोन नंबर उजागर हुए हैं। एक रैनसमवेयर समूह ने इस डेटा लीक की जिम्मेदारी लेने का दावा किया है। जेपी मॉर्गन ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में कहा कि उसे पता चला है कि उसके लिए सेवाएं देने वाले थर्ड पार्टी वेंडर साइबर हमले का शिकार हुए हैं। बैंक की शुरुआती जांच के अनुसार, हमलावरों ने इन सेवा प्रदाताओं के पास मौजूद कुछ मार्केटिंग डेटा तक पहुंच बनाई। इसमें ग्राहकों के नाम और ईमेल पते शामिल हो सकते हैं। बैंक ने कहा कि उसकी सेवाओं पर इस घटना का कोई असर नहीं पड़ा है। जहां जरूरी होगा, प्रभावित ग्राहकों से सीधे संपर्क किया जाएगा और उन्हें सहायता दी जाएगी। इसमें मुफ्त क्रेडिट मॉनिटरिंग की सुविधा भी शामिल है। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, लीक हुए डेटा में जेपी मॉर्गन चेस के करीब 16 हजार धनी ग्राहकों के ईमेल पते और फोन नंबर शामिल हैं। बताया गया है कि यह जानकारी बैंक के रिजर्व प्रोग्राम से जुड़ी हो सकती है। यह वीजा का आमंत्रण आधारित क्रेडिट कार्ड है, जिसके लिए आमतौर पर ग्राहकों के पास 10 मिलियन डॉलर से अधिक की संपत्ति प्रबंधन के तहत होना जरूरी होता है। रिपोर्टों के अनुसार, इस साइबर हमले में वीजा और मास्टरकार्ड से जुड़े थर्ड पार्टी कारोबारी साझेदार भी प्रभावित हुए हैं। वीजा ने बताया कि हमले की शुरुआत एशिया-प्रशांत क्षेत्र के एक वेंडर से हुई थी। हालांकि, तीनों वित्तीय संस्थानों ने स्पष्ट किया है कि उनके मुख्य पेमेंट नेटवर्क और कार्ड नंबरों से जुड़ी जानकारी सुरक्षित है। जेपी मॉर्गन ने स्पष्ट किया कि यह साइबर हमला इसी सप्ताह ग्राहकों को हुई तकनीकी परेशानी से जुड़ा नहीं है। इससे पहले एक सॉफ्टवेयर बग के कारण बैंक को लेनदेन प्रक्रिया में दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। इस समस्या का असर कुछ अन्य बैंकों पर भी पड़ा था।

## इस्माइल बघाई का पलटवार: बोले- अमेरिका के जैविक-रासायनिक हथियार वाले दावे बेबुनियाद, यूएस पर क्या आरोप लगाए

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने गुरूवार को अमेरिका के उन दावों को सिरे से खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया है कि तेहरान जैविक या रासायनिक हथियार विकसित कर रहा है। उन्होंने वाशिंगटन पर बिना ठोस सबूत के आरोप लगाने का आरोप लगाया। बघाई ने इन दावों की तुलना 2003 में इराक पर अमेरिकी नेतृत्व वाले हमले से पहले लगाए गए आरोपों से की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बघाई ने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका के आरोप लगातार बदल रहे हैं, लेकिन उनके पीछे की कहानी पहले जैसी ही है। उन्होंने 2003 में इराक पर हमले से पहले अमेरिकी अधिकारियों की ओर से सामूहिक विनाश के हथियारों को लेकर किए गए खुफिया दावों का जिक्र किया। बघाई ने कहा, ईरान के परमाणु खतरे की बड़ी कहानी के बाद अब अमेरिकी अधिकारी दावा कर रहे हैं कि ऐसे संकेत मिले हैं कि ईरान जैविक या रासायनिक हथियार विकसित कर रहा है। उन्होंने आगे कहा, आरोप बदलते रहते हैं, लेकिन उनके पीछे की कहानी चिंताजनक रूप से वैसी ही है। एक बार फिर दुनिया से उम्मीद की जा रही है कि वह सब कुछ भूल जाए, ठीक फिल्म फाइंडिंग निमो की भुलक्कड़ मछली डोरी की तरह। बघाई ने सवाल उठाया कि क्या अमेरिकी अधिकारी चाहते हैं कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इराक युद्ध से पहले की घटनाओं को भूल जाए। उन्होंने 2003 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सामने तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री कॉलिन पॉवेल की प्रस्तुति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, क्या अमेरिकी अधिकारी वास्तव में उम्मीद करते हैं कि दुनिया संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 2003 में कॉलिन पॉवेल की उस चर्चित प्रस्तुति को भूल जाएगी, जब उन्होंने इराक के सामूहिक विनाश के हथियारों से कथित खतरे को दिखाने के लिए एक छोटी शीशी उठाई थी? उन्होंने आरोप लगाया कि इराक के पास सामूहिक विनाश के हथियार होने से जुड़े अप्रमाणित खुफिया दावों का जानबूझकर इस्तेमाल किया गया था। इसका मकसद सैन्य हस्तक्षेप के लिए जनता का समर्थन जुटाना था। ईरान के खिलाफ मौजूदा आरोपों की तुलना इराक युद्ध से करते हुए उन्होंने कहा कि अब फिर ऐसे गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं और कहानी उसी कथित धोखाधड़ी वाले पुराने तरीके पर आगे बढ़ती दिख रही है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह ईरान को लेकर किसी फैसले में जल्दबाजी नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नए साल की शुरुआत के बाद हालात का आकलन किया जाएगा।

# हरजीत कौर केस के बाद पुराने डिपोर्टेशन आदेश खत्म करने का प्रस्ताव, डेमोक्रेट सांसदों ने पेश किया बिल

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका में तीन दशक से अधिक समय तक रहने के बाद भारत निर्वासित की गई सिख बुजुर्ग महिला हरजीत कौर का मामला अब अमेरिकी संसद तक पहुंच गया है। उनके मामले का हवाला देते हुए चार डेमोक्रेट सांसदों ने एक विधेयक पेश किया है। इसके तहत दशकों पुराने निर्वासन (डिपोर्टेशन) आदेशों को एक निश्चित समय बाद समाप्त करने और पात्र प्रवासियों को अमेरिका में स्थायी निवास देने का प्रस्ताव है।

कैलिफोर्निया के सांसद लेटिफा सिमोन, जॉन गैरामेंडी, जो लोफग्रेन और जुआन वर्गास ने गुरुवार को प्रोटेक्ट आवर नेबर्स एक्ट नाम से यह विधेयक पेश किया। सांसदों के मुताबिक, इस कानून को लाने की प्रेरणा हरजीत कौर के मामले से मिली है। 13 साल तक हर छह महीने में अधिकारियों के सामने पेश होती रहीं हरजीत कौर को सितंबर 2025 में इमिग्रेशन अधिकारियों के साथ नियमित जांच के लिए पहुंचने के दौरान हिरासत में ले लिया गया था। इसके बाद उन्हें भारत निर्वासित कर दिया गया। खास बात यह है कि वह 13 साल से अधिक समय तक हर छह महीने में नियमित रूप से इमिग्रेशन अधिकारियों के सामने पेश होती रही थीं। जॉन गैरामेंडी के कार्यालय के मुताबिक, कौर 1990 के दशक की शुरुआत से अमेरिका में रह रही थीं। भारत लौटने के बाद भी वह अपने परिवार के संपर्क में हैं।

हरजीत कौर के परिवार ने इस विधेयक का स्वागत किया है। सांसद लेटिफा सिमोन के कार्यालय की ओर से जारी बयान में परिवार ने कहा- एक साल पहले हमारी दादी के साथ हुए क्रूर व्यवहार से हम अब भी सदमे में हैं और भयभीत हैं। परिवार ने बताया कि हरजीत कौर उनके जीवन और बड़े सामुदायिक दायरे का



अहम हिस्सा रही हैं। अमेरिका में बिताए दशकों के दौरान उन्होंने अपने बच्चों और पोते-पोतियों की परवरिश की।

प्रस्तावित विधेयक के मुताबिक, किसी व्यक्ति के खिलाफ जारी अंतिम निर्वासन आदेश जारी होने के 10 साल बाद अपने आप समाप्त हो जाएगा। हालांकि, होमलैंड सिक्योरिटी मंत्री के अनुरोध पर इमिग्रेशन जज इस आदेश को दोबारा लागू कर सकता है। इसके लिए स्पष्ट और ठोस सबूत देना जरूरी होगा कि आदेश में देरी के पीछे कोई महत्वपूर्ण कारण था, जिसका संबंध प्रशासनिक या फंड की कमी से नहीं था। इसके साथ ही नए सबूतों से यह भी साबित करना होगा कि आदेश को दोबारा लागू करना जनहित में है। पात्र प्रवासियों को कानूनी दर्जा पाने का मौका

विधेयक में उन प्रवासियों के लिए भी प्रावधान किया गया है, जिनके निर्वासन आदेश की समय सीमा खत्म हो चुकी है और जिसे दोबारा लागू नहीं किया गया है। ऐसे लोग अमेरिका में लगातार कम से कम 10 साल रहने के बाद उस कानूनी दर्जे के लिए आवेदन कर सकेंगे, जिसके वे पात्र हैं। हालांकि, इसके लिए शर्त होगी कि आवेदक को ऐसे किसी अपराध में दोषी न ठहराया गया हो, जिसमें एक साल से अधिक की जेल की सजा का प्रावधान हो। आवेदन लंबित रहने के दौरान निर्वासन आदेश को दोबारा लागू नहीं किया जा सकेगा।

इसके अलावा, विधेयक में कुछ ऐसे लोगों को विवेकाधीन आधार पर स्थायी निवास देने का भी प्रावधान है, जो अमेरिका में मौजूद हैं और जिनके खिलाफ निर्धारित इमिग्रेशन आधारों पर लंबे समय से निर्वासन आदेश जारी हैं। प्रस्ताव के तहत स्थायी निवास या अन्य पात्रता के लिए आवेदन करने वालों को अधिकतम 1,200 डॉलर फीस देनी होगी। इसके साथ ही उन्हें अपने सबसे हालिया संघीय आयकर रिटर्न की प्रमाणित प्रति भी जमा करनी होगी। हालांकि, विधेयक में यह स्पष्ट किया गया है कि निर्वासन आदेश समाप्त होने या आवेदन करने मात्र से किसी को ग्रीन कार्ड नहीं मिलेगा। इसके लिए निर्धारित पात्रता और कानूनी प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

# टेक आउटेज के बीच ट्रंप का फैसला: कर्स्टन डेविस बनीं अमेरिकी कार्यवाहक साइबर प्रमुख

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका में लगातार हो रही तकनीकी गड़बड़ियों और साइबर हमलों के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने साइबर सुरक्षा नेतृत्व में बड़ा बदलाव किया है। व्हाइट हाउस ने गुरुवार को कर्स्टन ए. डेविस को ऑफिस ऑफ द नेशनल साइबर डायरेक्टर (ओएनसीडी) का कार्यवाहक प्रमुख नियुक्त किया। वह सीन केर्नक्रॉस की जगह लेंगी। यह बदलाव ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका के बैंकिंग, विमानन और टेक्नोलॉजी सेक्टर में लगातार तकनीकी व्यवधान सामने आ रहे हैं और प्रशासन की साइबर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

नेशनल साइबर डायरेक्टर के स्थायी पद के लिए अमेरिकी सीनेट की मंजूरी जरूरी है। इसलिए डेविस फिलहाल कार्यवाहक प्रमुख के रूप में जिम्मेदारी संभालेंगी। सीन केर्नक्रॉस अगस्त 2025 से संघीय साइबर सुरक्षा नीति और रणनीति की देखरेख कर रहे थे। पद छोड़ने के बाद उन्होंने कहा- राष्ट्रपति ट्रंप के साथ काम करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा। डेविस ने नियुक्ति के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति ट्रंप और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका इस समय एनालॉग, डिजिटल और क्वांटम तकनीकों के महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है। देश की जीवनशैली तेजी से डिजिटल बुनियादी ढांचे से जुड़ रही है। ऐसे में साइबर सुरक्षा को मजबूत करना, डिजिटल सिस्टम को आधुनिक बनाना और भविष्य के लिए साइबर विशेषज्ञ तैयार करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका का तकनीकी भविष्य अधिक सुरक्षित और मजबूत बनाया जाएगा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी डेविस की नियुक्ति का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका की साइबर सुरक्षा मजबूत करने के लिए उनके साथ काम करने का इंतजार है। डेविस की नियुक्ति के बीच अमेरिका में साइबर सुरक्षा से जुड़ी एक और बड़ी घटना सामने आई है। जेपी मॉर्गन चेस ने गुरुवार को बताया कि उसके साथ काम करने वाली थर्ड पार्टी सेवा प्रदाता कंपनियों पर साइबर हमला हुआ है। शुरुआती जांच में पता चला कि हमलावरों ने इन कंपनियों के पास मौजूद कुछ मार्केटिंग डेटा तक पहुंच बनाई। इसमें ग्राहकों के नाम और ईमेल पते शामिल हो सकते हैं।

रिपोर्टस के मुताबिक, नाम के रैंसमवेयर समूह ने करीब 16 हजार अमीर ग्राहकों का डेटा लीक करने की जिम्मेदारी ली है। प्रभावित रिकॉर्ड में ईमेल पते, फोन नंबर और अकाउंट आईडी शामिल बताए गए हैं। यह मामला जेपी मॉर्गन के रिजर्व प्रोग्राम से जुड़ा बताया जा रहा है। यह वीजा का आमंत्रण आधारित क्रेडिट कार्ड है, जिसके लिए आमतौर पर ग्राहकों के पास 10 मिलियन डॉलर से अधिक की संपत्ति होनी जरूरी होती है।

जेपी मॉर्गन ने स्पष्ट किया कि उसके मुख्य बैंकिंग कामकाज पर इस हमले का कोई असर



नहीं पड़ा है। बैंक ने कहा कि प्रभावित ग्राहकों से जरूरत पड़ने पर सीधे संपर्क किया जाएगा और उन्हें मुफ्त क्रेडिट मॉनिटरिंग समेत जरूरी सहायता दी जाएगी। बैंक ने यह भी कहा कि इस साइबर हमले का सप्ताह की शुरुआत में सामने आई सेवा संबंधी तकनीकी गड़बड़ी से कोई संबंध नहीं है। वीजा ने बताया कि डेटा लीक की घटना एशिया-प्रशांत क्षेत्र में स्थित एक वेंडर से शुरू हुई। हालांकि, जेपी मॉर्गन, वीजा और मास्टरकार्ड ने स्पष्ट किया कि उनके मुख्य भुगतान नेटवर्क और कार्ड नंबर सुरक्षित हैं। अमेरिका में हाल के दिनों में कई बड़े तकनीकी रुकावट सामने आए हैं। जेपी मॉर्गन समेत कई बैंकों में सॉफ्टवेयर की गड़बड़ी के कारण लेनदेन प्रक्रिया प्रभावित हुई। इस मामले में करेंसी और बैंकिंग व्यवस्था की निगरानी करने वाले ऑफिस ऑफ द कंप्ट्रोलर ऑफ द करेंसी (ओसीसी) ने भी पूछताछ की है। एजेंसी ने गड़बड़ी के असर और ग्राहकों को दी गई जानकारी की समीक्षा की। इसके अलावा, पिछले सप्ताह फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) की ओर से देशभर में विमानों को उड़ान भरने से रोकने का आदेश जारी किया गया था, जिससे हवाई यातायात प्रभावित हुआ। माइक्रोसॉफ्ट की ईमेल सेवाओं में वैश्विक स्तर पर व्यवधान आया और पिछले महीने क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बाइनेंस पर बड़ा साइबर हमला हुआ। हालांकि, इनमें से अधिकतर घटनाओं के पीछे साइबर हमले की आशंका को आधिकारिक बयानों में खारिज किया गया है।रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में करीब 180 बड़ी वेबसाइटों में भी मैलवेयर डाले जाने की घटनाएं सामने आई हैं। इन घटनाओं ने डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। कर्स्टन डेविस के पास सरकारी और निजी क्षेत्र में साइबर सुरक्षा का लंबा अनुभव है। उन्होंने 23 दिसंबर 2025 को डिपार्टमेंट ऑफ वॉर के मुख्य सूचना अधिकारी के रूप में शपथ ली थी। इस पद पर वह सूचना प्रबंधन, आईटी, साइबर सुरक्षा और सूचना सुरक्षा से जुड़े मामलों में युद्ध विभाग के सचिव की प्रमुख सलाहकार थीं।



# शरवरी वाघ ने की आलिया भट्ट की जमकर तारीफ

अभिनेत्री शरवरी वाघ ने हाल ही में आलिया भट्ट के साथ फिल्म अल्फा में काम करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान उन्होंने आलिया को एक साथ कई जिम्मेदारियां निभाते हुए देखा। शरवरी के अनुसार, आलिया जहाँ कैमरे के सामने अपने किरदार पर पूरा ध्यान देती हैं, वहीं शॉट्स के बीच में ही वह घर, बेटी और अपने अन्य कामों की योजना भी बनाती रहती हैं। शरवरी ने आलिया को एक बेहतरीन अभिनेत्री के साथ-साथ शानदार मल्टीटास्कर भी बताया। दरअसल, शरवरी एक लोकप्रिय टीवी शो में विशेष अतिथि के तौर पर शामिल हुई थीं। इस दौरान उन्होंने शो की होस्ट के साथ बातचीत में आलिया के साथ काम करने और उनसे मिली सीख के बारे में विस्तार से बताया। शरवरी ने अपनी पसंदीदा अभिनेत्री की तारीफ करते हुए कहा, आलिया मेरी पसंदीदा अभिनेत्री हैं।



उन्होंने जिस तरह की फिल्में की हैं, पर्दे पर जैसी कहानियाँ लाई हैं और अलग-अलग किरदार निभाए हैं, वे सभी मेरे लिए प्रेरणा रहे हैं। मैंने हमेशा सोचा है कि मुझे भी ऐसी फिल्में करनी हैं। जब मुझे उनके साथ एक फिल्म में काम करने का मौका मिला, तो मैं बहुत खुश हुई। शरवरी ने आगे बताया कि आलिया के साथ काम करना उनके लिए सिर्फ एक फिल्म का हिस्सा बनने का मौका नहीं था, बल्कि उनसे बहुत कुछ सीखने का भी अवसर था। उन्होंने कहा, मैंने सोचा था कि मैं चुपचाप उनके आसपास रहूंगी और जितना हो सकेगा, सीखूंगी। एक इंसान के तौर पर भी वह शानदार हैं। मुझे याद है कि वह खुद इतनी यंग दिखती हैं, लेकिन उनकी एक छोटी बेटी भी है। शूटिंग के बीच में भी वह लगातार चीजों की योजना बनाती रहती हैं। उन्हें पता होता है कि क्या चल रहा है। जब कैमरा चालू होता है, तो वह पूरी तरह अपने काम पर ध्यान देती हैं और अपना सौ प्रतिशत देती हैं। इसके साथ ही वह घर, अपने ब्रांड्स और बाकी चीजों को भी संभालती हैं। वह वाकई मल्टीटास्कर हैं। शरवरी की बात सुनकर शो की होस्ट भी काफी प्रभावित हुईं। उन्होंने आलिया की तारीफ करते हुए कहा, वाह। यह बहुत अच्छी बात है। वह सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं हैं, बल्कि अपनी जिंदगी की हर चीज पर ध्यान देती हैं। बता दें कि शरवरी और आलिया ने फिल्म अल्फा में साथ काम किया है। शिव रवैल के निर्देशन में बनी यह एक्शन-थ्रिलर यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। फिल्म में दोनों अभिनेत्रियां अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। इस फिल्म के जरिए शरवरी भी यशराज फिल्म्स की स्पाई फ्रेंचाइजी से जुड़ी हैं।

# मॉन्स्टर से लड़ेंगे कार्तिक आर्यन?

कार्तिक आर्यन के बर्थडे के मौके पर उनकी नई फिल्म का ऐलान हुआ है। फिल्म के ऐलान के साथ ही एक टीजर भी जारी किया गया है। फिल्म का नाम 'कालिया' है और ये एक मॉन्स्टर थ्रिलर और माइथोलॉजी जॉनरा की फिल्म होगी. कार्तिक आर्यन की इस फिल्म का निर्देशन संदीप मोदी करने वाले हैं और धर्मा प्रोडक्शन्स इस फिल्म को बना रहे हैं।



कार्तिक आर्यन भूल भुलैया के पार्ट 2 और 3 के जरिए हॉरर कॉमेडी जॉनरा में पहले ही काम कर चुके हैं। इसके अलावा वो 'नागजिला' में भी काम कर रहे हैं, जो कि फैंटेसी कॉमेडी या क्रिएचर कॉमेडी जॉनरा की फिल्म होगी। पर अब वो एक सीरियस माइथोलॉजी और मॉन्सटर वाली फिल्म के साथ दर्शकों को हैरान करने और डराने के लिए तैयार हैं। हालांकि इसमें कार्तिक का रोल कैसा होगा इस बारे में फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है। पर माना जा रहा है कि फिल्म में उनकी जंग एक मॉन्सटर से होगी।कार्तिक आर्यन की 'कालिया' का रविवार को 2 मिनट 31 सेकेंड का टीजर जारी किया गया है। टीजर की शुरुआत में एक मां अपने छोटे से बेटे को सुलाने की कोशिश कर रही हैं। इसी दौरान बेटे के कहने पर वो उसे एक सदियों पुरानी स्टोरी सुनाती है। वो बेटे को बताती हैं कि सदियों पहले हमारी सबसे पवित्र नदी के भीतर एक राक्षस रहता था, जिसे सब लोग कालिया कहते थे। वो बताती हैं कि उस कालिया को भगवान कृष्ण ने वहां से हराकर भगा दिया था। मां की कहानी तो यही खत्म हो जाती है, पर कालिया की नहीं। टीजर में कालिया की झलक भी दिखाई गई है। वहीं कृष्ण भगवान की मूर्ति के सामने ही कालिया नदी से निकलकर एक कुत्ते को खाता भी दिखाया गया है। टीजर में लिखकर बताया गया है कि भगवान कृष्ण ने उसे भगा दिया था, लेकिन इंसान उसे फिर से वापस ले आए हैं।

# बॉबी देओल की 'आश्रम 4' की शूटिंग हुई पूरी

ओटीटी की दुनिया में सबसे चर्चित और लोकप्रिय क्राइम-ड्रामा वेब सीरीज में शुमार 'आश्रम' के चौथे सीजन को लेकर दर्शकों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। अभिनेता बॉबी देओल और जाने-माने फिल्ममेकर प्रकाश झा की इस सुपरहिट फ्रेंचाइजी के चौथे सीजन की शूटिंग आधिकारिक तौर पर पूरी हो गई है।




प्रकाश झा प्रोडक्शंस और बॉबी देओल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक जॉइंट पोस्ट साझा करते हुए 'रैप-अप' (शूटिंग समाप्ति) की आधिकारिक घोषणा की है।

मेकर्स द्वारा साझा की गई बिहाइंड-द-सीन्स तस्वीर में निर्देशक प्रकाश झा, मुख्य अभिनेता बॉबी देओल और पूरी क्रिएटिव टीम सेट पर एक साथ नजर आ रही है। इस तस्वीर पर बड़े अक्षरों में "इट्स अ रैप!" के साथ "एक बदनाम... आश्रम सीजन 4" और प्रकाश झा प्रोडक्शंस का लोगो अंकित है। इस खास मौके पर भावुक और उत्साहित संदेश लिखते हुए मेकर्स ने कैप्शन में कहा, "और इसी के साथ 'आश्रम सीजन 4' की शूटिंग पूरी हुई! यह सफर जुनून, टीमवर्क और कभी न भूलने वाली यादों से भरा रहा। हर फ्रेम के पीछे कड़ी मेहनत करने वाली इस शानदार टीम को सलाम!" इस घोषणा के बाद से ही सोशल मीडिया पर फैंस के बीच सीरीज को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

### पुरानी स्टार कास्ट के साथ जुड़ेंगे कई नए चेहरे

इंस्टाग्राम पोस्ट में मेकर्स ने सीरीज से जुड़े प्रमुख कलाकारों और क्रू मेंबर्स को टैग किया है, जिससे आगामी सीजन की स्टार कास्ट की तस्वीर भी काफी हद तक साफ हो गई है। बॉबी देओल एक बार फिर स्वयंभू बाबा निराला के दमदार और रहस्यमयी किरदार में लौट रहे हैं। उनके साथ पिछली कड़ियों के अहम कलाकार जैसे चंदन रॉय सान्याल (भोपा स्वामी), अदिति पोहनकर (पम्मी), त्रिधा चौधरी, सचिन श्रॉफ और परिणीता सेठ अपने-अपने किरदारों को आगे बढ़ाते नजर आएंगे।

# 'रामायण: पार्ट 2' में क्यों हो रही 1 साल की देरी?



नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी और रणबीर कपूर, यश और साई पल्लवी स्टारर फिल्म 'रामायण' बॉक्स ऑफिस पर रोज़ नए नए रिकॉर्ड बना रही है। रामायण का पहला पार्ट बंपर कमाई कर रहा है, पर दूसरे पार्ट के लिए दर्शकों को तय वक्त से ज्यादा का इंतज़ार करना पड़ेगा। पहले मेकर्स ने दूसरे पार्ट के लिए दिवाली 2027 का वक्त तय किया था, पर अब इसे दिवाली 2028 के लिए आगे बढ़ा दिया गया है। उम्मीद की जा रही है कि 'रामायणः पार्ट 2' पार्ट 1 से भी ज्यादा भव्य होगा। इसकी तस्दीक फिल्म के सिनेमाटोग्राफर्स में से एक पंकज कुमार ने भी की है।'रामायण' में पंकज कुमार और महेश लिमाये ने सिनेमाटोग्राफर के तौर पर काम किया है। इन्हीं में से एक पंकज कुमार ने वैरायटी इंडिया से बातचीत में बताया कि रामायण का दूसरा पार्ट विज़ुअल स्केल और इसे लागू करने के मामले में ज्यादा महत्वकांक्षी होगा। उन्होंने बताया, "पार्ट 2, पार्ट 1 से ज्यादा महत्वकांक्षी होगा। उसमें कई बड़े युद्ध के सीक्वेंस और बहुत सारा सीजीआई का काम करना होगा।"रामायण पार्ट 2 का कितना काम हो चुका है? इस पर भी पंकज कुमार ने अपडेट दिया। उन्होंने बताया, "हमने पार्ट 2 का करीब 60 फीसदी हिस्सा शूट कर लिया है।



# क्या पोस्टपोन होगी रश्मिका मंदाना की 'मायसा'?

रश्मिका मंदाना इस वक्त अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा में बनी हुई है। एक्ट्रेस जल्द ही 'मायसा' में नजर आने वाली हैं। फिल्म को लेकर लगातार नए-नए अपडेट सामने आ रहे हैं। खबरें थी कि रश्मिका की ये पीरियड एक्शन थ्रिलर इस फिल्म को 27 नवंबर को रिलीज होगी। लेकिन अब खबर है कि ये फिल्म अपनी पहले से तय रिलीज डेट पर सिनेमाघरों में दस्तक नहीं दे सकती है।

जी हां, अब एक नई रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि मेकर्स इसकी रिलीज डेट बदलने पर विचार कर रहे हैं। फिलहाल प्रोडक्शन टीम की ओर से नई रिलीज डेट को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। यह खबर ऐसे समय में सामने आई है, जब फिल्म के प्रमोशन का अगला दौर शुरू होने वाला है और इसका नया गाना 'ओसे रामुलम्मा' भी रिलीज हो चुका है।Gulte की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के मेकर्स इसकी रिलीज को दो हफ्ते आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। अगर ऐसा होता है, तो रश्मिका मंदाना की यह फिल्म 27 नवंबर की जगह 11 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। हालांकि, नई तारीख को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है।रश्मिका की यह फिल्म नवंबर की बड़ी रिलीज में से एक मानी जा रही थी। ऐसे में रिलीज डेट बदलने की खबर ने फैंस का ध्यान खींचा है। हालांकि, मेकर्स ने अभी यह भी साफ नहीं किया है कि रिलीज में बदलाव होने से फिल्म के प्रमोशन और दूसरे प्लान पर कोई असर पड़ेगा या नहीं। जब तक आधिकारिक घोषणा नहीं होती, तब तक फिल्म की पहले से तय रिलीज डेट 27 नवंबर ही मानी जाएगी।



# 'दृश्यम 3' के बाद अजय देवगन की अगली बड़ी तैयारी



बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' ने बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा दिया था। फिल्म ने शानदार कमाई की थी और क्रिटिक्स की तरफ से भी काफी तारीफ मिली थी। वहीं, अजय देवगन की एक्टिंग ने तो सभी के इंप्रेस कर दिया था। दृश्यम 3 के बाद से ही फैंस अजय की अगली फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच बड़ी खबर आई है। दरअसल, अजय फिर से भूषण कुमार के साथ फिल्म करने की तैयारी में हैं।अजय और प्रोड्यूसर भूषण कुमार की जोड़ी ने अब तक कई हिट फिल्में दी हैं। दोनों ने साथ मिलकर 'तान्हाजीः द अनसंग वॉरियर', 'रेड 2', 'दृश्यम 2', 'धमाल 4' और 'दे दे प्यार दे' जैसी फिल्मों में काम किया है। अब एक बार फिर अजय देवगन और भूषण कुमार एक बड़े बजट की स्पाई थ्रिलर फिल्म के लिए हाथ मिला सकते हैं।बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, अजय देवगन भूषण कुमार की एक हाई-बजट स्पाई थ्रिलर फिल्म साइन करने के करीब हैं। बताया जा रहा है कि भूषण कुमार ने भारतीय जासूसी की दुनिया पर आधारित एक नई और अब तक अनदेखी कहानी तैयार की है। वह इस प्रोजेक्ट में अजय देवगन को कास्ट करना चाहते हैं।

फीचर

# आज का राशिफल

**मेष राशि -** आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आप किसी ऐसे व्यक्ति से मिलेंगे जिसकी बातों से आपके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। ऑफिस में आपका अच्छा काम देखकर सहकर्मी आपसे कुछ नया सीखेंगे।

**वृषभ राशि -** आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। आज व्यापार में अच्छा लाभ होने से आप अपनी नई ब्रांच खोलने का विचार घरवालों के साथ करेंगे। परिवार का पूरा सहयोग मिलने से किसी बड़ी समस्या का समाधान कर लेंगे। प्रैक्टिआज सोच रखेंगे तो आपके संतुलित रवैये से फायदा मिलेगा।

**मिथुन राशि -**आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप किसी अपने के साथ बहस करने से बचें, जिससे आपका समय बचेगा। ऑफिस में आज आपके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ होगी। लवमेट्स में चल रही अनबन समाप्त होगी और एक-दूसरे की भावनाओं को समझेंगे। समाज में आपके अच्छे कामों की वजह से आपका सम्मान बढ़ेगा।

**कर्क राशि -** आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आप जिस काम को काफी दिनों से करने की सोच रहे थे, उसकी शुरुआत आज से कर सकते हैं। दान-धर्म के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। भाई-बहनों से चल रही अनबन बातचीत के जरिए समाप्त होगी। जल्द ही आपको काम के अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

**सिंह राशि -** आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। ज्यादा व्यस्त रहने के कारण आप अपने आसपास ध्यान नहीं दे पाएंगे। अपनों के प्रति प्रेम और विश्वास बढ़ेगा। सभी क्षेत्रों में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। परिवार के सदस्यों की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे, क्योंकि आप उनसे किए हुए वादों को पूरा करेंगे। रचनात्मक कार्यों में सूझबूझ से आगे बढ़ेंगे।

**कन्या राशि -** आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। किसी भी कानूनी मामले में जल्दबाजी न दिखाएं। अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखेंगे तो भविष्य में आने वाली परेशानियों से बच जाएंगे। आज अपने काम को सामान्य गति से पूरा करेंगे। किसी नए काम की शुरुआत करना चाह रहे हैं तो दिन शुभ है, सफलता मिलने के अच्छे योग बन रहे हैं।

**तुला राशि-**आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप एक से अधिक स्रोतों से आय प्राप्त करेंगे। शासन व प्रशासन के मामले में सावधानी बरतें। निवेश संबंधी मामलों को गति मिलेगी। किसी अजनबी पर सोच-समझकर भरोसा करें। विद्यार्थियों को मानसिक बोझ से छुटकारा मिल सकता है और प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे।

**वृश्चिक राशि -** आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। स्वास्थ्य के लिहाज से दिन अच्छा रहेगा। बढ़ते खर्चे परेशानी का कारण बन सकते हैं, इसलिए बजट बनाकर चलने का प्रयास करें। किसी संपत्ति का सौदा जल्दबाजी में न करें। राजनीतिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को बड़े नेताओं से मिलने का अवसर मिलेगा।

**धनु राशि-** आज का दिन आपके लिए निश्चित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी योजनाओं को गति मिलेगी और कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी। अपने जरूरी कामों की सूची बनाएंगे, जिससे काफी हद तक उन्हें पूरा करने में सफल रहेंगे। बड़ों का साथ व सहयोग भरपूर मात्रा में मिलेगा। शिक्षा में आ रही परेशानी से छुटकारा मिलेगा, जिससे खुशी होगी।

**मकर राशि -** आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। किसी नए काम को शुरू करने से पहले पूरी योजना बनाएंगे और माता-पिता से सलाह लेंगे। सरकारी कामों में नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देंगे, तो काम करने में आसानी होगी। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा। आपकी वाणी की सरलता मान-सम्मान दिलाएगी।

**कुंभ राशि-** आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आपका मन धार्मिक कार्यों की तरफ रहेगा और लोगों के बीच आपके काम की तारीफ होगी। आर्थिक लाभ पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी, जिसका फल जरूर मिलेगा। माता-पिता अपने बच्चों को मनोरंजन के लिए बाहर घुमाने ले जा सकते हैं। महिलाएं अपने किसी काम की प्लानिंग करेंगी।

**मीन राशि-** आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। किसी काम के लिए की गई आपकी मेहनत रंग लाएगी और करियर के लिए दिन फेवरेबल रहेगा। किसी काम के पूरे होने पर प्रसन्नता होगी। कार्यस्थल पर हर कोई आपकी बातों को ध्यान से सुनेगा और सीनियर्स का पूरा साथ मिलेगा। व्यापार में अचानक धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा।

# भगवान तिरुपति बालाजी के उग्र श्रीनिवास स्वरूप का रहस्य

आंध्र प्रदेश के तिरुमाला में स्थित भगवान तिरुपति बालाजी का मंदिर देश के सबसे प्रसिद्ध और पवित्र तीर्थस्थलों में से एक है। यहां हर दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन करने पहुंचते हैं। मान्यता है कि भगवान विष्णु कलियुग में अपने भक्तों के कष्ट दूर करने और उनकी मनोकामनाएं पूरी करने के लिए तिरुमाला पर्वत पर विराजमान हैं।

यही वजह है कि बालाजी के दरबार में देश ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी भक्त बड़ी श्रद्धा के साथ पहुंचते हैं। मंदिर की पूजा-पद्धति और यहां निभाई जाने वाली कई परंपराएं भी बेहद खास हैं, जिनके पीछे पौराणिक कथाएं और सदियों पुरानी मान्यताएं जुड़ी हुई हैं।भगवान तिरुपति बालाजी के मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर के कई स्वरूपों की पूजा की जाती है। इन्हीं में एक दुर्लभ स्वरूप उग्र श्रीनिवास का भी है। भगवान का यह रूप बेहद तेजस्वी और उग्र माना जाता है। मंदिर की प्राचीन मूर्तियों में शामिल इस स्वरूप से जुड़ी एक ऐसी मान्यता है, जिसके कारण सालभर में केवल एक बार ही उनकी शोभायात्रा निकाली जाती है। इतना ही नहीं, इस यात्रा के लिए सूर्योदय से पहले का समय निर्धारित किया गया है।

### साल में सिर्फ एक बार क्यों निकलती है सवारी?



### 14वीं सदी की एक घटना से जुड़ी है परंपरा

तिरुमाला मंदिर की मान्यताओं के अनुसार, 14वीं शताब्दी से पहले बड़े धार्मिक उत्सवों और विशेष अवसरों पर भगवान उग्र श्रीनिवास की मूर्ति को ही शोभायात्रा के लिए मंदिर से बाहर निकाला जाता था। भक्त इस मूर्ति को नगर की सड़कों पर लेकर जाते थे और भगवान के दर्शन करते थे। हालांकि, एक दिन शोभायात्रा के दौरान ऐसी घटना हुई, जिसके बाद मंदिर की इस परंपरा में बड़ा बदलाव कर दिया गया।

### भगवान की मूर्ति पर सूरज की किरण पड़ते ही लगी आग

प्रचलित मान्यता के अनुसार, एक बार भगवान उग्र श्रीनिवास की शोभायात्रा के दौरान सूरज की किरणें उनकी मूर्ति पर पड़ गईं। इसके कुछ ही समय बाद पूरे इलाके में भीषण आग लग गई। बताया जाता है कि इस आग में आसपास के कई घर और संपत्ति जलकर नष्ट हो गए। इस घटना से स्थानीय लोग और मंदिर के पुजारी काफी भयभीत हो गए। इसके बाद सभी ने भगवान से प्रार्थना की और उनके उग्र स्वरूप को शांत करने की कामना की। इस घटना के बाद मंदिर की उत्सव परंपरा में बदलाव किया गया। बड़े धार्मिक आयोजनों में भगवान के शांत स्वरूप माने जाने वाले श्री मलयप्पा स्वामी को उत्सव मूर्ति के रूप में स्थापित किया गया। इसके बाद से प्रमुख त्योहारों और शोभायात्राओं में मलयप्पा स्वामी को ही मंदिर से बाहर ले जाने की परंपरा शुरू हो गई।

# कार्तिक पूर्णिमा पर मनाई जाएगी देव दीपावली

सनातन धर्म में कार्तिक पूर्णिमा को धार्मिक रूप से बेहद प्रमुख दिन माना जाता है। साल 2026 में कार्तिक पूर्णिमा 24 नवंबर को है। इस दिन पूर्णिमा के व्रत के साथ ही देव दीपावली का त्योहार मनाने की भी परंपरा है। मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा की रात देवताओं ने धरती पर आकर दीपावली मनाई थी और आज भी सूक्ष्म रूप में देवता इस रात धरती पर आते हैं। देव दीपावली की रात नदियों में स्नान, दीपदान और दान-पुण्य के साथ ही देवी-देवताओं की पूजा करना भी शुभ होता है। आइए ऐसे में जान लेते हैं कि विशेष रूप से इस दिन किन देवी-देवताओं की पूजा का विधान है।

### भगवान गणेश

विघ्नहर्ता भगवान गणेश प्रथम पूज्य हैं और देव दीपावली के शुभ अवसर पर भी इनकी पूजा आपको अवश्य करनी चाहिए। भगवान गणेश की पूजा करने से आपके जीवन के सब दुख दूर हो सकते हैं।

### भगवान विष्णु

कार्तिक मास भगवान विष्णु को समर्पित है क्योंकि इसी महीने श्रीहरि योगनिद्रा से जागते हैं। साथ ही मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन ही विष्णु ने मत्स्य अवतार लिया था। इसलिए देव दीपावली पर आपको भगवान विष्णु की आराधना अवश्य करनी चाहिए। इस दिन सत्यनारायण की कथा करने से घर में सुख-शांति आती है।

### माता लक्ष्मी

देव दीपावली पर भगवान विष्णु के साथ ही माता लक्ष्मी की पूजा करना भी शुभ होता है। भगवान विष्णु के साथ माता लक्ष्मी की पूजा करने से धन-धान्य में वृद्धि होती है और आप आर्थिक समस्याओं से मुक्त हो सकते हैं।



### देवी तुलसी

कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली की शाम को तुलसी पूजा करने का विधान लंबे समय से चला आ रहा है। इस दिन तुलसी विवाह भी कुछ लोग संपन्न करते हैं। माना जाता है कि कार्तिक पूर्णिमा पर तुलसी की पूजा करने से विघ्न-बाधाएं दूर होती हैं और घर में सकारात्मकता का वास होता है।

### भगवान शिव

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा के दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर नामक राक्षस का वध कर देवताओं को भयमुक्त किया था, इसलिए इसे कार्तिक पूर्णिमा को 'त्रिपुरी पूर्णिमा' भी कहा जाता है। ऐसे में देव दीपावली के दिन शिव पूजन से बेहद शुभ परिणाम आपको मिल सकते हैं। महादेव की पूजा करने से शत्रु बाधा, भय और कष्टों से मुक्ति मिल सकती है।

### राधा-कृष्ण

कार्तिक माह की पूर्णिमा तिथि को भगवान कृष्ण और राधा रानी की भक्ति का विशेष महत्व बताया गया है। पूर्णिमा के पावन अवसर पर राधा-कृष्ण का स्मरण और पूजन करने से परिवार में प्रेम, सद्भाव बना रहता है। इसके साथ ही मानसिक शांति भी आपको प्राप्त हो सकती है।

# सर्दियों में सेहत का पावरहाउस है गोंद के लड्डू, खाने से मिलते हैं कमाल के फायदे

गोंद के लड्डू सर्दियों में भारतीय घरों में बनाए जाने वाले पारंपरिक व्यंजनों में से एक हैं। इन्हें आमतौर पर शरीर को एनर्जी और पोषण देने के लिए खाया जाता है। इन्हें बनाने में खाने वाला गोंद, गेहूं का आटा, घी, मेवे, बीज और गुड़ का इस्तेमाल किया जाता है। ये सभी सामग्रियां मिलकर शरीर को कई जरूरी पोषक तत्व प्रदान करती हैं। हालांकि, इनका सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए। अर्चना एस, मुख्य आहार विशेषज्ञ, केआईएमएस अस्पताल, महादेवपुरा, बेंगलुरु बता रही हैं सर्दियों में गोंद के लड्डू खाने से क्या क्या फायदे मिलते हैं। पोषण के नजरिए से देखें तो गोंद के लड्डुओं का एक प्रमुख फायदा यह है कि ये एनर्जी का सबसे बेहतरीन सोर्स है। सर्दियों में शरीर को अपना सामान्य तापमान बनाए रखने और रोजमर्रा की एक्टिविटी के लिए एनर्जी की जरूरत होती है। ऐसे में ये लड्डू आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

# वैकुंठ चतुर्दशी पर भूलकर भी न करें ये गलतियां

हिंदू धर्म में वैकुंठ चतुर्दशी का विशेष धार्मिक महत्व है। यह पर्व भगवान विष्णु और भगवान शिव की संयुक्त आराधना के लिए समर्पित है। साल में वैकुंठ चतुर्दशी 23 नवंबर, सोमवार को मनाई जाएगी। यह पर्व कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को आता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान विष्णु और भगवान शिव की पूजा करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। इसे हरि-हर मिलन के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि इस दिन दोनों देवताओं की एक साथ आराधना की जाती है।वैकुंठ चतुर्दशी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करने के बाद भगवान विष्णु और भगवान शिव की पूजा-अर्चना की जाती है। इस दिन भगवान विष्णु को तुलसी दल और भगवान शिव को बेलपत्र अर्पित करने की परंपरा है। कुछ विशेष परंपराओं में दोनों देवताओं को एक-दूसरे की प्रिय वस्तुएं भी चढ़ाई जाती हैं। इसके अलावा मंत्र जाप, विष्णु सहस्रनाम का पाठ, शिव चालीसा और दीपदान करना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन 14 दीपक जलाने और जरूरतमंदों को अन्न-वस्त्र का दान करने से पुण्य मिलता है। हालांकि, पूजा-पाठ के साथ कुछ ऐसे नियम भी हैं, जिनका ध्यान रखना जरूरी माना जाता है।



### नहीं करना चाहिए?

वैकुंठ चतुर्दशी के दिन कुछ गलतियों से बचने की सलाह दी जाती है. आइए जानते हैं कि इस दिन किन कामों को करने से बचना चाहिए.

1. तुलसी के पत्ते न तोड़ें: वैकुंठ चतुर्दशी के दिन तुलसी के पत्ते तोड़ने से बचना चाहिए। भगवान विष्णु की पूजा के लिए एक दिन पहले तोड़े गए तुलसी दल का इस्तेमाल करें। तुलसी को भगवान विष्णु का बेहद प्रिय माना जाता है।
2. तामसिक भोजन से बचें: इस दिन मांस, मदिरा, लहसुन और प्याज का सेवन नहीं करना चाहिए। पूजा-पाठ के दौरान खानपान में सात्विकता बनाए रखना शुभ माना जाता है।
3. किसी से झगड़ा या विवाद न करें: वैकुंठ चतुर्दशी के दिन क्रोध, लड़ाई-झगड़े और अपशब्दों से दूर रहना चाहिए। किसी के प्रति मन में ईर्ष्या या द्वेष रखने के बजाय प्रेम और सद्भाव बनाए रखने की कोशिश करें।
4. भगवान शिव और विष्णु की पूजा में भेदभाव न करें: वैकुंठ चतुर्दशी हरि और हर के मिलन का पर्व है। ऐसे में भगवान विष्णु और भगवान शिव दोनों की श्रद्धापूर्वक पूजा करनी चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन दोनों देवताओं की एकता और समान महत्ता का सम्मान करना चाहिए।

## संक्षिप्त समाचार

### मुख्यमंत्री साय का ऐलान: चक्रवात अकवान से प्रभावित किसानों को मिलेगी आर्थिक सहायता

**रायपुर।** मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने सभी जिला कलेक्टरों को चक्रवात से प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान का सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए हैं। जिन किसानों की फसलें बीमित हैं, उन्हें संबंधित फसल बीमा योजना के प्रावधानों के अनुसार पात्र बीमा दावा राशि दिलाने की कार्रवाई की जाएगी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अकवान चक्रवात के कारण फसलों को हुए नुकसान को लेकर किसानों को आश्वस्त किया है कि राज्य सरकार हर प्रभावित किसान के साथ खड़ी है। किसानों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। चक्रवात से हुई फसल क्षति का सर्वेक्षण कराकर सभी पात्र किसानों को नियमानुसार सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने सभी जिला कलेक्टरों को चक्रवात से प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान का सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए हैं। सर्वेक्षण के आधार पर प्रभावित किसानों को राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6-4 के प्रावधानों के अंतर्गत पात्रतानुसार आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। जिन किसानों की फसलें बीमित हैं, उन्हें संबंधित फसल बीमा योजना के प्रावधानों के अनुसार पात्र बीमा दावा राशि दिलाने की कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रभावित किसानों को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

### बाघ के हमले से 14 वर्षीय किशोरी की मौत, वन विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल 15 लाख मुआवजे की मांग

**रायपुर।** मनियारी क्षेत्र में बाघ के हमले में 14 वर्षीय किशोरी की दर्दनाक मौत की घटना से पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। इस हृदयविदारक घटना ने वन विभाग की कार्यप्रणाली और ग्रामीणों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा गया कि यदि क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी पहले से थी, तो वन विभाग ने समय रहते ग्रामीणों को सतर्क क्यों नहीं किया? जंगल से लगे गांवों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी वन विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। समय पर सूचना, मुनादी और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए होते, तो शायद इस मासूम की जान बचाई जा सकती थी। इस घटना के बाद सरकार और वन विभाग से पीड़ित परिवार को तत्काल 15 लाख रुपये की मुआवजा राशि प्रदान करने की मांग की गई है। साथ ही मनियारी एवं आसपास के गांवों में बाघ की मौजूदगी को देखते हुए तत्काल अलर्ट जारी करने, नियमित गश्त बढ़ाने और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की गई है। इस दर्दनाक हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन ली हैं। अब केवल संवेदना व्यक्त करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि वन विभाग को अपनी जिम्मेदारी तय करते हुए जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सरकार और वन विभाग को तत्काल प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए।

### गांजा बेचते रंगे हाथों पकड़ा गया आरोपी, 356 ग्राम गांजा और बिक्री रकम सहित 18,050 रुपये का सामान जब्त

**रायपुर।** जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पिपरिया पुलिस ने ग्राम इंदौरी में गांजा बिक्री करते एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 356 ग्राम गांजा और बिक्री की रकम 250 रुपये सहित कुल 18,050 रुपये की मशरूका जब्त की है। पुलिस के अनुसार, 17 नवंबर 2026 को सूचना मिली थी कि ग्राम इंदौरी में रामभजन चंद्रवंशी के घर के सामने गांजा बेचने का काम किया जा रहा है। सूचना पर पिपरिया पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर गवाहों की मौजूदगी में कार्रवाई की और गांजा बिक्री करते हुए रामभजन चंद्रवंशी (40 वर्ष), निवासी ग्राम इंदौरी को पकड़ा। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 356 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत 17,800 रुपये बताई गई है। इसके अलावा गांजा बिक्री से प्राप्त 250 रुपये भी जब्त किए गए। इस तरह पुलिस ने कुल 18,050 रुपये की मशरूका बरामद की।

### गुलेल से पत्थर मारने की बात पर विवाद, डंडे से हमला कर व्यक्ति की हत्या; तीन आरोपी गिरफ्तार

**रायपुर।** जिले के कुकदुर थाना क्षेत्र के ग्राम डेंगुरजाम में गुलेल से पत्थर मारने की बात को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की हत्या का मामला सामने आया है। विवाद के दौरान तीन आरोपियों ने एकराय होकर डंडे से हमला कर इतवारी बैगा को गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मामले में कुकदुर पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, ग्राम डेंगुरजाम निवासी मोहन बैगा, आमबाई उर्फरामबाई बैगा और रामदयाल बैगा का गांव के ही इतवारी बैगा से गुलेल से पत्थर मारने की बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने पर तीनों ने मिलकर डंडे से उस पर हमला कर दिया। हमले में गंभीर चोट लगने से इतवारी बैगा की मृत्यु हो गई।

## नक्सलवाद के साये से समृद्धि के उजाले तक

# भारत मंडपम में दिखा नए छत्तीसगढ़ का नया चेहरा-विष्णुदेव साय

- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बोले, राज्य गठन के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में हुए शामिल

रायपुर/ संवाददाता

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में शुक्रवार की शाम छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, कला और परंपराओं के रंगों से सराबोर रही। छत्तीसगढ़ राज्य दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य सांस्कृतिक समारोह में प्रदेश के लोक कलाकारों ने पारंपरिक नृत्यों और लोक संगीत की आकर्षक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। राज्यपाल श्री रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह ने राष्ट्रीय राजधानी में छत्तीसगढ़ की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान, समृद्ध जनजातीय परंपराओं और जीवंत लोक कलाओं की मनमोहक झलक प्रस्तुत की। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों, कृषि, उद्योग और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ विकास की व्यापक संभावनाओं वाला राज्य है। प्रदेश में इस्पात, सीमेंट, ऊर्जा, एल्युमिनियम, खाद्य प्रसंस्करण और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में निवेश के अपार अवसर उपलब्ध हैं। नवीन औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के माध्यम से निवेश, रोजगार सृजन और उद्यमिता को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्यपाल ने देश-विदेश से आए उद्योगपतियों और निवेशकों से छत्तीसगढ़ की संभावनाओं का लाभ उठाने तथा प्रदेश के विकास में सहभागी बनने का आह्वान किया। उन्होंने कृषि आधारित उद्योगों तथा लघु वनोपज के प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इन क्षेत्रों के विकास से स्थानीय लोगों की आय बढ़ेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ की वास्तविक शक्ति यहां के मेहनतकश किसान, प्रतिभाशाली युवा, महिलाएं और कुशल शिल्पकार हैं। युवाओं को स्टार्टअप, नवाचार और उद्यमिता से जोड़ने के साथ ही महिला स्व-सहायता समूहों और स्थानीय शिल्पकारों के उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, हस्तशिल्प, हथकरघा और पर्यटन स्थलों में आर्थिक विकास तथा रोजगार सृजन की अपार संभावनाएं हैं। विकास के साथ सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सामूहिक प्रयासों और जनभागीदारी से छत्तीसगढ़ को आर्थिक रूप से समृद्ध, औद्योगिक रूप से सशक्त, सांस्कृतिक रूप से गौरवशाली और सामाजिक रूप से समरस राज्य बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान अब बदल रही है। जिस बस्तर और छत्तीसगढ़ की चर्चा कभी नक्सलवाद और चुनौतियों के संदर्भ में होती थी, आज वही प्रदेश अपनी समृद्ध जनजातीय विरासत, जीवंत लोक संस्कृति, प्राकृतिक सौंदर्य और विकास की नई संभावनाओं के साथ देश-दुनिया के सामने नई पहचान बना रहा है। भारत मंडपम में आयोजित भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में नजर आया छत्तीसगढ़ का स्वरूप इसी बदलते दौर की कहानी बयां कर रहा है। यहां परंपरा और आधुनिकता, विरासत और विकास तथा स्थानीय हुनर और आर्थिक संभावनाओं का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि राज्य गठन के बाद यह पहला अवसर है, जब वे इतनी बड़ी संख्या में अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में शामिल हुए हैं।



# गोपनीय सूचना लीक करने के आरोप में निरीक्षक दुबे सस्पेंड

रायपुर। संवाददाता

कांग्रेस नेता आनंदमल कुकरेजा से 25 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में फरार चल रहे शोएब ढेबर की तलाश के बीच पुलिस विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। आरोपी को गिरफ्तारी से बचाने और पुलिस की गोपनीय जानकारी लीक होने के मामले में निरीक्षक विनीत दुबे को निलंबित कर दिया गया है। बस्तर आईजी बद्री नारायण मीणा ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला द्वारा 30 अक्टूबर को भेजे गए प्रतिवेदन के आधार पर की गई है। तेलीबांधा थाने में दर्ज अपराध क्रमांक 403/2026 की जांच के दौरान निरीक्षक विनीत दुबे के संदिग्ध आचरण को निलंबन का आधार बनाया गया है। पुलिस की जांच में सामने आया कि फरार शोएब ढेबर को पकड़ने के लिए खम्हारडीह क्षेत्र में दबिश देने की योजना बनाई गई थी। हालांकि, कार्रवाई से पहले ही आरोपी वहां से निकल गया। इसके बाद पुलिस की रणनीति और गोपनीय जानकारी लीक होने की आशंका पर विभागीय स्तर पर जांच शुरू की गई। इससे पहले इस मामले में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट के आरक्षक शिवम द्विवेदी और राहुल सिंह गौतम को भी निलंबित किया जा चुका है। अब निरीक्षक विनीत दुबे पर हुई कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में यह मामला फिर सुर्खियों में है। फरार आरोपी शोएब ढेबर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने इनाम की राशि भी बढ़ाई है। सेंट्रल डीसीपी की ओर से पहले 5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। वहीं, पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने अलग से 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। इस तरह आरोपी की जानकारी देने वाले व्यक्ति को कुल 15 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा। मामले के अनुसार, 14 सितंबर को कांग्रेस नेता आनंदमल कुकरेजा के मोबाइल पर विदेशी नंबर से व्हाट्सऐप के जरिए धमकी भरे संदेश भेजे गए थे। संदेश भेजने वाले ने कथित तौर पर खुद को अमन साहू गैंग से जुड़ा बताते हुए 25 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी।

### बेटी को ससुराल से घर लाने की बात पर भड़का साला, जीजा की पीट पीटकर हत्या

**रायपुर।** जिले के बैकुण्ठपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सलका में पारिवारिक विवाद के चलते एक युवक ने अपने ही जीजा की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी ने जीजा को जमीन पर पटक-पटककर उसके सीने, पेट और गले पर पैर से वार किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी साले को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार रात करीब 8:30 बजे ग्राम सलका के बसोरपारा की है। मृतक जितेंद्र बसोर (42 वर्ष) अपनी छह वर्षीय बेटी को ससुराल से लेकर घर लौट रहा था। इसी बात को लेकर उसका साला सनी बसोर (20 वर्ष) नाराज हो गया। आरोपी मृतक का पीछा करते हुए घर से कुछ दूरी पर स्थित ग्राम सलका के मैदान तक पहुंचा और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

## अजय चंद्राकर का कांग्रेस पर तंज

# वोट बचाओ नहीं,कांग्रेस बचाओ अभियान चलाए पार्टी-चन्द्राकर..

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत के तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे से पहले भाजपा के वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने अभियान पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस को 'वोट बचाओ, देश बचाओ' की जगह 'कांग्रेस बचाओ' अभियान चलाना चाहिए। अजय चंद्राकर ने कहा कि 'वोट चोरी, वोट बचाओ' संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाने जैसा है। कांग्रेस के पास



अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने के अलावा कोई जनहित का मुद्दा नहीं बचा है। उन्होंने सुखदेव भगत की राजनीतिक योग्यता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें यह बताना चाहिए कि झारखंड में कांग्रेस कितने समय से सत्ता से बाहर है। जनजाति गौरव दिवस के कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के शामिल नहीं होने को लेकर कांग्रेस द्वारा भाजपा पर जनता से डरने का आरोप लगाए जाने पर भी चंद्राकर ने पलटवार किया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि क्या कांग्रेस का कार्यालय मौसम विभाग का कार्यालय है? कांग्रेस नेताओं को मौसम विभाग में संविदा पर नियुक्त कर देना चाहिए, क्योंकि उन्हें मौसम की अच्छी जानकारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मौसम खराब होने के कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। छत्तीसगढ़ से सीआरपीएफ की नक्सल विरोधी बटालियन को हटाए जाने के मुद्दे पर अजय चंद्राकर ने कहा कि बस्तर में अब डी-माइनिंग का काम शेष है।

# उन्नत खेती-किसानी से सुकरू यादव के परिवार में आई बहुत खुशहाली....

- धान, मक्का और साग-सब्जी की खेती को बनाया परिवार की समृद्धि का आधार

रायपुर/ संवाददाता

खेती-किसानी के प्रति लगन, मेहनत और उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाकर किसान किस तरह अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकते हैं, इसकी एक प्रेरक मिसाल बस्तर जिले के तोकापाल विकासखंड के ग्राम कोयपाल निवासी किसान श्री सुकरू यादव हैं। सीमित कृषि भूमि होने के बावजूद उन्होंने फसल विविधीकरण और सिंचाई की बेहतर व्यवस्था के माध्यम से खेती को अपनी खुशहाली का मजबूत आधार बनाया है। आज खेती से होने वाली आमदनी से वे अपने परिवार की जरूरतें पूरी करने के साथ ही अपनी तीन बेटियों की पढ़ाई पर भी विशेष ध्यान दे रहे हैं। गुरुवार को किसान सुकरू यादव तोकापाल धान उपार्जन केन्द्र में अपना धान विक्रय करने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष वे 40 क्विंटल धान बेचने के लिए लाए हैं। धान विक्रय से प्राप्त राशि का उपयोग वे सहकारी समिति से लिए गए 70 हजार रुपये के फसल ऋण को चुकाने में करेंगे और घर की जरूरतों को पूरा करेंगे। उन्होंने बताया कि उनके परिवार के पास लगभग तीन एकड़ पैतृक कृषि भूमि है, जिसमें वे खरीफ सीजन में उन्नत तरीके से धान की खेती करते हैं। सुकरू यादव ने खेती को केवल खरीफ सीजन तक सीमित नहीं रखा है, बल्कि खेत में नलकूप स्थापित कर सिंचाई की सुविधा विकसित की है। इसके माध्यम से वे रबी सीजन में मक्का और विभिन्न प्रकार की साग-सब्जियों का उत्पादन करते हैं। साग-सब्जियों के विक्रय से उन्हें सीजन में लगभग एक लाख रुपये की आमदनी होती है, वहीं मक्का बेचकर लगभग दो लाख रुपये की राशि प्राप्त होती है। इसके अलावा खरीफ में उत्पादित धान के विक्रय और कृषक उन्नति योजना के तहत मिलने वाली सहायता से भी उन्हें आर्थिक संबल मिलता है। सुकरू यादव ने राज्य शासन द्वारा कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत हाल ही में प्रति एकड़ 13,839 रुपये की सहायता राशि दिए जाने निर्णय को किसानों के हित में संवेदनशील और महत्वपूर्ण पहल बताया।

### टिन के पीपे से शुरू हुआ संगीत का सफर,पद्मश्री मदन सिंह चौहान ने सूफी गायकी में बनाई विशिष्ट पहचान

**रायपुर।** संगीत के प्रति जुनून और साधना की दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो संसाधनों की कमी भी सफलता की राह नहीं रोक सकती। इसका उदाहरण छत्तीसगढ़ के पद्मश्री सम्मानित संगीत साधक मदन सिंह चौहान हैं, जिन्होंने कभी रियाज के लिए टिन के पीपे को ढोलक बनाकर संगीत का अभ्यास शुरू किया था। ढोलक से तबले तक और फिर सूफी गायकी के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने वाले श्री चौहान को लोग स्नेह से 'गुरुजी' कहते हैं। नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पद्मश्री मदन सिंह चौहान से आत्मीय मुलाकात की और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने संगीत साधना के प्रति उनके संघर्ष, समर्पण और कला के क्षेत्र में दिए गए योगदान की सराहना की। श्री चौहान ने सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद संगीत के प्रति अपनी लगन बनाए रखी। शुरुआत में वाद्य यंत्र उपलब्ध नहीं होने पर उन्होंने टिन के पीपे को ही ढोलक बनाकर उस पर थाप देना शुरू किया। निरंतर अभ्यास के बल पर उन्होंने संगीत की बारीकियां सीखीं और करीब 30 वर्षों तक तबला वादन किया। इसके बाद गजल और सूफी गायकी के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की। संगीत के प्रति उनकी वर्षों की साधना, संघर्ष और उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री सम्मान से अलंकृत किया।

# वित्तमंत्री ने ठठारी में यूनियन बैंक की नवीन शाखा का किया वर्चुअल शुभारंभ



- ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार से वित्तीय समावेशन को मिलेगी मजबूती
- किसानों, महिलाओं, व्यापारियों और ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर मिलेंगी आधुनिक बैंकिंग सेवाएं

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में ग्रामीण क्षेत्रों तक बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार करने और आम नागरिकों को सुलभ वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक और पहल हुई है। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने आज सक्ती जिले के जनपद पंचायत जैजैपुर अंतर्गत ग्राम ठठारी में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की नवीन शाखा का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। इस नई शाखा के प्रारंभ होने से क्षेत्र के ग्रामीणों, किसानों, महिलाओं, छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को स्थानीय स्तर पर बैंकिंग सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और प्रत्येक नागरिक को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने के लिए बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। गांवों में बैंक शाखाओं की उपलब्धता से न केवल नागरिकों को वित्तीय लेनदेन में सुविधा मिलती है, बल्कि शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी अधिक सुगमता से प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी व्यवस्थाओं ने बैंकिंग सेवाओं को आम नागरिकों के अधिक निकट पहुंचाया है। ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग नेटवर्क का विस्तार इन प्रयासों को और मजबूती प्रदान करेगा। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि ठठारी में यूनियन बैंक की नवीन शाखा खुलने से क्षेत्र के किसानों को कृषि संबंधी बैंकिंग सेवाओं, स्वसहायता समूहों को वित्तीय गतिविधियों तथा युवाओं और छोटे उद्यमियों को स्वरोजगार के लिए ऋण सुविधाओं तक पहुंच बनाने में सहायता मिलेगी। स्थानीय स्तर पर बैंकिंग सुविधा उपलब्ध होने से नागरिकों को बैंक संबंधी कार्यों के लिए दूरस्थ स्थानों तक जाने की आवश्यकता भी कम होगी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में ग्रामीण अर्थव्यवस्था, वित्तीय सशक्तिकरण और आधुनिक बैंकिंग सेवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य में बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार ग्रामीण विकास, स्वरोजगार और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने में सहायक होगा।

## 5 हजार से अधिक किसानों से 21,200.92 मीट्रिक टन धान की खरीदी

# किसानों को धान बेचने में नहीं होगी परेशानी 3140 किसानों के रकबे में किया गया सुधार

- धान खरीदी से लेकर कस्टम मिलिंग तक प्रशासन की सख्त निगरानी, पारदर्शिता और समयबद्धता पर विशेष जोर
- कस्टम मिलिंग का चावल जमा करने में देरी पर 09 राइस मिलरों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत बालोद जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। बालोद जिले में अब तक 5 हजार से अधिक किसानों से 21,200.92



मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। किसानों को सुगम एवं पारदर्शी खरीदी व्यवस्था उपलब्ध कराने के साथ ही अवैध धान भंडारण, परिवहन और कस्टम मिलिंग में अनियमितताओं पर भी जिला प्रशासन द्वारा सख्ती बरती जा रही है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार धान उपार्जन केंद्रों से लेकर राइस मिलों तक पूरी प्रक्रिया की सतत निगरानी की जा रही है। खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले में 15 नवंबर 2026 से प्रारंभ हुई धान खरीदी के तहत 20 नवंबर तक 5 हजार से अधिक किसानों से कुल 21,200.92 मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया जा चुका है। प्रशासन द्वारा सभी खरीदी केंद्रों में किसानों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि किसानों को धान विक्रय के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा खरीदी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं व्यवस्थित रहे। किसानों को धान बेचने में किसी प्रकार की तकनीकी अथवा अभिलेखीय परेशानी न हो, इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा रकबा एवं फसल संबंधी त्रुटियों के सुधार की विशेष व्यवस्था की गई है। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में कुल 1,58,572 किसानों का पंजीयन किया गया है। इनमें से 5,743 किसानों का रकबा समिति मॉड्यूल में शून्य प्रदर्शित हो रहा था। किसानों की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए समिति स्तर पर रकबा सुधार की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-शुभम वर्मा द्वारा मकान नंबर 411, देवनगर, आदिवासी छात्रावास के सामने, शिव शंकर होटल के पीछे महादेव घाट रायपुरा, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित। (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9300870270, 9425520408 jantakegoth@gmail.com